शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

# विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 148 | गुवाहाटी | सोमवार, 19 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कछार : 150 करोड़ की नशीली दवा जब्त पेज 3
राष्ट्रीय परिषद की बैठक में आप संयोजक केजरीवाल की चीनी सामान के... पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने माध्यमिक शिक्षा में चयनित 1395 अध्यापकों को बांटे... पेज 5
राजस्थान में गहलोत सरकार के खिलाफ आमजन में भयंकर आक्रोश : अरुण सिंह पेज 8

### पूर्वोत्तर परिषद का स्वर्ण जयंती समारोह

# अब डंके की चोट पर हो रहा बॉर्डर पर निर्माण : पीएम

**शिलांग।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को शिलांग पहुंचे। वहां वह मेघालय के शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह में भी शामिल हुए। इस दौरान पीएम मोदी ने शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस स्वर्ण जयंती समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। पीएम मोदी ने कहा कि जिस प्रकार फुटबॉल में अगर कोई खिलाड़ी खेल भावना से नहीं खेलता तो उसे रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया जाता है। ऐसे ही पिछले 8 वर्षों में हमने पूर्वोत्तर के विकास के रास्ते में अनेक रुकावटों को रेड कार्ड दिखा दिया। उन्होंने कहा कि खेलों को लेकर केंद्र सरकार आज एक नई अप्रोच के साथ आगे बढ़ रही है। इसका लाभ पूर्वोत्तर के युवाओं को हुआ है। देश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पूर्वोत्तर में है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं मेघालय के सभी भाइयों और बहनों को कनेक्टिविटी, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार योजनाओं के लिए बधाई देता हूं जो राज्य को समर्पित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल कनेक्टिविटी से सिर्फ बातचीत, संवाद ही बेहतर नहीं होता। बल्कि इससे टूरिज्म से लेकर टेक्नॉलॉजी तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक, हर क्षेत्र में सुविधाएं बढ़ती हैं, अवसर बढ़ते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि हम भ्रष्टाचार, पक्षपात, भाई-भतीजावाद, हिंसा, परियोजनाओं को ठप करने और वोट बैंक की राजनीति को दूर करने के लिए ईमानदार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप जानते हैं कि इन बीमारियों की जड़ें काफी गहरी होती हैं। इसलिए, हम सभी को मिलकर इसे जड़ से उखाड़ना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि पहले पूर्वोत्तर को विभाजित करने का प्रयास किया गया था। आज के समय हम इन विभाजनों को दूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां पर अलग-अलग समुदाय हो या फिर अलग-अलग क्षेत्र, हम हर प्रकार के डिविजन को दूर कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में नया बुनियादी ढांचा युवाओं के लिए अधिक अवसर लाएगा। उन्होंने कहा कि आईआईएम और प्रौद्योगिकी पार्कों के उद्घाटन से राज्य के युवाओं के लिए शिक्षा के साथ-साथ आजीविका बढ़ाने में मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि जब हमने केंद्र सरकार की प्राथमिकताएं बदलीं तो उसका सकारात्मक असर पूरे देश में दिख रहा है। इस साल केंद्र सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर पर 7 लाख करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। 8 साल पहले, यह 2 लाख करोड़ रुपए से भी कम था। आजादी के 7 दशक बाद, हम केवल 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचे हैं। पीएम मोदी ने कहा है कि हमारे लिए पूर्वोत्तर हमारे बॉर्डर एरिया, आखिरी छोर नहीं, बल्कि सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर



## आईआईएम, शिलांग का नया परिसर उद्घाटित

**शिलांग (विभास)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलांग के नए परिसर का उद्घाटन किया। यह आईआईएम, शिलांग के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि देश के आठ (8) पूर्वोत्तर राज्यों में छात्रों, शिक्षकों, नीति निर्माताओं और नौकरशाहों की काम आने वाला एकमात्र आईआईएम है। इस नए परिसर में वे समस्त सुविधाएं होंगी, जो कि देश के आठ पूर्वोत्तर राज्यों की आर्थिक और -शेष पृष्ठ दो पर

# मोदी ने दी त्रिपुरा को 4350 करोड़ की सौगात

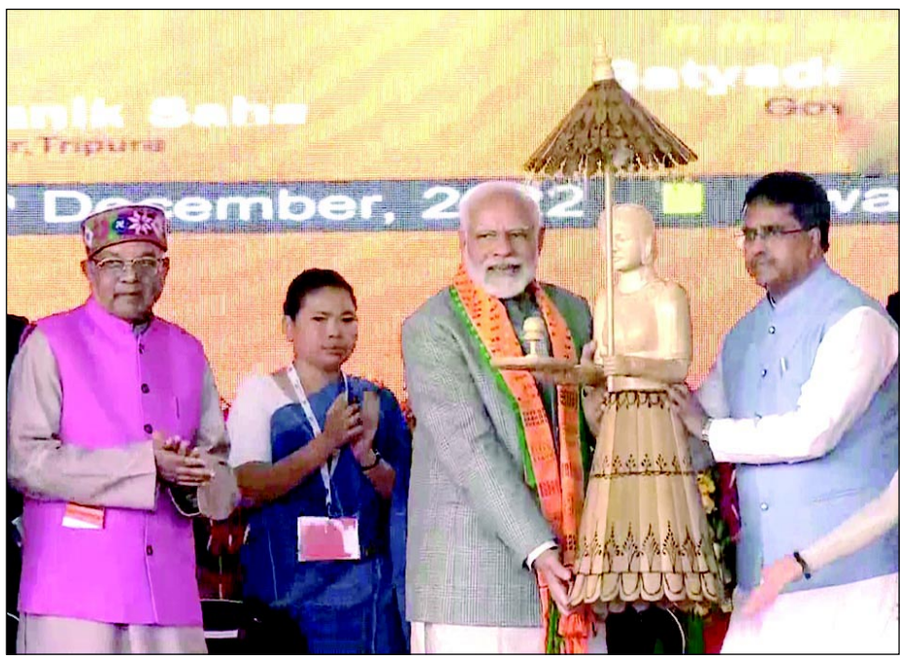



**अगरतला।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अगरतला में 4,350 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। रविवार को अगरतला पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभार्थियों के लिए गृह प्रवेश कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इन घरों को 3,400 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से विकसित किया गया था और इसमें 2 लाख से अधिक लाभार्थी शामिल होंगे। सड़क संपर्क में सुधार पर ध्यान देने के साथ, प्रधानमंत्री ने अगरतला बाईपास (खैरपुर-अमतली) एनएच-08 के चौड़ीकरण के लिए परियोजना का उद्घाटन किया, जो अगरतला शहर में यातायात की भीड़ को कम करने में मदद करेगा। पीएम मोदी ने पीएमजीएसवाई थ्री (प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना) के तहत 230 किमी से अधिक लंबाई की 32 सड़कों और 540 किमी से अधिक की दूरी वाली 112 सड़कों के सुधार के लिए आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने आनंदनगर में स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट और अगरतला गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 8 साल में पूर्वोत्तर सेक्टर में कई नेशनल हाईवे बने हैं। कई ग्रामीण क्षेत्र सड़कों से भी जुड़े हुए हैं। हमारी डबल इंजन सरकार का ध्यान भौतिक, डिजिटल -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वाञ्चल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

## अलग राज्य की मांग को लेकर नगालैंड में केंद्रीय गृह मंत्रालय की टीम




**कोहिमा।** पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड के विभाजन का मुद्दा काफी जोर पकड़ रहा है, जिस पर केंद्र सरकार लगातार अपनी नजर बनाए हुए है। वहीं मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय की तीन सदस्यीय टीम नगालैंड के त्युएनसांग पहुंच गई। वहीं गृह मंत्रालय की एक टीम सोमवार को यहां अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों से मिल सकती है और मामले पर सरकार की राय जान सकती है। गृह मंत्रालय (पूर्वोत्तर) के सलाहकार -शेष पृष्ठ दो पर

## पीएम ने पूर्वोत्तर के विकास को नया आकार दिया : शाह

**शिलांग (हि.स.)।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर एक रैली में पूर्वोत्तर में विकास कार्यों का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। उन्होंने कहा कि मोदी ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास को एक नया आकार दिया है। आने वाले दिनों में आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करके और कनेक्टिविटी में सुधार करके क्षेत्र की विशाल क्षमता को अनलॉक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने 50 से अधिक बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है। अन्य केंद्रीय विभागों के मंत्रियों ने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की देखरेख के लिए 400 से अधिक बार आठ पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा किया है। अमित शाह ने कहा कि यह केवल पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचे के विकास को एक नया रूप देने की मोदी की इच्छा के कारण संभव हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान देश के पूर्वोत्तर हिस्से की उपेक्षा की गई थी। अब डबल इंजन की सरकार पूरी ताकत और ईमानदारी के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के विकास में ईमानदारी से लगी हुई है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर तेजी से विकास कर रहा है। पिछले आठ वर्षों में क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। विकास को अब देश की एकता और अखंडता का पर्याय माना जा रहा है, जो पूर्वोत्तर के विकास का एक शानदार उदाहरण है। अमित शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर में पिछले आठ सालों में चरमपंथी हिंसा -शेष पृष्ठ दो पर

## आयरलैंड के नए भारतवंशी प्रधानमंत्री को पीएम की बधाई

**डबलिन।** भारतवंशी लियो वराडकर यूरोपीय देश आयरलैंड के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। भारत के मुंबई में रहने वाले उनके पिता अशोक 1973 में आयरलैंड शिफ्ट हो गए थे। दूसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि लियो वराडकर को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर बधाई। आयरलैंड के साथ ऐतिहासिक संबंधों, साझा संवैधानिक मूल्यों और बहुआयामी सहयोग को -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

## पति ने पत्नी के किए 50 टुकड़े

**साहिबगंज (झारखंड)।** झारखंड में दिल्ली की श्रद्धा से भी क्रूर हत्या हुई है। आफताब ने श्रद्धा के 35 टुकड़े किए थे, लेकिन साहिबगंज में 25 साल के दिलदार अंसारी ने पत्नी रिबिका पहाड़िन के 50 से ज्यादा टुकड़े किए। हत्या के बाद उसके शव के इलेक्ट्रिक कटर से टुकड़े किए। कुछ टुकड़े घर में छिपा दिए, जबकि अन्य टुकड़े मोहल्ले के आसपास सुनसान जगहों पर फेंके दिए। जिसे कुत्ते नोंच-नोंच कर खा रहे थे। जब लोगों ने कुत्तों को इंसान का मांस खाते देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद मामले का खुलासा हुआ। अब तक पुलिस को 18 टुकड़े मिले हैं। सिर समेत दूसरे अंगों की तलाश पुलिस कर रही है। रिबिका का सिर अब तक नहीं मिला है। 22 साल की रिबिका आदिम पहाड़िया जनजातीय समुदाय की थी। रिबिका साहिबगंज के डोडा पहाड़ की रहने वाली थी। दोनों ने एक महीने पहले ही लव मैरिज की थी। दिलदार की ये दूसरी शादी थी। इसे लेकर दिलदार के घर में रोजाना झगड़े होते थे। रिबिका और दिलदार के परिवार वालों को यह शादी मंजूर नहीं थी। रिबिका 6 भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर थी। पुलिस को शव के कुछ टुकड़े मिले हैं। बेला टोला से दिलदार अंसारी -शेष पृष्ठ दो पर

## हिरासत में लिए गए बांग्लादेश से आ रहे 9 रोहिंग्या

**अगरतला।** रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने विशेष तलाशी अभियान के दौरान नार्थ फ्रंटियर (एनएफ) रेलवे के अंतर्गत अगरतला रेलवे स्टेशन पर बांग्लादेश से आ रहे नौ रोहिंग्या को हिरासत में लिया है। पकड़े गए रोहिंग्याओं में पांच महिलाएं शामिल हैं। पकड़े गए रोहिंग्या अगरतला से दिल्ली जा रहे थे। जानकारी के अनुसार अगरतला एक्सप्रेस पर जब ये सवार हो रहे थे, तभी संदेह होने पर आरपीएफ -शेष पृष्ठ दो पर

## नौसेना के बेड़े में मोरमुगाओ शामिल

**नई दिल्ली (हि.स.)।** आधुनिक हथियारों से लैस परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध में सक्षम मोरमुगाओ जहाज रविवार को औपचारिक रूप से भारतीय नौसेना की नई ताकत बन गया। प्रोजेक्ट 15 बी के तहत बनाया गया स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का दूसरा जहाज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना के बेड़े में शामिल किया। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच इस युद्धपोत का भारत की समुद्री सेना में शामिल होना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस युद्धपोत के नौसेना में शामिल होने के बाद भारत की ताकत तीन गुना बढ़ जाएगी। नौसेना के बेड़े में शामिल करने का कार्यक्रम मुम्बई के नौसेना डॉकयार्ड में किया गया। प्रोजेक्ट 15 बी के तहत चार जहाजों के लिए 28 जनवरी, 2011 को मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस परियोजना का पहला जहाज आईएनएस विशाखापत्तनम पिछले साल 21 नवंबर को भारतीय नौसेना में कमीशन किया जा चुका है। -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
*भाग्य पुरुषार्थी के पीछे चलता है।*
– **आचार्य चाणक्य**

### न्यूज गैलरी

## महाराष्ट्र में लोकपाल कानून लाएगी शिंदे सरकार

**मुंबई।** केंद्र के लोकपाल कानून की तरह महाराष्ट्र में एक लोकायुक्त कानून बनाया जाएगा, जिसके दायरे में मुख्यमंत्री और मंत्री आएंगे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को यह जानकारी दी। यहां विधानमंडल के शीत सत्र की पूर्व संध्या पर आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि इस संबंध में एक विधेयक पेश किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों को पूर्ण रूप से स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त के पद पर उच्च न्यायालय -शेष पृष्ठ दो पर

## चीन और यूएस के अनुकरण करने से नहीं होगी असल तरक्की : भागवत

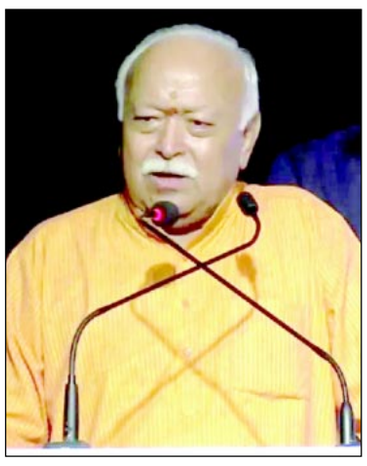



**मुंबई।** आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को मुंबई में एक कार्यक्रम में को संबोधित किया। संबोधन के दौरान उन्होंने भारत के विकास पर बोलते हुए कहा कि भारत की दृष्टि, लोगों की परिस्थिति, संस्कार, संस्कृति, विश्व के बारे में विचार, इन सभी के आधार पर भारत का विकास होगा। खबरों के मुताबिक, मोहन भागवत ने आगे यह भी कहा कि अगर दुनिया से हमारे देश को सीखने की जरुरत है, हम जरूर सिखेंगे,लेकिन हम अपने मौलिक सिद्धांतों और विचारों पर टिके रहेंगे। मोहन भागवत ने धर्म को लेकर कहा कि जो धर्म मनुष्य को सुविधा संपन्न और सुखासीन बनाता है मगर प्रकृति को नष्ट करता है, वो धर्म नहीं है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर भारत, अमेरिका और चीन का अनुकरण करते हुए आगे बढ़ेगा तो यह भारत का विकास नहीं है। गौरतलब है कि मोहन भागवत के अनुसार भारत को अपने मौलिक सिद्धांतों पर टिके रहने की जरूरत है। बता दें कि भागवत का बयान केंद्रीय मंत्री गृह मंत्री अमित शाह द्वारा भारत के एक भू-सांस्कृतिक मामले पर दिए गए बयान के बाद आया है। गृह मंत्री ने कहा था कि पिछले कुछ दिनों पहले काशी तमिल संगमम का आयोजन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में भारत की सांस्कृतिक एकता को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया जा रहा है। पीएम मोदी ने काशी तमिल संगमम के माध्यम से सदियों बाद -शेष पृष्ठ दो पर

### जल संरक्षण पर उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को करेंगे संबोधित

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत 28 दिसंबर को मध्यप्रदेश के उज्जैन में होने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जल की पवित्रता पर एक भारतीय संवाद बनाने और इसे वैज्ञानिक सोच के पर व्याख्यान देंगे। इस दौरान वह जल संरक्षण पर भी अपनी बात रखेंगे। जल शक्ति मंत्रालय और दीनदयाल अनुसंधान संस्थान (डीआरआई) -शेष पृष्ठ दो पर

## सांप्रदायिकता या शांति में से एक को चुनें : शेख हसीना

**ढाका।** बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने विजय दिवस की पूर्व संध्या पर देश के लोगों से कहा कि वह बीएनपी-जमात की सांप्रदायिकता या देश की शांति में से किसी को चुनने को कहा। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश के लोगों से कहा कि वह बीएनपी-जमात की सांप्रदायिकता, उग्रवाद और हत्या की राजनीति अथवा बांग्लादेश की स्थापना करने वाले राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की अवामी लीग के साथ आगे बढ़ने और खुशहाल, समृद्ध, गैर-सांप्रदायिक देश के सपने को -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# नासिक में मेट्रो परियोजना जल्द होगी शुरू : नितिन गडकरी

**मुंबई ( हि.स. )।** केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि नासिक में जल्द ही मेट्रो परियोजना शुरू की जाएगी। मेट्रो सेवा दो चरणों में पूरी होगी। इसके लिए एक हजार छह सौ करोड़ रुपए के खर्च को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री गडकरी रविवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नासिक मेट्रो में चार डबल डेकर लेन होंगी। इससे नासिक रोड से द्वारका तक ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें शहर के विकास को गति देंगी और निर्यात-आयात में नासिक जिला राज्य का नंबर वन जिला बनेगा। नितिन गडकरी ने कहा कि जब मैं महाराष्ट्र में मंत्री था,



तब मैंने मुंबई-नासिक राजमार्ग बनाने का फैसला किया था। मुंबई से नासिक तक की पूरी सड़क सिक्स लेन की होगी। वडापे एक महत्वपूर्ण जंक्शन होगा। गडकरी ने बताया कि मुंबई से दिल्ली तक एक लाख करोड़ रुपए से हाईवे का निर्माण पूरा हो चुका है, सात से आठ घंटे में दिल्ली पहुंचा जा सकता है। गडकरी ने कहा कि सूरत हाईवे से भी परिवहन के क्षेत्र में बड़ी क्रांति होने वाली है। इस परियोजना की लागत 80 हजार करोड़ रुपए है। इस परियोजना के तहत नासिक जिले में 10 हजार करोड़ रुपए का काम होगा। गडकरी ने यह भी कहा कि आप दस घंटे में चेन्नई पहुंच सकते हैं। इस का हाईवे का महाराष्ट्र में 422 किमी रूट होगा, जिसमें 182 किमी का रूट नासिक जिले से होकर गुजरेगा। इसके लिए 4200 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। इस मौके पर नासिक जिले के किसानों को काफी पैसा मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजित होंगे। पुणे और मुंबई में ट्रैफिक कम होगा। गडकरी ने यह भी कहा कि इस परियोजना के पूरा होने पर नासिक से उत्तर भारत के लोग सीधे दक्षिण जा सकते हैं।

# हाथी दांत समेत तीन तस्कर गिरफ्तार



**रंगिया ( निसं )।** रंगिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर हाथी दांत समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान हाथी के दो दांत के टुकड़े समेत तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार युवकों की पहचान किशोर बोडो, धुर्ब डेका और चिरंजीत बेजबरुवा के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों युवकों के पास से हाथी के दांत के अलावा पुलिस ने दो बाइक (एएस-25ईयू-6318, एएस-25सी-6313) और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तीनों आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

# पृष्ठ एक का शेष

## अब डंके की ...

और समृद्धि के गेटवे हैं। राष्ट्र की सुरक्षा भी यहीं से सुनिश्चित होती है और दूसरे देशों से व्यापार भी यहीं से होता है। पीएम मोदी ने कहा कि आज डंके की चोट पर बॉर्डर पर नई सड़कें, नई टनल, नए पुल, नई रेल लाइन, नए एयर स्ट्रिप बनाने का काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि जो सीमावर्ती गांव कभी वीरान हुआ करते थे, हम उन्हें वाइब्रेंट बनाने में जुटे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस समारोह में बोलते हुए कहा कि हमने प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में एनईसी की बैठक संपन्न की है। प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल एनईसी के कार्यों की सराहना की है बल्कि क्षेत्र के विकास का रोड मैप भी तैयार किया है। उन्होंने कहा कि अगर आप 8 साल पहले मौजूद पूर्वोत्तर और आज मौजूद पूर्वोत्तर की तुलना करें तो आप पाएंगे कि नरेंद्र मोदी के पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद पूर्वोत्तर शांति और विकास की राह पर चल रहा है।

## मोदी ने दी त्रिपुरा ...

के साथ-साथ सामाजिक बुनियादी ढांचे में सुधार पर है। पीएम मोदी ने कहा, मैं स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाने के लिए त्रिपुरा के लोगों को बधाई देता हूं। इससे त्रिपुरा सबसे छोटे राज्यों की श्रेणी में सबसे स्वच्छ राज्य बनकर उभरा है। मैं त्रिपुरा को आज एक नया डेंटल कॉलेज मिलने पर बधाई देता हूं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज डबल इंजन सरकार का प्रयास है कि त्रिपुरा के छोटे किसानों, छोटे उद्यमियों और सबको बेहतर अवसर मिले। यहां का लोकल कैसे ग्लोबल बने इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। इससे पहले रविवार को पीएम मोदी ने अगरतला में रोड शो किया। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए सड़क के दोनों ओर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। उन्होंने पीएम मोदी के काफिले पर पुष्प वर्षा भी की।

## अलग राज्य की ...

एके मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय टीम, जिसमें इंटेलिजेंस ब्यूरो के संयुक्त निदेशक मनदीप सिंह तुली और गृह मंत्रालय (एमएचए) के पूर्वोत्तर डिवीजन के निदेशक एके ध्यानी शामिल हैं, रविवार को राज्य की राजधानी पहुंचे। टीम शुक्रवार पूर्वोत्तर राज्य पहुंची और त्युएनसांग में ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के पदाधिकारियों के साथ बंद कमरे में बैठक की। शनिवार को उन्होंने सात आदिवासी होहो (संगठनों), पूर्वी नागालैंड महिला संगठन, पूर्वी नागालैंड छात्र संघ, गाँव बुराह (ग्राम प्रधानों) और क्षेत्र के छह जिलों के उपायुक्तों और एसपी के नेताओं से मुलाकात की। इस बीच, ईएनपीओ को अलग राज्य का दर्जा देने की मांग पर बात करने वाली टीम के नेता और पूर्व विधायक के असुंगबा संगतम ने बताया कि केंद्रीय तथ्यान्वेषी दल ने उनके विचारों और अन्य संगठनों द्वारा व्यक्त की गई राय पर गौर किया। वहीं गृह मंत्रालय की टीम के दौरे के बाद ईएनपीओ ने सोमवार को केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक बुलाई है।

## पीएम ने पूर्वोत्तर ...

का अंत हुआ है। केंद्र सरकार पूरे पूर्वोत्तर से विवादास्पद आतंकवाद विरोधी कानून, सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफ्सपा), 1958 को वापस लेने की संभावना तलाश रही है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के लगातार प्रयासों के कारण पूर्वोत्तर में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। पिछले तीन वर्षों में भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित पूर्वोत्तर में स्थायी शांति लाने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। गृह मंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता और पूर्वोत्तर क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के परिणामस्वरूप यह असंभव कार्य हुआ है। दशकों से उपेक्षित पूर्वोत्तर अब शांति, समृद्धि और अभूतपूर्व विकास के एक नए युग का गवाह बन रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद थे।

## आयरलैंड के नए ...

मैं बहुत महत्व देता हूं। दोनों देशों की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। 43 साल के लियो आयरलैंड के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री हैं। ये उनका दूसरा कार्यकाल है। 2017 में 38 साल की उम्र में वो पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। उनका ये कार्यकाल 2020 तक चला था। इतना ही नहीं वो आयरलैंड के पहले गे पीएम भी हैं। उनका जन्म 18 जनवरी 1979 को आयरलैंड की राजधानी डबलिन में हुआ था। उनकी मां मरियम का संबंध आयरलैंड से ही था। आयरलैंड में 1993 तक समलैंगिकता को अपराध माना जाता था। 2013 में आयरलैंड ने एक जनमतसंग्रह करवाया जिसके बाद वहां 2015 के मई महीने में सेम सेक्स (समलैंगिक) शादी को मान्यता दी। इसके कुछ महीने पहले जनवरी 2015 में वराडकर खुलकर सामने आए और उन्होंने अपने समलैंगिक होने की बात पब्लिक की। उस वक्त वो हेल्थ मिनिस्टर थे। उन्होंने छात्र जीवन से ही राजनीति में कदम बढ़ा दिए थे। साल 2007 में वो डबलिन वेस्ट से फाइन गेल के टिकट पर चुनाव जीते और काउंसलर बने। उस वक्त वो केवल 24 साल के थे। लियो की मां मरियम नर्स का काम करती थीं। उनके पिता अशोक भारतीय प्रवासी थे। वो पेशे से डॉक्टर थे और 1960 के दशक में इंग्लैंड की नेशनल हेल्थ सर्विस में काम करते थे। यहीं पर दोनों की मुलाकात हुई थी। अशोक महाराष्ट्र में सिंधुदुर्ग जिले के वराड गांव से थे और मुंबई में रहते थे।

## पति ने पत्नी के...

को हिरासत में ले लिया गया है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने आंगनबाड़ी केंद्र से तकरीबन 300 मीटर दूर स्थित मांझ टोला के एक बंद पड़े मकान से शव के कुछ टुकड़े बरामद किए हैं। कुछ टुकड़े फर्श पर बिखरे हुए थे तो वहीं कुछ टुकड़ों को बोरे में भरकर रखा गया था। जहां से शव मिला है, वह दिलबाग के मामा का घर है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को रिबिका की गला रेतकर हत्या की गई। फिर इलेक्ट्रिक कटर से 50 टुकड़े किए। पुलिस को शव के टुकड़े शनिवार शाम को मिले। डीआईजी सुदर्शन मंडल ने बताया कि दिलदार की ये दूसरी शादी थी। पहली पत्नी भी साथ ही रहती थी। शादी के बाद से ही घर में झगड़ा हो रहा था, इसी वजह से महिला की हत्या की गई है। अब तक की जांच में 18 टुकड़े मिले हैं। साथ ही हथियार भी बरामद हुआ है, जिसकी जांच कराई जा रही है। पति ने रिबिका की गुमशुदगी को लेकर थाने में सनहा (एनसीआर) भी दर्ज कराया था, जबकि वारदात में वो और उसका परिवार शामिल था। दोनों 2 साल से रिलेशन में थे और एक महीने पहले ही दोनों ने लव मैरिज की थी। डीआईजी मंडल ने बताया कि शव के टुकड़े क्यों किए, इसकी जांच की जा रही है। हालांकि अभी तक की जांच में यही लग रहा है कि साक्ष्य छिपाने के लिए शव को काटा गया। परिवार के लोगों को भी पकड़ा गया है। सभी से पूछताछ की जा रही है। रिबिका और दिलदार में काफी समय से अफेयर था, लेकिन दोनों के परिवार उनकी शादी के लिए राजी नहीं थे। रिबिका के पिता सुर्जा पहाड़िया और मां चांदी पहाड़िन दोनों के संबंधों का विरोध कर रहे थे। एक महीने पहले दोनों घर से भाग कर थाने पहुंचे थे। यहां पुलिस ने दोनों की शादी कराई थी। शव के टुकड़े मिलने पर पुलिस को शक हुआ। पुलिस ने दिलदार के घर पहुंचकर रिबिका के बारे में पूछा। फिर पूरा मामला सामने आया। हत्या किस वजह से की गई। इसे लेकर पुलिस ने अब तक कुछ स्पष्ट नहीं बताया है। पुलिस ने शुरुआती जानकारी देते हुए कहा कि दोनों ने एक महीने पहले शादी की थी। युवती के माता-पिता को ये रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों साथ रह रहे थे, लेकिन दोनों के बीच झगड़े होते थे। हाल में ही दोनों के बीच विवाद बढ़ गया था। रिबिका के पिता सुर्जा पहाड़िया का कहना है कि पुलिस और बेटी के पति का फोन आया था। वो बोल रहे थे बेटी की हत्या हो गई है। लाश के 100 टुकड़े किए गए हैं। इसके बाद हम थाने पहुंचे। इस मामले के बाद पुलिस एक्शन मोड में हैं। साहिबगंज के एसपी अनुरंजन किस्पोट्टा, डीएसपी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी साहेबगंज में कैंप कर रहे हैं। आरोपी दिलबाग से पूछताछ भी जारी है। लड़की की बड़ी बहन ने बताया कि उसके पति का फोन आया था। वो बोल रहा था तुम्हारी बहन की हत्या हो गई है। मैं घर से बाहर था। मेरे घरवालों ने उसे मार दिया है। हमें डर है कि वे हमारे पूरे परिवार को मार देंगे। लड़की की बहन ने दोषियों को फांसी देने की मांग की है।

## हिरासत में लिए ...

ने उनसे पूछताछ की। जांच के दौरान सभी के पास से फर्जी पहचान-पत्र व आधार कार्ड बरामद किए गए। नार्थ फ्रंटियर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क पदाधिकारी सव्यसाची डे ने बताया कि अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का पता लगाने के लिए रेलवे द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। रेलवे स्टेशन व ट्रेनों पर आरपीएफ व जीआरपी को विशेष चौकसी बरतने का निर्देश दिया गया है। एनएफआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने एक बयान में कहा कि अगरतला रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच के दौरान पांच महिलाओं सहित नौ लोगों को पकड़ा गया। बयान में कहा गया है कि घटना के दिन अगरतला की आरपीएफ टीम ने जीआरपी अगरतला के साथ संयुक्त रूप से अगरतला रेलवे स्टेशन पर आने और जाने वाली सभी ट्रेनों में अवैध प्रवासियों के खिलाफ विशेष जांच की। जांच के दौरान उन्होंने नौ बांग्लादेशियों का पता लगाया। बता दें कि रोहिंग्या मुसलमानों का एक समुदाय है। म्यांमार के रखाइन प्रांत में रोहिंग्या मुसलमानों की एक बड़ी आबादी रहती है। मगर दशकों से म्यांमार में इन्हें भेदभाव और उत्पीड़न का शिकार होने पड़ रहा है। रोहिंग्या मुसलमान दावा करते हैं कि वे म्यांमार के मुस्लिमों के वंसज है। अंग्रेजी शासन के दौरान बंग्लादेश से इनके म्यांमार आकर बसने का दावा किया जाता है। इधर, म्यांमार की सीमा से सटा बांग्लादेश रोहिंग्या समुदाय को अपना मानता ही नहीं है, जिस कारण इन्हें किसी भी देश की नागरिकता नहीं मिल सकी।

## नौसेना के बेड़े ...

आईएनएस मोरमुगाओ प्रोजेक्ट-15 बी श्रेणी का दूसरा स्वदेशी स्टील्थ विध्वंसक है। स्वदेशी तकनीक से बने युद्धपोत को पिछले साल 19 दिसंबर को परीक्षण के लिए समुद्र में उतारा गया था। इस स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर में अनगिनत खूबियां हैं, क्योंकि इसे आधुनिक युद्ध के लिए बनाया गया है। इस जहाज की डिजाइन भारतीय नौसेना के स्वदेशी संगठन ने तैयार की है तथा निर्माण मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। प्रमुख ओईएम के साथ बीईएल, एल-एंड-टी, गोदरेज, मैरीन इलेक्ट्रिकल ब्रह्मोस, टेक्नीको, काइनको, जीत-एंड-जीत, सुषमा मैरीन, टेक्नो प्रॉसेस आदि जैसे छोटे एमएसएमई ने भी इस विशाल मोरमुगाओ को बनाने में अपना योगदान दिया है। इस पोत में लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा पूर्ण रूप से स्वदेशी है और इसे *आत्मनिर्भर भारत* के तहत निर्मित किया गया है। इस शानदार पोत की लंबाई 163 मीटर, चौड़ाई 17 मीटर और वजन 7400 टन है। इसकी गिनती भारत में निर्मित सबसे घातक युद्धपोतों में होती है। पोत को शक्तिशाली चार गैस टर्बाइनों से गति मिलती है। इस वजह से यह पलक झपकते ही 48 समुद्री मील तक की गति पकड़ सकता है। इसकी बाहरी परत को स्पेशल स्टील से बनाया गया है, इसलिए दुश्मन का रडार भी इस पोत को आसानी से नहीं पकड़ सकता। मोरमुगाओ उत्कृष्ट हथियारों और दूरसंवेदी उपकरणों से लैस है। इसमें जमीन से जमीन पर तथा जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगी हैं। पोत में लगा आधुनिक निगरानी रडार लक्ष्य के बारे में सीधे तोप प्रणाली को सूचित कर देता है। पोत की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को देश में ही विकसित किया गया है। जहाज में लगे अनेक उपकरणों का स्वदेशीकरण किया गया है, जिनमें जमीन से जमीन व जमीन से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, तारपीडो ट्यूब्स और लॉन्चर, पनडुब्बी रोधी रॉकेट लॉन्चर, एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली, स्वचलित ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली, फोल्डेबल हैंगर डोर, हेलो ट्रैवर्सिंग प्रणाली, क्लोज-इन युद्धक प्रणाली तथा पोत के अग्र भाग पर लगी सोनार प्रणाली है। यह पोत आणविक, जैविक और रासायनिक युद्ध परिस्थितियों से लड़ने में सक्षम है। संयोग से यह पोत पहली बार 19 दिसंबर, 2021 को उस दिन समुद्र में उतरा था, जिस दिन पुर्तगाली शासन से गोआ की मुक्ति के 60 वर्ष पूरे हुए थे। गोआ मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर 18 दिसंबर को पोत को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने से भारतीय नौसेना हिंद महासागर व उसके आगे के समुद्री क्षेत्र में अपना दायित्व और भूमिका निभाने में सक्षम होगी। इस जहाज का नाम गोवा के समुद्री क्षेत्र मोरमुगाओ को समर्पित करने से न केवल भारतीय नौसेना और गोवा के लोगों के बीच संबंध में वृद्धि होगी, बल्कि जहाज की पहचान को स्थायी रूप से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका से भी जोड़ा जाएगा। समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास में आज का दिन एक और मील का पत्थर है, क्योंकि हमने विध्वंसक मोरमुगाओ को कमीशन किया है। यह उपलब्धि पिछले दशक में युद्धपोत डिजाइन और निर्माण क्षमता में नौसेना के बड़े कदमों का संकेत है। नौसेना में शहरों के नाम पर जहाजों के नाम रखने की परंपरा है, जो दोनों के बीच एक स्थायी कड़ी बनाती है। समारोह में भारतीय सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार, गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लई, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

## चीन और यूएस के अनुकरण...

विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने का प्रयास किया है। उन्होंने आगे कहा कि पीएम मोदी ने काशी तमिल संगमम के माध्यम से सदियों बाद विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ने की कोशिश की है। यहीं से भारत का सांस्कृतिक पुनर्जागरण शुरू होने वाला है। गृह मंत्री ने कहा कि भारत विविध भाषाओं, संस्कृतियों, व्याकरण, कला और सभ्यताओं से बना है।

## जल संरक्षण पर उज्जैन ...

द्वारा सुजलाम नाम से आयोजित इस सम्मेलन का आयोजन 27 से 29 दिसंबर तक शिप्रा नदी के तट पर किया जाएगा। मालूम हो कि इस तीन दिवसीय सम्मेलन में जल क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली वैचारिक और परिस्थितिजन्य चुनौतियों और भारतीय ज्ञान प्रणाली में जल के तत्व पर सत्र को आयोजित किया जाएगा। दीनदयाल अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सत्र के दौरान लोक परंपराओं, सामाजिक रीति-रिवाजों और रीति-रिवाजों में पानी के महत्व और पानी से संबंधित त्योहारों का एक सार-संग्रह तैयार करने और उनके वैज्ञानिक विश्लेषण पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस सम्मेलन को जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत उज्जैन में 27 दिसंबर को उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 28 दिसंबर को व्याख्यान देंगे, जबकि इस सम्मेलन में मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल और नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 29 दिसंबर को समापन समारोह में भाग लेंगे। मालूम हो कि उज्जैन में होने वाला यह सम्मेलन सुमंगलम नामक कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक हिस्सा है इस सम्मेलन का उद्देश्य प्रकृति के पांच बुनियादी तत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और अंतरिक्ष की शुद्धता को सुरक्षित करने की अनूठी भारतीय अवधारणा को प्रस्तुत करना है। आकाश और वायु पर पहले दो सम्मेलन क्रमशः देहरादून और भुवनेश्वर में आयोजित किए जा चुके हैं। काशी में 8 और 9 जनवरी को कृषि पर केंद्रित पृथ्वी पर सम्मेलन होना है। जबकि अग्नि पर एक कार्यक्रम का आयोजन 28 और 29 जनवरी को बिजली मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से बेंगलुरु में किया जाएगा। इस सम्मेलन में धार्मिक नेता, वैज्ञानिक, विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता और स्वदेशी सोच के आधार पर समाधान खोजने वाले कई लोग भाग लेंगे। इस समारोह का समापन सत्र 3 से 4 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित होने की संभावना है।

## सांप्रदायिकता या शांति...

पूरा करने में से किसी एक को चुनें। विजय दिवस की पूर्व संध्या पर बांग्लादेश टेलीविजन और बांग्लादेश बेतार पर राष्ट्र के नाम संबोधन में उन्होंने कहा कि देश के लोगों, अब यह आप पर निर्भर है कि आप क्या चाहते हैं- शांतिपूर्ण, गरिमापूर्ण जीवन की निरंतरता या उग्रवादियों, सांप्रदायिकता और बीएनपी-जमात गठबंधन की शरारतों से होने वाली कठिनाइयों के साथ जीना? हसीना ने चेतावनी दी कि 1971 के गिद्ध और 1975 के लकड़बग्घे के वंशज अभी भी देश में सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उन्हें मौका मिलता है, वे देश को दांतों और पंजों से चोट पहुंचाते हैं। हसीना ने कहा कि अगर बीएनपी-जमात गठबंधन सत्ता (2009-2022) में होती, तो बांग्लादेश ने कभी इतनी प्रगति नहीं की होती .. एक विकासशील देश नहीं बन पाता। हसीना ने अवामी लीग सरकार को लोगों की सरकार करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों के कल्याण के लिए काम करना है और वे कभी नहीं चाहते कि लोगों को परेशानी हो। उन्होंने कहा कि इस विजय दिवस पर मुक्ति संग्राम की भावना से ओतप्रोत होकर आइए, सामूहिक रूप से संकल्प लें कि हम सभी साजिशों के जाल को तोड़कर बांग्लादेश की विकास यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि जब देश विभिन्न प्रतिकूलताओं को पार करते हुए आगे बढ़ रहा है, तो स्वतंत्रता और विकास के खिलाफ तिमाहियां अराजकता पैदा करने की कोशिश कर रही हैं। हसीना ने कहा कि बीएनपी-जमात इस्लाम के मुक्ति-विरोधी और सांप्रदायिक दुष्ट ताकतों के पिछले इतिहास को देखें। उनमें से एक हिस्से ने न केवल बांग्लादेश की स्वतंत्रता का विरोध किया, बल्कि उन्होंने पाकिस्तानी कब्जे वाली ताकतों के सहयोगी होने के नाते लोगों को मार डाला। आजादी के बाद बंगबंधु ने पाकिस्तान पर प्रतिबंध लगा दिया। बांग्लादेश में जमात इस्लाम को भुगतान किया और युद्ध अपराधियों को न्याय दिलाया। लेकिन बीएनपी के संस्थापक जियाउर रहमान ने 15 अगस्त, 1975 को अपने परिवार के साथ राष्ट्रपिता की हत्या के बाद अवैध रूप से सत्ता पर कब्जा करने के बाद राजनीति में मुक्ति-विरोधी बुराइयों का पुनर्वास किया। बीएनपी के शासन के काले दिनों की याद दिलाते हुए हसीना ने कहा कि यह एक जनरल की जेब में छावनी से पैदा हुई और पली-बढ़ी पार्टी है और इस पार्टी के हाथों पर केवल खून के धब्बे हैं। इसके संस्थापक राष्ट्रपिता की हत्या की साजिश में सीधे तौर पर शामिल थे।

## महाराष्ट्र में लोकपाल...

के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को नियुक्त किया जाएगा। उधर, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और विधान पार्षद उद्धव ठाकरे सोमवार से यहां शुरू हो रहे विधान परिषद के शीतकालीन सत्र में भाग लेंगे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अजित पवार ने यह जानकारी दी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के प्रमुख ठाकरे मुंबई में राज्य विधान परिषद के मॉनसून सत्र में शामिल नहीं हुए थे। पवार ने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि उद्धव ठाकरे (महाराष्ट्र विधान परिषद के) शीतकालीन सत्र में मौजूद रहेंगे। इस साल जून में मुख्यमंत्री पद छोड़ने की घोषणा के बाद ठाकरे ने कहा था कि वह राज्य विधान परिषद की सदस्यता से भी इस्तीफा दे देंगे। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में कई विधायकों के विद्रोह के बाद ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार गिर गई थी। इसके बाद, शिंदे मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने थे।

## आईआईएम, शिलांग...

सामाजिक प्रगति को सक्षम बनाएंगी। इस नए उमसावली परिसर में ऐसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, जो पूर्वोत्तर राज्यों को भारत की मुख्यधारा के साथ जोड़ेंगी। इस नए परिसर में स्थापित ज्ञान केंद्र भारत के सबसे पूर्ण रूप से स्वचालित पुस्तकालयों में से एक होगा, जिसमें छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए 40 से अधिक डेटाबेस ई-संसाधनों के रूप में सुलभ होंगे। यह छात्रों, फैकल्टी और स्थानीय नीति निर्माताओं एवं नौकरशाहों को 17,000 से अधिक ई-पत्रिकाओं को सुलभ कराएगा। यह कैंपस ऑप्टिकल-फाइबर के माध्यम से हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस भी प्रदान करेगा, और इसमें फुटबॉल तथा क्रिकेट के मैदान और बास्केटबॉल कोर्ट जैसे खेल और मनोरंजन केंद्र भी होंगे। इस परिसर का उद्घाटन करने के बाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस प्रमुख बिजनेस स्कूल की सराहना की और कहा कि आईआईएम, शिलांग जैसे व्यावसायिक संस्थान पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए फायदेमंद होंगे। ऐसे संस्थानों केहोने से आजीविका के और भी रास्ते खुलेंगे। आईआईएम, शिलांग के निदेशक, प्रो. डीपी गोयल ने इस अवसर पर कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति और हमारे इस नए भवन का उद्घाटन करने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। मैं उन्हें उनके द्वारा दिए गए इस भाषण के लिए भी धन्यवाद देता हूं, जो हमें और भी कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा देता है। आईआईएम, शिलांग एक ऐसा थिंक-टैंक है, जो बिजनेस स्कूल होने के अलावा, पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए काम करता है। यह भवन हमें अधिक से अधिक छात्रों को नामांकित करने, अधिकाधिक शोध करने और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को समृद्धि प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और अधिक कुशलता से काम करने में सक्षम बनाएगा, यह एक ऐसा लक्ष्य है, जो माननीय प्रधानमंत्री की प्राथमिकता सूची में बहुत ऊपर है। अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम शिलांग, एसके बाजोरिया समूह के प्रमुख शिशिर कुमार बाजोरिया ने इस अवसर पर कहा कि आज का दिन आईआईएम शिलांग के लिए एक ऐतिहासिक दिन है,क्योंकि माननीय प्रधानमंत्री ने इस 120 एकड़ के नए परिसर का उद्घाटन किया है। क्योंकि प्रकृति और शिक्षा यहां साथ-साथ चलते हैं, इसलिए यह परिसर, जिसे कि बादलों के बीच स्थित परिसर के रूप में भी जाना जाता है, प्रकृति की गोद में स्थित है और बेहतरीन शिक्षा प्रदान करता है। आईआईएम-शिलांग आठ पूर्वोत्तर राज्यों की सेवा करने वाला एकमात्र आईआईएम है। इस आईआईएम ने छात्रों को अपने साथियों के साथ नेटवर्क बनाने का अवसर देकर भारत में अन्य प्रबंधन स्कूलों के लिए प्रवृत्ति स्थापित कर दी है, जो एक दूसरे से सीखने और परिणाम के रूप में विकसित होने के लिए अपनी रुचियों, आकांक्षाओं और जुनून को साझा करते हैं। 4 जुलाई, 2008 को आईआईएम, शिलांग भारत का सातवां आईआईएम बन गया, जिसमें 63 छात्रों ने पोस्ट-ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) में दाखिला लिया। अपनी छोटी सी शुरुआत के बाद से ही आईआईएम, शिलांग ने 309 छात्रों को नामांकित किया और 2,500 से अधिक स्नातक तैयार किए हैं, जो कि पूरी दुनिया में बड़ी-बड़ी कंपनियों के लिए काम करते हैं। आईआईएम, शिलॉन्ग में पढ़े छात्रों की इन उपलब्धियों में लोरियल ब्रांडस्टॉर्म, विप्रो-अर्थियन, टाटा स्टील-ए-थॉन, सीएफए एथिक्स चैलेंज, पीडब्ल्यूसी चैलेंज, गूगल केस चैलेंज, टाइटन एलिवेट और आदित्य बिड़ला स्कॉलरशिप जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। आईआईएम, शिलांग अपने छात्रों को प्रशिक्षण, अनुभव तथा ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के माध्यम से व्यवसाय की दुनिया में उत्कृष्टता प्राप्त कराने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करता है। भारत सरकार द्वारा भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिलांग की स्थापना मेघालय प्रांत में वर्ष 2008 में स्थापित किया गया था। पहाड़ियों के बीच स्थित इस परिसर में एक शांत तथा स्वच्छता से परिपूर्णपरिवेश है और स्थायित्व वाले अपने विषय का यह संस्थान पूरक है। कॉर्पोरेट क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले सावधानीपूर्वक तैयार किए गए पाठ्यक्रम और परिस्थिति-आधारित शिक्षा शास्त्र का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रबंधन के सभी पहलुओं से लैस करना है।

# दुर्घटना में महिला बाइक चालक की मौत

**लखीमपुर ( हि.स. )।** लखीमपुर जिला के इस्लामपुर इस्लामपारा इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि रविवार को गैस पाइप ले जा रहे टेलर (जेएच-05डीबी-1708) की चपेट में आने से बाइक (एएस-07यू-1160) महिला चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत बाइक चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल भेज दिया है। मृत महिला की पहचान गुलनिहार बेगम के रूप में की गई है। यह दुर्घटना लखीमपुर के इस्लामपुर सालमारा लोक निर्माण विभाग के सड़क पर घटी है। पुलिस दुर्घटना में शामिल टेलर को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# गोहपुर में 150 से अधिक कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

**बिश्वनाथ ( हि.स. )।** असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) के पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा के गृह निर्वाचन क्षेत्र के डेढ़ सौ कार्यकर्ता रविवार को भाजपा में शामिल हो गए। एक समय कांग्रेस के गढ़ के रूप में विख्यात गोहपुर के पूर्वी डुबिया ग्राम पंचायत के कांग्रेस पार्टी के 150 से अधिक कार्यकर्ता और पदाधिकारियों ने रविवार को भाजपा विधायक उत्पल बोरा की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इस दौरान विधायक ने सभी नवागत कार्यकर्ताओं से पार्टी के सिद्धांत और नियमों के तहत आपसी भाईचारे के साथ पार्टी के लिए काम करने और केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

## स्वर्वेद भाष्य




**चतुर्थ मंडल** **षष्ठ अध्याय**

**( वैराग्य )**

**रंग राग धन धान्य सब, राज साज बहु भाँति।**
**लीला माया जानिये, कनक कामिनी भाति॥ 11॥**

**शब्दार्थ :** (रंग) वर्ण (राग) विषय-इच्छा।

**भाष्य :** रंग-राग, धन-धान्य, राज-साज एवं कनक-कामिनी, ये संसार के सारे पदार्थ माया की लीला अर्थात् माया के दृश्य हैं।

**पुरुष नारि नारी पुरुष, प्रेम अकर्षित होय।**
**एक अन्य माया बने, संसृत बन्धन सोय॥ 12॥**

**शब्दार्थ :** (अकर्षित) खिंचाव (संसृत) संसार का आवागमन।

**भाष्य :** पुरुष और नारी दोनों एक दूसरे के प्रेम-आकर्षण में बंधे हुए हैं। एक दूसरे के लिए दोनों बंधन, माया हो जाते हैं। इस प्राकर संसार-मोह-बंधन दु:ख में समस्त जीव पड़े हुए हैं।

# कछार : 150 करोड़ की नशीली दवा जब्त

## तीन गिरफ्तार, मुख्यमंत्री अब तक के सबसे बड़े सफल अभियान से संतुष्ट

**कछार (हि.स.)।** कछार जिला के धलाई थाना पुलिस ने नशीला टैबलेट याबा की तस्करी की गुप्त सूचना के आधार पर एक बड़ी सफलता हासिल की है। रविवार को तड़के पुलिस टीम ने असम-मिजोरम अंतर-राज्यीय सीमा लैलापुर में एक बोलेरो डीआई वाहन पर छापा मारा और 62 पैकेटों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 150 करोड़ रूपए मूल्य की 6,20,000 याबा टैबलेट जब्त किया। धलाई पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में मणिपुर के तीन निवासियों को गिरफ्तार किया है। सिलचर के पुलिस अधीक्षक नोमल महतो ने कहा, भ्रष्टाचार और तस्करी के खिलाफ मुख्यमंत्री द्वारा घोषित जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कछार पुलिस ने अपना अभियान जारी रखा है। गांजा सहित हेरोइन, ब्राउन शुगर, कोकीन, याबा की गोलियां, बर्मीज (म्यामांर) सुपारी, पोस्ता, यूरिया उर्वरक, विदेशी काली मिर्च आदि जैसे अवैध तस्करी सिंडिकेट

के खिलाफ कछार पुलिस का लगातार अभियान सामने आया है। पुलिस अधीक्षक महतो ने बताया कि धलाई थाने में ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल ने मिजोरम से आ रही एक बोलेरो डीआई मिनी ट्रक (एएस-11डीसी-8184) को जब्त कर उसकी तलाशी ली तो अत्याधुनिक तकनीक से बना चैंबर मिला। विशेष कक्ष को काटकर 62 पैकेटों में कुल 6,20,000 याबा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस ने तुरंत मिनि ट्रक को अपने कब्जे में लेकर उसे धलाई पुलिस स्टेशन ले आई। पुलिस ने तस्करी मामले में कथित संलिप्तता के लिए पड़ोसी राज्य मणिपुर के चुराचांदपुर जिला के रहने वाले तीन लोगों को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान चुराचंदपुर जिला के मालचम गांव निवासी लैमिंसी (32), थोंगमिंगवू लुंगधीम (22) और लाजंगफेई गांव निवासी गिंगखोसेम (19) के रूप में हुई है। इनमें से एक कॉलेज का छात्र है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों तस्करों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। वाहन ने याबा टैबलेट के साथ मणिपुर से मिजोरम के रास्ते सिलचर में प्रवेश किया था। पुलिस अधीक्षक महतो ने बताया कि जब्त की गई याबा गोलियों का अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य कम से कम 150 करोड़ रूपए होगा। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) महतो ने उम्मीद जताई कि कछार पुलिस गिरफ्तार लोगों से और सनसनीखेज जानकारी जुटाकर याबा टैबलेट तस्करी के अंतरराष्ट्रीय माफिया को गिरफ्तार करने में सक्षम होगी।

# राज्य के जिला निचली अदालतों में 4.78 लाख मामले लंबित

**गुवाहाटी (विभास)।** गौहाटी उच्च न्यायालय में मामलों के बोझ के अलावा, असम के विभिन्न जिला और निचली अदालतों में 4.78 लाख मामले लंबित हैं। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में इसका खुलासा किया। रिजिजू ने लोकसभा को बताया कि 2014 में असम के विभिन्न जिला और निचली अदालतों में लंबित मामलों की संख्या 2.40 लाख थी। हालांकि, यह संख्या बढ़कर 4.78 हो गई है। जहां तक गौहाटी उच्च न्यायालय का संबंध है, 2014 में 43,048 मामले लंबित थे और अब यह 46,628 मामले हैं। यह उल्लेख करना उचित कि लंबित मामलों की बड़ी संख्या एक ओर न्यायाधीशों और अदालत कक्षों की संख्या और दूसरी ओर मामलों की बढ़ती संख्या के बीच भारी असमानता का परिणाम है। कारोबार और व्यापार बढ़ने से मामलों की संख्या बढ़ जाती है। दीवानी मामले ज्यादातर नौकरी और पदोन्नति से संबंधित होते हैं जो विभिन्न विभागों के खिलाफ दायर किए जाते हैं। एक वरिष्ठ वकील के अनुसार, गौहाटी उच्च न्यायालय के स्वीकृत न्यायाधीशों की संख्या 24 है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और छह अतिरिक्त न्यायाधीश शामिल हैं। वकील ने कहा कि यह उचित समय है कि संबंधित प्राधिकरण कानूनी ढांचे को अद्यतन करने के अलावा न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाए। कई हजार मामलों की सुनवाई पिछले पांच वर्षों से चल रही है। जब किसी मामले की सुनवाई लंबी होती है, तो संबंधित पक्षों को अधिक पैसा खर्च करना पड़ता है। वकील ने कहा कि जजों, कर्मचारियों और बुनियादी ढांचे की कमी के कारण जिला और निचली अदालतों में लंबित मामलों की समस्या और भी गंभीर है।

# नगांव पुलिस ने अपराधियों पर कसा शिकंजा, तीन दिन में पांच अपराधी गिरफ्तार

**नगांव (हि.स.)।** नगांव पुलिस अपराध और अपराधियों के खिलाफ पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दे रही है। नगांव पुलिस ने जिला में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चला रही है। पिछले तीन दिनों में नगांव पुलिस ने जिला के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न आपराधिक मामलों और अपराधियों के खिलाफ छापेमारी की और पांच-पांच बदमाशों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की। चोरी और लूट में इस्तेमाल होने वाले दो अवैध हथियार, जिंदा गोलियां और लोहे से बने भारी मात्रा में धारदार हथियारों को जब्त किए। गिरफ्तार किये गये अपराधियों की पहचान उमर फारूक, इनामुल हक, अबुल हुसैन, विक्की और अब्दुल मन्नान के रूप में की गई है। इनमें से उमर फारूक, अबुल हुसैन और इनामुल हक ने धिंग के पूर्व विधायक मोबारक अली पठान के घर में लूटपाट की, जबकि विक्की और अब्दुल मन्नान नगांव के इटासाली पुलिस स्टेशन के तहत सीडीपीओ कार्यालय में चोरी के मामले में शामिल थे। नगांव की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपज्योति कलिता ने रविवार को इसकी जानकारी मीडिया को दी। उन्होंने कहा कि अपराधियों से आगे की पूछताछ जारी है।

## मादक पदार्थ की तस्करी के जुर्म में एक को 20 साल का सश्रम कारावास

**नगांव (निसं)।** नगांव जिले में एक अदालत ने मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में दोषी व्यक्ति को 20 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। नगांव जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीलकमल नाथ ने शनिवार को दोषी अबील अली पर तीन लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में अली को 18 महीने और जेल में रहना होगा। असम पुलिस की एक टीम ने दिसंबर 2020 में अली को उसके आवास से गिरफ्तार किया था और उसके पास से करीब 2.5 करोड़ रूपए मूल्य की ब्राउन शुगर और भांग तथा 10 लाख नकदी बरामद की थी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने अदालत के फैसले का स्वागत किया है। मादक पदार्थ तस्कर हबील अली को नगांव पुलिस ने दो किलोग्राम हेरोइन, 100 किलोग्राम गांजा और एक किलोग्राम भांग की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया था और उसके पास से 10 लाख रूपए नकदी भी बरामद की थी।

## कोकराझाड़ और धुबड़ी से 34 यात्री रवाना

**कोकराझाड़ (हि.स.)।** धुबड़ी और कोकराझाड़ जिलों से 34 यात्री रविवार को उमरा हज के लिए मका मदीना के लिए रवाना हुए। इनमें से 16 वरिष्ठ महिलाएं और एक कनिष्ठ हज यात्री शामिल हैं। सबसे कम उम्र की जाकिया तास मिन भी इनमें शामिल है। यह हज यात्री कोकराझाड़ रेलवे स्टेशन से राजधानी एक्सप्रेस से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए। मोवलेम शफीर रहमान ने मीडिया को बताया कि आगामी 20 दिसंबर को शाम चार बजे सभी हज यात्री जेद्दा और पवित्र मका मदीना शरीफ के लिए उड़ान भरेंगे। हम कुशलक्षेम की दुआ करते हैं कि अल्लाहताला हज यात्रियों की दिलों की आकांक्षाओं को पूरा करें। अन्य जिलों से भी हजयात्री रवाना होंगे।

# असम प्रदेश भाजपा के नवनिर्मित मुख्यालय में औपचारिक रूप से मीडिया कक्ष का उद्घाटन

**गुवाहाटी (हि.स.)।** प्रदेश भाजपा के नवनिर्मित मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में रविवार को पार्टी प्रदेश महासचिव दिप्लू रंजन शर्मा ने पार्टी के प्रवक्ता, पैनलिस्ट और समाचार विभाग के पदाधिकारियों की उपस्थित में संवाद विभाग के कक्ष का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पार्टी के मुख्य प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, संवाद विभाग के संयोजक देवान ध्रुवज्योति मरल आदि अपने-अपने कक्ष में अपना पदभार संभाला। मीडिया को दिए अपने संबोधन में प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और समाचार विभाग के संयोजक ने कहा कि आने वाले दिनों में 40 जिलों के समाचार विभाग की इसी कक्ष से पार्टी के मीडिया के सभी कार्यों की निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं टीम के काम को फैलाने में सहयोग के लिए समाचार समूह के सभी पत्रकारों को भी धन्यवाद देता हूं। उन्होंने आगामी दिनों में मीडिया से सहयोग मांगा।

# एसएसबी ने मनाई 59वीं वर्षगांठ

**गुवाहाटी (हि.स.)।** सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सीमांत मुख्यालय, गुवाहाटी ने रविवार को प्रथम वाहिनी एसएसबी सोनापुर में एसएसबी की 59वीं वर्षगांठ मनाई। सीमांत मुख्यालय एसएसबी गुवाहाटी के महानिरीक्षक संजीव शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर मौजूद रहे। उन्होंने सीमांत मुख्यालय के तहत विभिन्न इकाइयों के 20 अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी मेधावी और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए आईपीएम और डीजी डिस्क के पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। शहीद स्मारक पर माल्यार्पण भी किया गया। महानिरीक्षक शर्मा ने एसएसबी की स्थापना दिवस के इस शुभ अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों, एसएसबी परिवार के सदस्यों, अतिथियों, परेड दल को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी के डीआईजी सोनम बोध, डीआईजी (चिकित्सा) डॉ. सलिंदर कौर, कमांडेंट प्रथम वाहिनी ए. हेमोचंद्र, कमांडेंट (वेटनरी) सीमांत मुख्यालय डॉ. केके सिंह, ग्रुप कैप्टन एसडी निगम, कर्नल विशाल आहूजा, सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी और प्रथम वाहिनी के जवान और संदीक्षा सदस्य उपस्थित थे।

# नगांव प्रेस क्लब का वार्षिक अधिवेशन संपन्न, पांच पत्रकार सम्मानित

**नगांव (निसं)।** नगांव प्रेस क्लब का आज वार्षिक अधिवेशन पूरे दिन के कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया। सुबह झंडोत्तोलन कर अधिवेशन के कार्यक्रम का शुभारंभ नगांव प्रेस क्लब के अध्यक्ष जादव सैकिया ने किया। स्मृति तर्पण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रेस क्लब के सलाहकार कनक हजारिका और क्रीड़ा संगठक प्रदिप हजारिका ने किया। दिन के 1 बजे से नगांव प्रेस क्लब के अध्यक्ष जादव सैकिया की अध्यक्षता में खुली सभा का आयोजन किया गया। नगांव प्रेस क्लब के पांच वरिष्ठ पत्रकार अजय महतो हेमेन कुमार दास, असीम भावाल, अखिल दास, वैद्यनाथ साहनी को असमिया फुलाम गामोछा, सेलेंग चादर, जापी और प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत किया गया। उक्त सभा में मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री के प्रधान प्रेस सलाहकार ध्रुब महंत उपस्थित रहकर अपने स्वागत भाषण में कहा कि पत्रकारों को अपने दायित्व और कर्म के संदर्भ में हमेशा जागरूक रहना चाहिए। पत्रकारों का प्राथमिक शर्त यह है कि समाज की समस्या को

सही तौर से उजागर करना। आगे कहा कि जब स्वार्थ नहीं रहेगा तब ज्यादा आनंद का अनुभव होगा। मौलिक समस्या के समाधान करने हेतु संवाद माध्यम द्वारा सरकार का दृष्टि आकर्षित करना होगा। तब मौलिक समस्या के समाधान के क्षेत्र में निश्चित तौर से लोग उपकृत होंगे। महंत ने युवा समाज को कृषि कार्य में शामिल होने का आह्वान किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पार्थसारथी महंत ने संवाद के क्षेत्र का विभिन्न पहलुओं पर अपना विचार रखा। महंत ने कहा कि नई पीढ़ी के अध्ययन के द्वारा ही सफलता मिलना स्वाभाविक है। हम एकजुट होकर समाज को आगे ले जा सकते हैं। उक्त सभा में नगांव सदर क्षेत्र के विधायक रूपक शर्मा उपस्थित रहकर प्रेस क्लब की इतिहास का वर्णन करते हुए कहा की नगांव के पत्रकारों का एक अलग परिचय है। प्रेस क्लब का जो भी अभाव है उसे भविष्य में दूर करने का आश्वासन दिया। उक्त सभा में बढ़मपुर क्षेत्र के विधायक जीतू गोस्वामी, सेवानिवृत्त अध्यापिका रजलिन जाहान, प्रेस क्लब के सलाहकार कनक हजारीका, शैलेन सैकिया, पलाश प्रतिम हजारीका, जितेन बरकटकी, जयप्रकाश सिंह, निलुत्पल बोरा, तपन बोरा, चंदन ज्योति बोरा, शफीकुर रहमान, भास्कर सैकिया, अजय महतो के अलावा कई पत्रकार उपस्थित थे। प्रेस क्लब के सचिव अजीत सैकिया द्वारा उद्देश्य व्याख्या किया। इसके पहले सुबह नगांव प्रेस क्लब का पहला मंजिला स्थित सभाकक्ष और कार्यालय का उद्घाटन विधायक रूपक शर्मा ने किया। उल्लेखनीय है कि सभाकक्ष और कार्यालय विधायक रूपक शर्मा विधायक पूंजी से और डॉक्टर आबू हनीफा सभाकक्ष डॉक्टर हनीफा की पत्नी रजलीन जाहान ने आर्थिक सहायता कर नए रूप से सजाया।

# अवैध शिकार के संदेह में वनकर्मियों की फायरिंग में एक घायल

**बाक्सा (हि.स.)।** बाक्सा जिला अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती वनगांव के बाटाबारी वनांचल में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अवैध शिकार के संदेह में वन सुरक्षाकर्मियों की फायरिंग में एक व्यक्ति घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि वन सुरक्षाकर्मियों ने निरीह व्यक्ति को गोली मारकर घायल कर दिया। वन विभाग की फायरिंग में गंभीर रूप से घायल निर्मल बसुमतारी को उसके परिजनों की मदद से पहले मुसलपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर हालत के मद्देनजर उसे गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल रेफर कर दिया गया। एक ग्रामीण ने बताया कि यह दुर्भाग्यपूर्ण गोलीबारी उस समय हुई जब घायल निर्मल बासुमतारी क्रिसमस के लिए सूखी लकड़ी लाने जंगल में जा रहा था। सूचना मिलने पर बाक्सा जिले की शिमला पुलिस देर रात को घटनास्थल पर पहुंची और अपनी जांच शुरू कर दी। पुलिस इस घटना की असली वजह का पता लगाने के लिए घायल बसुमतारी के साथ लकड़ी लेने के लिए जंगल में गये राकेश इस्लारी को वनगांव स्थित उसके घर से अपने साथ थाने ले गई। वन विभाग के सूत्रों का कहना है कि गोलीबारी में घायल व्यक्ति अवैध शिकारी था। हालांकि, स्थानीय पुलिस का कहना है कि फायरिंग में घायल व्यक्ति तस्कर है या निर्दोष, यह जांच के बाद ही पता चल सकेगा।

## मंदिर में घुसी बाइक, बुजुर्ग महिला घायल

**नलबाड़ी (हि.स.)।** तेज रफ्तार अनियंत्रित पल्सर बाइक रविवार को मंदिर के अंदर घुस गई। इसके चलते 70 वर्षीय दमयंती बर्मन नामक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला मंदिर में पूजा करने के लिए गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि मंदिर में तेज रफ्तार बेकाबू पल्सर बाइक (एएस-14पी-8067) घुस गई। गंभीर रूप से घायल महिला दमयंती बर्मन को नलबाड़ी शहीद मुकुंद काकाती सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

# कारागार में लायंस मेट्रो ने बनाया जेल पुस्तकालय

**गुवाहाटी।** लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी मेट्रो की और से अपने बहुप्रतीक्षित जेल पुस्तकालय का उद्घाटन मोरीगांव स्थित जिला कारागार में किया गया। साथ ही कैदियों के बीच क्लब की ओर से 350 कम्बलों का वितरण किया गया। जैसा कि विदित है कारागार पुस्तकालय लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी मेट्रो की एक स्थाई एवं बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट होता है। इसी कड़ी में क्लब के द्वारा ग्वालपाड़ा, तेजपुर, बरपेटा, माजुली, जोरहाट एवं गोलाघाट स्थित जिला कारागार में ऐसे ही पुस्तकालयों उद्घघाटन पिछले सालों में किया गया था। उसी परियोजना के अंतर्गत आज मोरीगांव जिला कारागार में भी पुस्तकालय का उद्घघाटन किया गया। कार्यक्रम आईजी बोरणाली शर्मा के सहयोग से किया गया। इस पुस्तकालय में कैदियों के जीवन के उद्धार हेतु तकरीबन 400 पुस्तकें रखीकी गई, जो कि साहित्य, ध्यान, ज्ञान एवं एक अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा से सम्बंधित है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मोरीगांव जिला जेलर संतोष गोस्वामी एवं अन्य जेल अधिकारियों का भरपूर सहयोग रहा। उन्होंने लायंस मेट्रो के इस तरह के समाज सेवा के कार्यो के लिए क्लब की भूरी भूरी प्रसंसा की। क्लब के सक्रिय सदस्य संजय खखोलिया ने बताया की कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष प्रभा कोठारी सहित बड़ी संख्या में सदस्यों ने उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाया।

# करीमगंज में 1857 के सिपाही विद्रोह के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

**करीमगंज (हि.स.)।** वर्ष 1857 के सिपाही विद्रोह की याद में रविवार को लाटू के ऐतिहासिक मालेगढ़ टीला पर शहीदों को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर जिला प्रशासन, बीएसएफ स्वयंसेवी संगठनों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। 165वें शहीद स्मरण समारोह का आयोजन जिला प्रशासन, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 16वीं बटालियन और स्वयंसेवी संगठन पाटकाई ट्रेकर्स, बराक वैली बंग साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन व विभिन्न विभागों ने संयुक्त रूप से किया गया। राज्य सूचना सचिव कनक चंद शर्मा ने सुबह 10 बजे 26 शहीदों के स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और दीप प्रज्ज्वलित किया। इस मौके पर सीमा सुरक्षा बल की 16वीं बटालियन के सेकेंड इन कमांड नरेंद्र रौरिया, अपर जिलाधिकारी रिंटू बोडो, क्षेत्राधिकारी अंतरा सेन, राज्य सूचना सचिव समुद्र गुप्ता कश्यप, पाटकाई ट्रेकर्स, बराक वैली बंग साहित्य एवं संस्कृति सम्मेलन, प्रेस क्लब करीमगंज, असम ग्रामीण विकास बैंक कर्मचारी संघ, असम इतिहास संस्कार समिति सहित अन्य संगठनों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में सीमा सुरक्षा बल के 16वें बल ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। श्रद्धांजलि के

मौके पर सीमा सुरक्षा बल ने सर्वधर्म प्रार्थना सभा का भी आयोजन किया। इस मौके पर बीएसएफ के सेकेंड-इन-कमांड रौरिया ने कहा कि 18 दिसंबर 1857 को सिपाही विद्रोह को भारत का पहला स्वतंत्रता संग्राम घोषित किया गया था, मेजर बिंग की कमान में ब्रिटिश सिलहट लाइट इन्फैंट्री के क्रूर ऑपरेशन के खिलाफ बड़े साहस के साथ लड़ते हुए लाटू के ऐतिहासिक मालेगढ़ टीला में कई स्वतंत्रता वीर भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। यह वास्तव में गर्व की बात है कि मालेगढ़ टीला सीमा सुरक्षा बल के कार्यस्थल क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल की भागीदारी और सिपाही विद्रोह की स्मृति से जुड़े समारोह में हमारी भागीदारी है। इस अवसर पर राज्य सूचना सचिव समुद्र गुप्ता कश्यप ने सिपाही विद्रोह के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने उल्लेख किया कि मालेगढ़ की लड़ाई एक सिपाही विद्रोह नहीं थी, बल्कि मालेगढ़ की लड़ाई देश की पहली स्वतंत्रता संग्राम थी। उन्होंने कहा कि स्वदेशी सिपाहियों ने देश से ब्रिटिश साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंकने के लिए सबसे पहले विद्रोह की घोषणा की। यही कारण है कि आज हमें आजादी मिली है। इस अवसर पर राज्य सूचना सचिव कनक चंद शर्मा, उत्तर करीमगंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक कमलाक्ष्य दे पुरकायस्थ, भारतीय इतिहास संकलन समिति के असम प्रदेश संघ के सचिव डॉ. नीलांजन डे, बराक वैली बंग साहित्य सम्मान की केंद्रीय समिति के पूर्व महासचिव डॉ. अबुल कलाम आजाद, सब्यसाची रॉय, पाटकाई ट्रेकर्स के अरूप रॉय, सैयद मुजीब अहमद, शाहिदुल इस्लाम चौधरी सहित अन्य ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर बीएसएफ की 16वीं बटालियन के एडजुटेंट देवेंद्र सिंह, डिप्टी कमांडेंट सलिल कुमार, सुतारकंडी बीओपी कंपनी कमांडर एसी सुनील बेनीवाल, तेशुआ बीओपी कंपनी कमांडर एसी राकेश कुमार, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट रिंटू बोडो, डीएसपी सिद्धेश्वर सोनोवाल, मोंगवे इंगती, बांग्लादेशी कलाकार साहित्यकार टोनी देवी, करीमगंज नगरपालिका के उपाध्यक्ष सुखेंदु दास आदि मौजूद थे। पाटकाई ट्रेकर्स ने मांग की कि सिपाही विद्रोह की स्मृति से जुड़े स्मारक स्थल को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।

# राष्ट्रीय परिषद की बैठक में आप संयोजक केजरीवाल की चीनी सामान के बहिष्कार की अपील

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में चीनी सामान के बहिष्कार की अपील की। उन्होंने कहा कि एक तरफ हमारे बहादुर सैनिक चीन की सीमा पर दुश्मनों का सामना कर रहे हैं और दूसरी तरफ केंद्र सरकार चीन के साथ अपना व्यापार बढ़ाकर उसे इनाम दे रही है। नई दिल्ली में आम आदमी पार्टी की 11वीं राष्ट्रीय परिषद की बैठक में देशभर से आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि चीन के साथ हमारा व्यापार 95 अरब डॉलर का हो गया है। उन्होंने पूछा कि केंद्र सरकार की ऐसी क्या मजबूरी है कि चीन के साथ हमारा व्यापार लगातार बढ़ता जा रहा है? आप चीनी सामान के बॉयकॉट की अपील करती है। हम भारत में बना सामान भले ही महंगा हो खरीदेंगे। चीन से आने वाला 90 प्रतिशत माल भारत में निर्मित हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 5 से 7 साल में 12.57 लाख लोग देश को छोड़कर गए हैं। इसमें उद्योगपति भी शामिल है ऐसा इसलिए है क्योंकि उद्योगपतियों के पीछे सरकार सीबीआई और ईडी लगा रही है। दूसरी ओर चोर-उचक्कों को भाजपा में शामिल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग देश में महंगाई से परेशान हैं। केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में महंगाई की दर 7 प्रतिशत है। इससे उलट दिल्ली में यह महज 4 प्रतिशत है। देश में सबसे सस्ता शहर दिल्ली है।

यहां की सरकार सारी सुविधाएं मुफ्त में देती है। सबसे ज्यादा महंगाई की दर भाजपा शासित गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में 8 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी देश को लेकर एक विजन के साथ चल रही है। हम चाहते हैं कि जाति धर्म के नाम पर हिंसा ना हो। देश में कोई भूखा ना सोए। हर गरीब को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य मिले और वह अमीर बने। अपनी पार्टी की इस वर्ष की उपलब्धियों को गिनाते हुए केजरीवाल ने कहा कि यह साल पार्टी के लिए बहुत बेहतर रहा है। हमने पंजाब में जीत हासिल की है। दिल्ली नगर निगम का चुनाव जीता है। गोवा में हमारे दो विधायक हैं। गुजरात में हमने 14 प्रतिशत वोट और 5 एमएलए हासिल किए हैं और आप आम आदमी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी बन रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी इस दौरान पार्टी कार्यकताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में अब कई औद्योगिक निवेश हो रहे हैं। पंजाब में अगर औद्योगिक निर्माण होगा तो लोगों को पता चलेगा कि आप की सरकार और पिछली सरकार में क्या अंतर था।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी देश की राजनीति बदल रही है। उन्होंने भी था कि आम आदमी पार्टी राजनीति करने नहीं बल्कि राजनीति को बदलने आई है। अब तक जो लोग हेलीकॉप्टर से वोट मांगते थे आज वह गली-गली में पर्चे बांट रहे हैं। यह लोग अब स्कूल और हॉस्पिटल जा रहे हैं।

## काला खोह से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा, राहुल गांधी ने धर्मगुरुओं से किया संवाद

**जयपुर, (हि.स.)।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा एक दिन के विराम के बाद रविवार को दौसा के काला खोह से शुरू हुई। सवेरे साढ़े ग्यारह बजे यात्रा का पहला चरण सिकंदरा थाने के पास लंच ब्रेक के लिए रुकने के साथ पूरा हो गया। लंच ब्रेक के बाद दोपहर 3:30 बजे सिकंदरा टोलगेट से यात्रा दोबारा शुरू होगी। शाम 6:30 बजे बांदीकुई के मुकुरपुरा चौराहे पर यात्रा का अंतिम पॉइंट है। बांदीकुई के बाढ़ नागवास में यात्रा का रात्रि विश्राम होगा। आज दो पारियों में 7 घंटे में आज 22.6 किमी की दूरी तय की जाएगी। राहुल गांधी की यात्रा रविवार को अपने निर्धारित समय से 2 घंटे देरी से शुरू हुई। खबर है कि राहुल गांधी के दिल्ली से दौसा पहुंचने में देरी के चलते देरी से शुरू हुई । बाद में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यात्रा शुरू हुई जिसमें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी, कैबिनेट मंत्री परसादी लाल मीणा, मुरारी मीणा, ममता भूपेश सहित कई अन्य मंत्री और विधायक राहुल गांधी के साथ चले। यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने धर्म गुरुओं से संवाद किया और उनसे उनके हालचाल जाने। राहुल गांधी ने धर्मगुरुओं से सरकार के कामकाज का भी फीडबैक लिया और दौसा जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों के बारे में भी जाना। यात्रा में साथ चलते हुए राहुल ने संत से पूछा कि वे कैसे साधु-संतों को कांग्रेस से जोड़ सकते हैं। राहुल के सवाल पर नेकी महाराज ने कहा कि सभी साधु-संत एक ही विचारधारा के नहीं हैं। नेकी महाराज ने साधु संतों का सम्मेलन बुलाने का सुझाव दिया। सनातन संस्कृति पर चर्चा के दौरान संत ने राहुल से कहा कि वे उनकी विचारधारा से प्रभावित होकर यात्रा से जुड़े हैं। राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा अंतिम फेज में है। सोमवार को यात्रा अलवर जिले में प्रवेश करेगी। यात्रा के रूट में राजस्थान का आखिरी जिला है। अलवर जिले से 21 दिसंबर को यात्रा हरियाणा में प्रवेश करेगी और फिरोजपुर झिरका और गुडगांव होते हुए दिल्ली की ओर जाएगी। अलवर के मालाखेड़ा में भारत जोड़ो यात्रा की राजस्थान की पहली बड़ी सभा होगी। इस सभा में आसपास के जिलों से भीड़ जुटाने का टारगेट रखा गया है। राजस्थान में यात्रा 521 किलोमीटर की हो रही है।

## प्रवासी भारतीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी के साथ गुयाना के राष्ट्रपति होंगे मुख्य अतिथि

**भोपाल, (हि.स.)।** जनवरी माह में मध्य प्रदेश में एक महत्वपूर्ण आयोजन होना है। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में 8 से 10 जनवरी तक प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस सम्मेलन का मुख्य आयोजन 9 जनवरी को होगा। इस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुख्य अतिथि के रूप में गुयाना के राष्ट्रपति मोहम्मद इरफान अली होंगे, जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर ऑस्ट्रेलिया हाउस ऑफ पार्लियामेंट की सदस्य जेनेटा मेस्क्रेन्हेन्स भी शामिल होंगी। सम्मेलन में अब तक चार विदेशी मेहमानों के आने की मंजूरी मिल चुकी है। दरअसल, भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना के लिए केन्द्र सरकार हर वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाती है। केन्द्रीय विदेश मंत्रालय के साथ आयोजक राज्य संयुक्त रूप से सम्मेलन करते हैं। अब तक 16 प्रवासी भारतीय सम्मेलन किए जा चुके हैं। अब 17वां सम्मेलन के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश को सहभागी राज्य बनने का सौभाग्य मिला है। सम्मेलन 8 से 10 जनवरी तक इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगा, जिसमें प्रथम दिन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रमुख उद्योगपति संबोधित करेंगे। दूसरे दिवस 9 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस सम्मेलन में। तीसरे दिन 10 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार का वितरण करेंगी। इसके लिए जोर-शोर से तैयारियां हो रही हैं। जनसम्पर्क अधिकारी अशोक मनवानी ने बताया कि सम्मेलन में बायलैटरल ट्रेड एसोसिएशन और एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल से जुड़े 11 संगठनों के 310 बिजनेस डेलीगेट्स समेत तीन हजार प्रवासी भारतीय शिरकत करेंगे। विभिन्न देशों से प्रमुख उद्योगपतियों, विभिन्न राजदूत और कॉन्सुल जनरल आदि के आने की स्वीकृतियां प्रतिदिन प्राप्त हो रही हैं। कनाडा, जापान, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, मॉरिशस, जिम्बाब्वे, इजराइल, सिंगापुर, फिजी, कोरिया, जाम्बिया, कंबोडिया, तंजानिया और फिनलैंड के प्रतिनिधि समिट में शामिल होने इंदौर पहुंच रहे हैं। अब तक फियो के 70, इंजीनियरिंग ईपीसी के 25, सिंगापुर-इंडियन चेंबर और कॉमर्स के 20, इंडो-फ्रेंच चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के 10, यूरोपियन यूनियन चेंबर ऑफ कॉमर्स के 10 सहित कई डेलीगेट्स की मंजूरी मिल चुकी है।

**अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन की थीम प्रवासी :** अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार तय की गई है। इसी तरह प्रदर्शनी की थीम आजादी का अमृत महोत्सव-भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में प्रवासियों का योगदान निर्धारित की गई है। इस डिजिटल प्रदर्शनी का प्रधानमंत्री मोदी उद्घाटन करेंगे। राज्य शासन ने प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को उप समिति गठित की है। तीन दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न सेक्टर्स में निवेश की संभावनाओं के प्रदर्शन के लिए प्रस्तुतिकरण होंगे। साथ ही प्रत्येक सेक्टर्स से मध्यप्रदेश के पांच व्यक्ति अनुभव भी साझा करेंगे।

## दिल्ली पुलिस का नकली दवाओं की तस्करी करने वालों पर एक्शन

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया और उस गैंग के 3 सदस्यों को गिरफ्तार किया। इस गैंग के सदस्य पिछले 8 सालों से प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी में शामिल थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल टीम ने इनके कब्जे से ट्रामाडॉल की 236080 गोलियां अल्प्राजोलम की 223800 गोलियां और कोडीन की 150 बोतलें बरामद की। पुलिस ने इन आरोपियों को मुखबिर की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी करके पकड़ा दिल्ली पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से ट्रामाडोल की 236080 गोलियां और अल्प्राजोलम दवाओं की 223800 गोलियां कोडीन की 150 बोतलें बरामद की गईं जिनकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 15 करोड़ रुपये है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान भी हो चुकी है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपियों की पहचान बुराड़ी निवासी ऋषि कुमार सिंह (29) उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी कुलदीप कुमार (26) और तिमारपुर निवासी अनुराग कुमार सिन्हा (48) के तौर पर हुई है। पुलिस उपायुक्त (विशेष प्रकोष्ठ) राजीव रंजन सिंह ने कहा कि सिंडिकेट के दो सदस्य आठ साल से मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं। पुलिस ने कहा कि मंगलवार को सूचना मिली थी कि सिंह वजीराबाद फ्लाईओवर के पास कुमार को मादक पदार्थ की बड़ी खेप देगा। शाम करीब पौने सात बजे सिंह और कुमार मौके पर पहुंचे और स्कूटी और ई-रिक्शा से मादक पदार्थ से भरे बक्सों को एक वैन में स्थानांतरित करना शुरू कर दिया। इसके बाद इन्हें टीम ने घेरकर पकड़ लिया। फिर जांच के दौरान बरामद प्रतिबंधित पदार्थ के स्रोत सिन्हा को नेहरू विहार से पकड़ा गया और मुखर्जी नगर में उनकी गोदाम वाली दुकान पर छापा मारा गया।

## भारत में जाति से बाहर शादी करने पर हर साल मार दिए जाते हैं सैकड़ों युवा : जस्टिस चंद्रचूड़

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भारत में सैकड़ों युवा केवल ऑनर किलिंग के कारण मार दिए जाते हैं। उनकी गलती केवल यह होती है कि वे किसी से प्यार करते हैं या परिवार के विरुद्ध जाते हुए अपनी जाति के बाहर शादी करते हैं। सीजेआई ने कहा कि नैतिकता एक बेहद तरल अवधारणा है जो एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होती है। उन्होंने एक लेख का हवाला दिया जिसमें बताया गया था कि कैसे 1991 में उत्तर प्रदेश में एक 15 वर्षीय लड़की को उसके माता-पिता ने ही मार डाला था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा लेख में कहा गया है कि ग्रामीणों ने अपराध स्वीकार कर लिया। उनके कार्य स्वीकार्य और न्यायसंगत थे (उनके लिए) क्योंकि उन्होंने उस समाज के आचार संहिता का अनुपालन किया जिसमें वे रहते थे। हालांकि क्या यह तर्कसंगत लोगों द्वारा आचार संहिता है जिसे आगे रखा गया होगा? प्यार में पड़ने या अपनी जाति के बाहर शादी करने या अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध शादी करने के लिए हर साल कई लोग मारे जाते हैं। सीजेआई ने कहा नैतिकता अक्सर प्रभावशाली समूहों द्वारा तय की जाती है। उन्होंने कहा कि कमजोर और हाशिए पर रहने वाले समूहों के सदस्यों को प्रमुख समूहों को प्रस्तुत करने के लिए मजबूर किया जाता है और उत्पीड़न के कारण संस्कृति विकसित नहीं हो पाती है। सीजेआई ने कहा कि हाशिए पर पड़े समुदायों से संबंधित सदस्यों के पास अपने अस्तित्व के लिए प्रमुख संस्कृति को प्रस्तुत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा उत्पीड़क समूहों के हाथों अपमान और अलगाव के कारण समाज के कमजोर वर्ग एक संस्कृति को चुनौती देने में असमर्थ हैं। वहीं केंद्र सरकार के साथ सुप्रीम कोर्ट का टकराव लगातार बढ़ता जा रहा है।

## 6 महीने में भरें दिल्ली की जेलों में लंबित खाली पद

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि जेलों में शिक्षकों और परामर्शदाताओं के साथ-साथ डॉक्टर और पैरामेडिकल कर्मियों के रिक्त पदों को 6 महीने के भीतर पूरी की जाए। जेलों में अधिकारी परामर्शदाता शिक्षा के लिए योग शिक्षक के रिक्त पद खाली है। जस्टिस सतीश चंदर शर्मा और जस्टिस सुब्रमणियम प्रसाद की खंडपीठ ने 12 दिसंबर के एक आदेश में कहा था कि इस कोर्ट का मानना है कि उत्तरदाताओं ने पहले ही शिक्षकों के पद पर व्यक्तियों को प्रतिनियुक्त करने के लिए कदम उठाए हैं और काउंसलरों की नियुक्ति के लिए कदम उठाए हैं। हाई कोर्ट मे रिक्तियों को भरने के लिए वकील अमित साहनी द्वारा दायर एक जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए कहा कि अधिकारियों ने इस बाबत प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे में निश्चित रूप से छह महीने की अवधि के भीतर इसे पूरा कर लिया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा दायर रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा विभाग द्वारा 48 शिक्षकों और 23 तकनीकी शिक्षकों को कैदियों को प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए तैनात किया गया है जबकि परामर्शदाताओं के 40 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। वहीं कोर्ट ने कहा कि मेडिकलकर्मियों के पदों को भरने के लिए भी कदम उठाए गए हैं। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने अपने हालिया आदेश में दिल्ली सरकार को आदेश दिया है कि नियुक्तियां आज से छह महीने की अवधि के भीतर की जाएं। कोर्ट का निर्देश एडवोकेट अमित साहनी द्वारा दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आया था जिसमें कहा गया था कि चिकित्सा अधिकारियों पैरामेडिकल स्टाफ कल्याण अधिकारियों काउंसलरों शिक्षा के लिए शिक्षकों योग शिक्षकों आदि की बड़ी संख्या में रिक्तियां खाली पड़ी हैं।

## बिहार में जहरीली शराब से मौत का मामला- जांच के लिए टीम भेजेगा एनएचआरसी

**नई दिल्ली (ईएमएस)।** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार में जहरीली शराब से लोगों की मौत मामले की मौके पर जाकर जांच करने के लिए अपनी जांच टीम नियुक्त करेगी। अधिकारियों ने बताया कि बिहार के दो जिलों में जहरीली शराब के सेवन से आठ और लोगों की मौत हो गई है। सारण से सटे सीवान जिले में जहां छह लोगों की जान गई है वहीं बेगुसराय में दो लोग जहरीली शराब के शिकार बने हैं। अपुष्ट रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सारण जिले में जहरीली देसी शराब के सेवन से अब तक 60 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि अधिकारी मृतक संख्या 30 बता रहे हैं। बिहार जहरीली शराब त्रासदी में अन्य जिलों से भी लोगों की मौत से संबंधित मीडिया रिपोर्ट आने के मद्देनजर एनएचआरसी ने कहा कि उसने घटनास्थल पर जाकर जांच के लिए अपने एक सदस्य की अगुवाई में एक जांच टीम नियुक्त करने का फैसला किया है। आयोग ने एक बयान में कहा कि जानना चाहता है कि इन पीड़ितों को कहां और किस प्रकार का चिकित्सकीय उपचार दिया जा रहा है। इनमें से अधिकतर गरीब परिवारों से हैं और संभवतः वे निजी अस्पतालों में महंगे इलाज का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं। इसलिए राज्य सरकार की ओर से यह बेहद जरूरी हो जाता है कि वह जहां से भी संभव हो उन्हें बेहतर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराए। एनएचआरसी ने कहा ह्यह्यआयोग राज्य सरकार द्वारा दी जा रही राहत और पुनर्वास के बारे में जानना चाहता है। साथ ही इस सामाजिक बुराई को पूरी तरह से खत्म करने के मद्देनजर समूचे राज्य में अवैध शराब बनाने के स्थानों को नष्ट करने के लिए राज्य सरकार ने क्या कदम उठाए हैं वह इसके बारे में भी जानना चाहता है क्योंकि बिहार में नियमित अंतराल पर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। अधिकारियों ने बताया था कि एनएचआरसी ने सारण जहरीली शराब कांड मामले में बिहार सरकार और राज्य पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि अप्रैल 2016 में बिहार में शराब बेचने और इसके सेवन करने पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि एनएचआरसी ने पाया कि इस प्रतिबंध के कार्यान्वयन में कुछ गलतियांत रही हैं। आयोग ने कहा कि जाहिर तौर पर हाल ही में हुई यह घटना राज्य में शराब की बिक्री और इसके उपयोग पर प्रतिबंध को लेकर राज्य सरकार की नीति को लागू करने में उसकी नाकामी का संकेत देती है।

## रक्षा मंत्री ने दिया भारत की स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने पर जोर

**- सैन्य साजो-सामान की बढ़ती मांग के चलते भारत के पास अपनी क्षमताओं को दिखाने का मौका**
**- तेजी से बदलती दुनिया में अपने आप को किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रखना सबसे जरूरी**

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वदेशी जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा है कि वैश्विक सुरक्षा कारणों के चलते दुनिया भर के देश आज अपनी सैन्य शक्ति आधुनिक और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। लगातार सैन्य साजो-सामान की बढ़ती मांग के चलते आज भारत के पास अपनी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करके देश को जहाज निर्माण के क्षेत्र में हब बनाने का पूरा मौका है। इस तेजी से बदलती दुनिया में अपने आप को किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रखना हमारी सबसे बड़ी जरूरत है। रक्षा मंत्री रविवार को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में आधुनिक हथियारों से लैस परमाणु, जैविक और रासायनिक युद्ध में सक्षम 'मोरमुगाओ' युद्धपोत के कमीशनिंग समारोह को मुख्य अतिथि की हैसियत से संबोधित कर रहे थे। प्रोजेक्ट 15 बी के तहत बनाए गए स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का दूसरे जहाज को नौसेना के बेड़े में शामिल करने के बाद उन्होंने कहा कि भारत उन देशों में से एक है, जो सीधे हिंद महासागर से जुड़ा है। इस क्षेत्र का महत्वपूर्ण देश होने के कारण इसकी सुरक्षा में हमारी नौसेना की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इसीलिए भारतीय नौसेना अपने इस उत्तरदायित्व को भली-भांति संभाल रही है। विशाखापत्तनम क्लास का यह मिसाइल विध्वंसक भारत में निर्मित होने वाले सबसे शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है। यह युद्धपोत अपनी क्षमताओं से भारतीय समुद्री क्षमता को और बढ़ाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिमी तट पर बंदरगाह के रूप में मोरमुगाओ ने भारत के समुद्री व्यापार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भी यह देश के सबसे पुराने और बड़े बंदरगाह में से एक है। आईएनएस मोरमुगाओ भी अपनी खूबियों और सेवाओं के चलते अपना विशिष्ट स्थान रखेगा। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में तैयार किया गया यह युद्धपोत हमारी स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमता का बड़ा उदाहरण है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आने वाले समय में हम न केवल अपनी जरूरतों के लिए, बल्कि दुनिया भर की जरूरतों के लिए भी जहाज का निर्माण करेंगे। भारत के तीन तरफ विद्यमान समुद्र रणनीतिक, व्यापार और संसाधन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्राचीन काल से ही समुद्र ने हमारे देश को अनेक प्रकार से समृद्ध किया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हाल ही में हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गई है। दुनिया की एक बड़ी एजेंसी का अनुमान यह बताता है कि अगले 5 वर्षों में यानि 2027 तक भारत दुनिया की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जायेगा। आज हमारा देश लगातार नई-नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है, उसके पीछे हमारी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था अहम कारण है और उसे बढ़ाने के लिए हम पूरी तरह तत्पर हैं। इस तेजी से बदलती दुनिया में अपने आप को किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रखना हमारी सबसे बड़ी जरूरत है। समय के साथ देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, और व्यापारिक संबंध लगातार बदल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि दुनिया के बड़े देशों के साथ हमारे द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर हो रहे हैं। यह सभी वर्तमान और समृद्ध भविष्य के भारत की तस्वीर को हमारे सामने रखते हैं। हमारी बढ़ती अर्थव्यवस्था का सीधा अर्थ है लगातार बढ़ता हुआ व्यापार, जिसमें से अधिकांश समुद्री मार्ग के माध्यम से होता है। आज हम वैश्वीकरण के युग में रह रहे हैं। व्यापार के क्षेत्र में प्रायः सभी देश एक-दूसरे पर निर्भर है। ऐसे में स्थिरता, आर्थिक प्रगति और विश्व के विकास के लिए नेविगेशन की नियम आधारित स्वतंत्रता, समुद्री लेन की सुरक्षा ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। पहले कोरोना की, फिर मिडिल ईस्ट, अफगानिस्तान और अब यूक्रेन की स्थिति से हम सभी वाकिफ हैं इनका प्रभाव सीधा या अप्रत्यक्ष रूप से दुनिया के सभी देशों पर पड़ता है।

# मुख्यमंत्री योगी ने माध्यमिक शिक्षा में चयनित 1395 अध्यापकों को बांटे नियुक्ति पत्र

**लखनऊ, (हि.स.)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को यहां लोक भवन में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में नवनियुक्त एक हजार 395 सहायक अध्यापकों एवं प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि प्रदेश का युवा निष्पक्ष चयन प्रक्रिया के तहत नियुक्त होकर सेवा के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है। यह सभी शिक्षक लोक सेवा आयोग की ओर से चयनित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उप्र की किसी भी भर्ती में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद का आरोप नहीं लगा सकता है। 2017 के पहले भर्ती प्रक्रिया में भ्रष्टाचार किसी से छिपा नहीं था। भर्ती निकलते ही पूरा परिवार वसूली के लिए निकल पड़ता था। अगर अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई तो भर्ती प्रक्रिया में भी हमने जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। आज निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के तहत युवाओं का चयन हो रहा है। चयन के बाद नियुक्ति पत्र मिल रहा है। ऐसी पारदर्शी व्यवस्था अपनाई गयी है कि विभागीय प्रमुख सचिव को भी यह नहीं पता है कि किस अध्यापक को कौन सा विद्यालय मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े पांच सालों के दौरान भर्ती प्रक्रिया को मिशन रोजगार के तहत आगे बढ़ाया गया है। इसीलिए पांच लाख से अधिक नौकरी दी गयी। बेहतर कानून व्यवस्था देने की वजह से निवेश आया। युवाओं को रोजगार मिला।

तमाम बाधाओं को दूर करते हुए 60 लाख से अधिक युवाओं को स्वतः रोजगार से जोड़ने में सफल हुए हैं। आज 1395 अध्यापकों को नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। यह प्रधानमंत्री मोदी के मिशन रोजगार के तहत सफल हो पा रहा है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त शिक्षकों की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि याद रखना यदि हम समय की गति के अनुरूप नहीं चल पाए तो दुनिया से पिछड़ जाएंगे। नौकरी पाने के बाद हमे निश्चिंत नहीं हो जाना है। हमे व्यवस्था के प्रति, विद्यालय के प्रति, बच्चों के प्रति और उन अभिभावकों के प्रति जवाबदेह बनना पड़ेगा जिन्होंने अपने बच्चे को आपके विद्यालय में दाखिला कराया है। हमें अपने उनके विश्वास को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री ने विद्यालयों में स्वच्छता रखने की भी नसीहत दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय का माहौल, शिक्षण कार्य को दुरुस्त रखने के साथ ही अपडेट रखना होगा। ऐसा न हो कि नौकरी में आने के बाद पुरस्कार पाने के लिए किसी के पीछे भागने लगें। आपका कार्य पुरस्कार दिलाता है। बिना योग्यता के लिए पुरस्कार हासिल करने वाले हंसी का पात्र बनते हैं। कुछ लोग नौकरी के कुछ ही माह बाद ट्रांसफर के लिए लग जाते हैं। यह ठीक नहीं है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, प्रमुख सचिव सुधीर बोबड़े, महानिदेशक शिक्षा विजय किरण आनंद जैसे अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं से भरी बस सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकराई, 13 घायल

**वाराणसी, (हि.स.)।** राष्ट्रीय राजमार्ग पर लौटुबीर पुलिया के समीप महाराष्ट्र के श्रद्धालुओं से भरी तेज रफ्तार एक बस सड़क किनारे खड़ी ट्रक से अचानक टकरा गई। हादसे में बस चालक, परिचालक सहित 13 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हुए हादसे की सूचना मिलते ही लंका पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। घायलों में आठ महिलाएं भी हैं। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। महाराष्ट्र के अहमदनगर से 45 श्रद्धालु काशी में दर्शन-पूजन के लिए आए थे। काशी में दर्शन-पूजन के बाद सभी लोग गया दर्शन-पूजन एवं श्राद्ध के लिए गये हुए थे। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात गया से सभी श्रद्धालुओं को लेकर टूरिस्ट बस वापस वाराणसी आ रही थी। लंका थाना क्षेत्र के लौटुबीर पुलिया के समीप बस जैसे ही पहुंची अचानक सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में बस सवार 8 महिलाएं, 4 पुरुष और भदोही के अमलोरी गांव का रहने वाला बस कंडक्टर दीनानाथ गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों से सूचना मिलते ही रमना चौकी प्रभारी के साथ इंस्पेक्टर लंका बृजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उन्होंने तत्काल एंबुलेंस से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर भिजवाया। बाकी श्रद्धालुओं को दूसरे वाहन से वाराणसी स्थित गंतव्य तक पहुंचाया गया। हादसे में चार महिलाओं का पैर कुचल गया है। घटना का कारण बस चालक को थकावट के चलते नींद की झपकी आना बताया गया। घायलों में साहेब राव काशीनाथ (62 वर्ष), शारूबाई (50 वर्ष), शारदा बाई अशोक रोहोकले (50 वर्ष), हीराबाई बाबासाहेब पटोले (55 वर्ष), जीजा भाई भाऊसाहब गौड़े (50 वर्ष), भिवसेन उमाजी कोलते (63 वर्ष), निलेश भाऊसाहेब दुधाडे (27 वर्ष), श्रीप्रकाश आत्याबा गांवडे (62 वर्ष), मंगल हनुमंत डिकले (55 वर्ष), परीगाबाई दिनकर फाटक (60 वर्ष), सुरेखा शिवाजी निर्फण (45 वर्ष), आशा बाई प्रकाश गावड़े (52 वर्ष), दीनानाथ (51 वर्ष)है। दुर्घटना की जानकारी घायलों के परिजनों को मिल गई है। परिजन वाराणसी के लिए निकल चुके हैं।

# मतांतरण के खिलाफ समाज को जागरूक करेगी विहिपः गजेंद्र सिंह

**- घर वापसी के लिए 21 से 31 दिसंबर तक चलेगा विशेष अभियान**

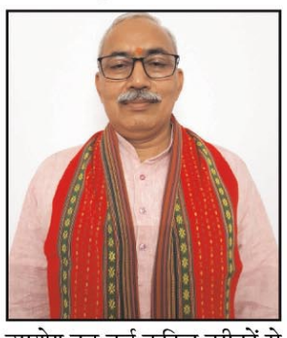

**लखनऊ, (हि.स.)।** विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) 21 से 31 दिसंबर तक मतांतरण के खिलाफ समाज को जागरूक करने और घर वापसी के लिए विशेष अभियान चलाएगी। समाज जागरण के लिए गोष्ठी, सहभोज एवं संत यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। नेपाल सीमा पर थारू जनजाति के बीच भी साधु संत प्रवास करेंगे। विहिप पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि जनसंख्या असंतुलन के कारण ही देश का बंटवारा हुआ। तेरह सौ वर्षों में भारत में 10 करोड़ हिन्दुओं का नरसंहार हुआ, लगभग 10 करोड़ हिन्दुओं का जबरन ही जबरन मतांतरण हुआ। पहले मतांतरण बल प्रयोग या लालच से ही होता था, परन्तु अब तकनीकी का उपयोग कर कई कुटिल तरीकों से मतांतरण किया जा रहा है। लव जिहाद अवैध मतांतरण का ही एक वीभत्स रूप है। प्रतिदिन लव जिहाद की घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में इस प्रकार की घटनाएं ज्यादा हो रही हैं। भारतवर्ष लगभग 1300 वर्षों से धर्मांतरण के आक्रमण से पीड़ित है। 712 ईस्वी में मोहम्मद बिन कासिम ने सिन्ध पर पहला आक्रमण किया था। स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद, महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर ने मतांतरण पर चिंता व्यक्त की थी। क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह ने बताया कि जिन उद्देश्यों को लेकर विहिप की स्थापना हुई थी उनमें एक उद्देश्य घर वापसी भी है। जो बन्धु-बहिनें लोभ एवं भय के कारण या जोर जबर्दस्ती से मतांतरण के कुचक्र का शिकार हुए, उन्हें अपने मूल हिन्दू धर्म में वापस लाना ही घर-वापसी है। उन्होंने बताया कि एक जनहित याचिका की सुनवाई करते समय सर्वोच्च न्यायालय ने अवैध मतांतरण के दुष्परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए चेतावनी दी है कि यह धार्मिक स्वतंत्रता के मूलभूत अधिकार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देशित किया है कि वे स्पष्ट रूप से बताएं कि इस समस्या के समाधान के लिए क्या कदम उठाएंगे। पिछले काफी समय से अवैध मतांतरण में संलग्न शक्तियों की आक्रामक रणनीतियां और उनके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

# 100 करोड़ की ठगी का फरार आरोपित अजय यादव गिरफ्तार

**-अजय ने जनहित म्यूचुअल बेनिफिट निधि लिमिटेड कंपनी बनाकर कराया था लोगों का धन जमा**

**मुरादाबाद, (हि.स.)।** थाना सिविल लाइन क्षेत्र के आशियाना कालोनी निवासी ठगी गिरोह के सरगना आरोपित अजय कुमार यादव को सिविल लाइन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक नगर अखिलेश भदौरिया ने बताया कि आरोपित एक कंपनी बनाकर मोटा मुनाफा देने का लालच देकर करीब 100 करोड़ की ठगी कर चुका है। आरोपित अजय कुमार यादव मूल रूप से मुरादाबाद के थाना छजलैट के गांव गोविंदपुर ज्ञानपुर का निवासी है। वर्तमान में वह आशियाना फेज दो में रह रहा था। आरोपित ने जनहित म्यूचुअल बेनिफिट निधि लिमिटेड कंपनी बनाकर रिश्तेदारों के माध्यम से लोगों का धन जमा कराया। इसके लिए उसने मोटा मुनाफा देने का लालच दिया था। आरोपित और उसके साथियों पर सिविल लाइंस थाने में कुल तीन मुकदमे दर्ज थे। गिरोह के सरगना अजय यादव की पत्नी समेत तीन आरोपितों को पुलिस ने पूर्व गिरफ्तार करके जेल भेज जा चुकी हैं।

इसके अलावा दो आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। शनिवार को अपराध निरीक्षक उदयवीर सिंह, उपनिरीक्षक सौरभ त्यागी की टीम ने फरार चल रहे आरोपित अजय कुमार यादव को आशियाना ढाप वाले मंदिर के पास से गिरफ्तार कर लिया।

# बंदियों को स्वरोजगार के साथ धार्मिक आस्था से भी जोड़ेगी योगी सरकार

**लखनऊ, (हि.स.)।** उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार प्रदेश की जेलों में बंद कैदियों को न सिर्फ रोजगार से जोड़ रही है बल्कि उनमें आस्था के प्रति सम्मान का भाव लाने का भी प्रयास कर रही है। जो कैदी अपने अतीत को भुलाकर आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनना चाहते हैं, सरकार उन्हें हर सुविधा उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में फतेहगढ़ कारागार के महिला और पुरुष कैदी ओडीओपी योजना के तहत ब्लॉक प्रिंटिंग कला का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वह प्रशिक्षण के जरिये रामनामी, राधे-राधे, ओम नमः शिवाय नाम के प्रिंटिंग पटका, दुपट्टे और गमछे तैयार कर रहे हैं, जिसे अयोध्या, वाराणसी, मथुरा और चित्रकूट समेत प्रदेश के सभी धार्मिक स्थलों पर बिक्री के लिए सप्लाई किया जाएगा। जेल प्रशासन कैदियों को पटका, दुपट्टा और गमछा बनाने का निर्धारित पारिश्रमिक देने के साथ इससे होने वाली आय का 10 प्रतिशत सरकारी खाते में जमा करने के बाद कैदियों में बांट देगा। इतना ही नहीं इन कैदियों को रोजगार मेले के जरिए रोजगार भी दिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के हर वर्ग को रोजगार, स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित हैं। उनका यह संकल्प साकार भी हो रहा है। मुख्यमंत्री के प्रयास का असर ही है कि प्रदेश में बेरोजगार दर वर्ष 2016 में 18 प्रतिशत थी, जो घटकर अप्रैल 2022 में 2.7 प्रतिशत रह गई है। राज्य सरकार हर वर्ग को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाओं को संचालित कर रही है। उनकी इन्हीं योजनाओं का लाभ उठाकर फतेहगढ़ जेल के महिला और पुरुष कैदी आत्मनिर्भर बनने के गुर सीख रहे हैं। महानिदेशक (जेल) आनंद कुमार ने बताया कि ओडीओपी योजना के तहत फतेहगढ़ जेल के महिला और पुरुष कैदियों को ब्लॉक प्रिंटंग का प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। इसमें वह रामनामी, राधे-राधे, ओम नमः शिवाय की छाप के छपे पटके, दुपट्टे और गमछे तैयार कर रहे हैं, जिसे अयोध्या, मथुरा, वाराणसी और चित्रकूट समेत प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थलों पर बिक्री के लिए भेजा जाएगा। इसके साथ ही जनपद फरूर्खाबाद में गंगा तट पर लगने वाले रामनगरिया मेले में भी इनकी बिक्री की जाएगी। इस कार्य के लिए कैदियों को 40 रुपये प्रतिदिन पारिश्रमिक देने के साथ बाजार में इनकी बिक्री से होने वाली आय के लाभ के 10 प्रतिशत हिस्से को सरकारी खाते में जमा करने के बाद शेष लाभ को आपस में बांट दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि फतेहगढ़ की 12 महिला कैदियों को आईटीआई की ओर से प्रशिक्षण मिल रहा है, जबकि गौतमबुद्ध डेवलपमेंट सोसायटी संस्थान की ओर से 35 पुरुष कैदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आनंद कुमार ने बताया कि वर्तमान में फतेहगढ़ जेल में 39 महिला कैदी हैं, जिसमें से 12 महिला कैदी प्रशिक्षण प्राप्त करने के लायक हैं। शेष महिला कैदी काफी बुजुर्ग होने की वजह से प्रशिक्षण लेने में सक्षम नहीं हैं। इसी तरह 1050 पुरुष कैदी हैं जिनमें से पहले चरण में 35 कैदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। पहले चरण के कैदियों का प्रशिक्षण पूरा होते ही चरणबद्ध तरीके से अन्य कैदियों को प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। कैदियों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें प्रमाण पत्र दिया जाएगा। आईटीआई की ओर से रोजगार मेले के जरिये कैदियों को रोजगार भी दिलाया जाएगा। स्वरोजगार के लिए कैदियों को प्रमाण पत्र के आधार पर बैंक से रोजगार दिलाने के साथ सरकार की योजना का लाभ दिलाया जाएगा।

# सभी चार नगर पंचायतों में शान्तिपूर्ण माहौल में चुनाव जारी

**मधुबनी, ( हि.स.)।** जिला में सभी चार नगर पंचायतों में रविवार को शांतिपूर्ण मतदान जारी है। नगर पंचायत, फुलपरास,घोघरडीहा, बेनीपट्टी व जयनगर के सभी 107 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण व उत्सवी वातावरण में मतदान जारी बताया।डीएम सह जिल निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा स्वयं चारों नगर पंचायत के मतदान केंद्रों पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। वरीय अधिकारी सुरेंद्र कुमार राय के नेतृत्व में जिला नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सजग बताया गया। जिला नियंत्रण कक्ष से मतदान की पल-पल की गतिविधियों की जानकारी सार्वजनिक हैं। सभी महत्वपूर्ण स्थलों पर सघन वाहन जांच जारी बताया। एसपी सुशील कुमार ने बताया कि सभी बूथों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात हैं।एसपी ने कहा कि चुनाव के दौरान असामाजिक व उपद्रवी तत्व पर विशेष रणनीति के तहत नजर रखने का सख्त निर्देश है। जिले के वरीय अधिकारी सुबह से ही मतदान केंद्रों का जायजा को तत्पर हैं। सूचना जनसंपर्क विभाग की टीम सोशल मीडिया व समाचार चैनलों में चलने वाली खबरों पर नजर बनाई हुई है। जिले के सभी 107 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण एवं उत्सव के वातावरण में मतदान जारी है। नगरपंचायत फुलपरास के मतदान केंद्र संख्या एक पर नवटोल बरही में कड़क की ठंड के बावजूद मतदाताओं की लंबी कतार दिखा। खासकर पंक्ति बद्ध महिला मतदाताओं में भारी उत्साह के साथ मतदान में भाग लेते दुखा गया। जिला के सभी 107 मतदान केंद्रों में शांतिपूर्ण, भयमुक्त एवं उत्सव के वातावरण में मतदान जारी बताया। सुबह में कड़क ठंड व कोहरे के बावजूद मतदाताओं में भारी उत्साह दिखा। युवा वर्ग के नए मतदाता व बुजुर्गों को उत्साह के साथ लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेते देखा गया।

# स्वतंत्रता सेनानी ज्वाला बाबू की 42वीं पुण्यतिथि मनी,स्वतंत्रता आंदोलन के थे सजग प्रहरी

**नवादा, (हि. स.)।** नवादा जिले के वारिसलीगंज नगर परिषद मुख्यालय के बाईपास रोड स्थित जेपीएस आईटीआई परिसर में ज्वाला प्रसाद सिंह वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से रविवार को भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के सपूत स्वतंत्रता सेनानी स्व. ज्वाला प्रसाद सिंह की 42 वीं पुण्यतिथि समारोह पूर्वक पूर्ण श्रद्धा भाव से मनाई गई। कार्यक्रम में पहुंची मुख्य अतिथि विधायक अरुणा देवी, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार रामरतन प्रसाद सिंह" रत्नाकर" , शिक्षाविद डॉ. गोविन्द जी तिवारी सहित अन्य ने सर्वप्रथम ज्वाला बाबू की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक अरुणा देवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। सुपर टेन प्रतियोगिता में सफल तन्नू प्रिया को प्रथम, अविनाश कुमार को द्वितीय तथा रामकुमार को तृतीय समेत 10 प्रतिभागियों को अतिथियों के हाथों पुरस्कार देकर हौसला आफजाई की गई। विधायक अरुणा देवी तथा निदेशक राजकुमार सिंह ने पुरस्कृत किये गए छात्र - छात्राओं की उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सुदूर देहात से पहुंचे 300 बृद्ध , दिव्यांग तथा निर्धन महिला - पुरुषों के बीच ठंढ से राहत दिलाने के लिए राजकुमार सिंह ने ऊनी कम्बल का वितरण किया।

# लातेहार में नक्सलियों के छुपाए बम बरामद

**लातेहार, (हि.स.)।** जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र के चातम जंगल में छापेमारी कर पुलिस ने नक्सलियों के छुपाए गए पांच आईईडी बम, एक बंदूक, डेटोनेटर तथा अन्य सामान बरामद किया है। बम निरोधक दस्ते ने सभी बमों को निष्क्रिय कर दिया है। एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नक्सलियों ने छिपादोहर के चातम जंगल में आईईडी बम और हथियार छुपा कर रखा है। इसी सूचना पर जिला पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने जंगल में छापेमारी अभियान चलाकर एक गड्ढे में छुपा कर रखे गए दो सिलेंडर बम, दो टिफिन बम, एक केन बम, पांच डेटोनेटर समेत भारी मात्रा में बिजली के तार और अन्य सामान बरामद किया। एसपी ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ उन तमाम संभावित स्थानों पर छापेमारी की जा रही है, जहां पूर्व में नक्सलियों का अड्डा होता था। एसपी ने बताया कि बूढ़ा पहाड़ के इलाकों के अलावा अन्य सभी संभावित स्थानों पर पुलिस के द्वारा छापेमारी की जा रही है। चातम जंगल में की गई छापेमारी अभियान का नेतृत्व सीआरपीएफ के द्वितीय कमान अधिकारी अभिनव आनंद, सहायक कमांडेंट बेंजामिन सुंडी समेत जिला पुलिस के अधिकारी कर रहे थे।

# देश में क्वालिटी एजुकेशन का घोर अभावः विधानसभा अध्यक्ष

**रांची, (हि.स.)।** झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने कहा कि देश में क्वालिटी एजुकेशन का घोर अभाव है। इसे आगे ले जाने में युवा पीढ़ियों पर ज्यादा दारोमदार है। क्वालिटी एजुकेशन को कैसे बेहतर बनाएं, इस पर सभी संस्थानों को कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बहुत ही जरूरी है ताकि देश और राज्य की तरक्की में उनकी सहभागिता हो सके। महतो रविवार को बीआईटी मेसरा के लालपुर कैंपस में आयोजित डिग्री वितरण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि दीर्घकालीन विद्या अर्जित करने के बाद हर विद्यार्थियों की इच्छा रहती है कि जो विद्या ग्रहण किया है उसका लाभ उसे मिले। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे प्राध्यापकों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि ये आपके लिए भी गर्व की बात है। जो आपने शिक्षा दिया उसको लेकर ये विद्यार्थी प्रैक्टिकल लाइफ में खुद को स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि निर्धनता की वजह से कई बच्चे बड़े संस्थानों में नहीं पढ़ पाते हैं। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना शुरू की गई है। इस योजना को शुरू करने का झारखंड सरकार का उद्देश्य है, बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त कराना ताकि वो आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा की छात्र अपने मनोबल को ऊंचा रखें और हमेशा आगे बढ़ने की प्रवृत्ति को जिंदा रखें सरकार उनके साथ खड़ा है। बीआईटी मेसरा के लालपुर एक्सटेंशन में कुल 583 डिग्रियां बाटीं गयीं। महतो ने विद्यार्थियों को डिग्रियां बाटीं।बीआईटी मेसरा के कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना ने डिग्री ले रहे विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि कई ऐसे छात्र-छात्राएं हैं जिन्होंने आज शिक्षा ग्रहण कर देश-दुनिया में बीआईटी मेसरा का नाम रोशन कर रहे है। उन्होंने कहा कि किसी संस्थान के लिये डिग्री सेरोमनी एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। डॉ मन्ना ने कहा कि संस्थान का फोकस केवल पढ़ाई पर ही नहीं, बल्कि रिसर्च पर भी है। उन्होंने कहा कि लगातार संस्थान रिसर्च का दायरा बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा राज्य के विकास में एक सेतु का काम करे इसके लिए पूरी तरह से तैयार है। डॉ मन्ना ने कहा कि इंडस्ट्रीज प्रोफेशनल्स के लिए एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम शुरू करने की योजना है। इस दिशा में कार्रवाई चल रही है। मन्ना कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़े थे। कार्यक्रम में बीआईटी मेसरा लालपुर एक्सटेंशन कैंपस की निदेशक डॉ बंदना भट्टाचार्य ने संस्थान की उपलब्धियां गिनायीं। पिछले एक वर्ष में किये गये रिसर्च और वर्कशॉप के बारे जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि वर्कशॉप के अलावा शोधार्थियों को नये शोध पत्रों से अवगत कराया गया। साथ ही देश और विदेशों के जाने-माने उद्योपतियों का लेक्चर भी हुआ। निदेशक ने बताया कि 10 पीएचडी उपाधि दी गयी। इनमें मैनेजमेंट आठ और टेक्नोलॉजी में दो पीएचडी डिग्री शामिल हैं। पीजी में 184 डिग्रियां दी गयी, जिनमें इंटीग्रेटेड एमसीए में 1, एमबीए में 86, एमसीए (तीन वर्षीय) में 34 और एमसीए (दो वर्षीय) में 63 डिग्री प्रदान की गयी जबकि यूजी में 389 डिग्रियां बांटी गयी। इसमें बीबीए में 199, बीसीए में 190 डिग्री शामिल हैं। कुल 583 डिग्रियां बांटी गई। विद्यार्थी भारतीय परिधान में डिग्री प्राप्त किये। इस मौके पर डॉ संजय झा, डॉ प्रदीप मुंडा, डॉ पीके बनर्जी, डॉ एके सिंह, डॉ आशुतोष मिश्रा, डॉ अभय रंजन श्रीवास्तव, डॉ शिवा मित्रा, डॉ एनपी तिवारी, डॉ अपर्णा शुक्ला, डॉ अविनाश सिन्हा, डॉ विजय लक्ष्मी, मीडिया प्रभारी राणा प्रताप मिश्रा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

# बिहार में उद्घाटन से पहले ही टूट कर धराशाई हो गया बूढ़ी गंडक नदी पर बना पुल

**बेगूसराय, (हि.स.)।** बिहार में बीती रात एक और पुल भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। बेगूसराय जिला के साहेबपुर कमाल प्रखंड क्षेत्र में कीर्तिटोल आहोक घाट और विष्णुपुर आहोक पंचायत के बीच बूढ़ी गंडक नदी पर मुख्यमंत्री नाबार्ड योजना के तहत ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा नवनिर्मित उच्च स्तरीय आरसीसी पुल उद्घाटन से पहले ही देर रात टूट कर धराशाई हो गया। रात के समय हादसा होने से जानमाल की क्षति नहीं हुई, लेकिन निर्माण के तीन वर्षों के अंदर ही पुल के टूटकर गिर जाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। दो दिन पहले ही पाया नंबर दो एवं तीन के बीच क्रैक और धसान देखकर ग्रामीणों ने इसकी सूचना वरीय पदाधिकारियों को दी थी। जिसके बाद बलिया एसडीओ रोहित कुमार, डीएसपी कुमार वीर धीरेंद्र सहित अन्य अधिकारियों ने वहां पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया तथा पुल पर आवागमन पूर्णतः बंद करवाया। उस दिन स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा भी किया तथा घटिया पुल निर्माण करने वाले एजेंसी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की थी।

बताया जा रहा है कि यहां बूढ़ी गंडक नदी पर पुल निर्माण को लेकर लंबे समय से मांग उठाई जा रही थी। 2012-13 में साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र के तत्कालीन विधायक सह मंत्री परवीन अमानुल्लाह की अनुशंसा पर मुख्यमंत्री नाबार्ड योजना से रहुआ पंचायत के कीर्तिटोल आहोक घाट और विष्णुपुर आहोक पंचायत के बीच बूढ़ी गंडक नदी पर पुल बनाने की स्वीकृति मिली 1343.32 लाख की लागत से 206 मीटर लंबा उच्च स्तरीय आरसीसी पुल का निर्माण भगवती कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया गया। पुल निर्माण स्थल पर लगाए गए बोर्ड के अनुसार 1343.32 लाख की लागत से बने इस पुल की अनुरक्षण भी 31.72 लाख से होना था। कार्य प्रारंभ की तिथि 23 फरवरी 2016 एवं समाप्ति तिथि 22 अगस्त 2017 है। पुल निर्माण के बाद विभिन्न कारणों से अब तक इसका उद्घाटन नहीं हो सका, लोगों ने बगैर उद्घाटन के आवागमन शुरू कर दिया था।

## संपादकीय

# गलत है चीन

उत्तराखंड के औली में चल रहे भारत-अमेरिका संयुक्त युद्धाभ्यास पर चीन ने जो आपत्ति जताई, उस पर भारत ने बिलकुल माकूल जवाब दिया है। अमेरिका के साथ भारत का युद्धाभ्यास पहले भी होता रहा है और यह वाला इसका 18वां संस्करण है। पिछला युद्धाभ्यास अक्टूबर 2021 में अमेरिका के अलास्का में हुआ था। तब तो चीन कुछ नहीं बोला था, मगर इस बार उसने आरोप लगाया कि भारत ने इसके जरिए 1993 और 1996 के समझौतों का उल्लंघन किया है। दरअसल दोनों देशों के बीच तब हुए इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य विश्वास बढ़ाना था। इसके तहत नौ बिंदुओं पर सहमति बनी थी। तय हुआ था कि कोई पक्ष बल या सेना प्रयोग नहीं करेगा। 1996 वाले समझौते में यह भी तय हुआ था कि



एलएसी के दो किलोमीटर के क्षेत्र में कोई फायर नहीं होगा, कोई आग नहीं लगाएगा, विस्फोट नहीं करेगा और ना ही खतरनाक रसायनों का उपयोग करेगा। एलएसी पर दोनों पक्ष सेना के इस्तेमाल की धमकी भी नहीं देंगे। इस समझौते की रोशनी में अगर गलवान से लेकर डोकलाम तक एलएसी के हालात देखें तो यह बात शीशे की तरह साफ है कि चीन खुद अपनी कही बात पर कायम नहीं है। इसीलिए चीन के इस आरोप पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि चीन खुद ही इस समझौते का उल्लंघन कर रहा है। भारत ने इस मसले पर किसी तीसरे देश को वीटो नहीं दिया कि वो आकर इसमें दखल दे। दरअसल, वैश्विक पटल पर भारत के बढ़ते हुए कद और अमेरिका के प्रगाढ़ होते रिश्तों को लेकर चीन काफी असहज है। क्वॉड से लेकर जी-20 तक जिस तरह से भारत, अमेरिका सहित दुनिया के बड़े देशों के साथ मिलकर लीडरशिप की पोजिशन में आ रहा है, उससे चीन बेचैन हो उठा है। इसे लेकर वह अमेरिका को भी धमका रहा है कि वह भारत और चीन के रिश्तों में दखलंदाजी ना करे। मंगलवार को अमेरिका के पेंटागन ने अपनी सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी। पेंटागन का कहना है कि चीन चाहता है कि भारत अमेरिका के ज्यादा करीब ना जाए। चीन की तल्खी कितनी बढ़ चुकी है, इसका अंदाजा इसी रिपोर्ट से मिलता है। इसमें कहा है कि चीन ने हिंद महासागर के नजदीक अमेरिकी ड्रोन्स और सैटेलाइट को अंधा करने के लिए जमीन पर लेसर तक लगा दिए हैं। पेंटागन ने अपनी रिपोर्ट में एक और महत्वपूर्ण बात का जिक्र किया है कि एलएसी पर चीनी सेना ने 2021 में अपनी मौजूदगी बनाए रखी और वहां बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने का काम जारी रखा है। भीषण सर्दी में भी पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने तैनात हैं। अच्छा होगा कि इस तरह के बेतुके बयान देने के बजाय चीन पूर्वी लद्दाख में गलवान से पहले की स्थिति में जाने की भारत की मांग मान ले।

> अमेरिका के साथ भारत का युद्धाभ्यास पहले भी होता रहा है और यह वाला इसका 18वां संस्करण है। पिछला युद्धाभ्यास अक्टूबर 2021 में अमेरिका के अलास्का में हुआ था। तब तो चीन कुछ नहीं बोला था, मगर इस बार उसने आरोप लगाया कि भारत ने इसके जरिए 1993 और 1996 के समझौतों का उल्लंघन किया है। दरअसल दोनों देशों के बीच तब हुए इन समझौतों का मुख्य उद्देश्य विश्वास बढ़ाना था। इसके तहत नौ बिंदुओं पर सहमति बनी थी। तय हुआ था कि कोई पक्ष बल या सेना प्रयोग नहीं करेगा। 1996 वाले समझौते में यह भी तय हुआ था कि एलएसी के दो किलोमीटर के क्षेत्र में कोई फायर नहीं होगा, कोई आग नहीं लगाएगा, विस्फोट नहीं करेगा और ना ही खतरनाक रसायनों का उपयोग करेगा।

## चीन ने करीब एक हजार और ईरान ने करीब 314 लोगों को फांसी दी

# तानाशाही के सामने बहती आजाद हवाएं

योगेंद्र योगी

> प्रदर्शनकारियों ने देश के राजा महा वजीरालोंगकोर्न के साथ ही प्रधानमंत्री प्रयुत चन ओचा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री से गद्दी छोड़ने की मांग की। ईरान और चीन की निरंकुश सरकारों का आंदोलनकारियों के सामने झुकना यह दर्शाता है कि वह दिन दूर नहीं है जब लोकतंत्र की बयार को रोकना इन देशों में नामुमकिन हो जाएगा। आहिस्ता से ही सही, लोकतंत्र का बसंत इन देशों में पूरी रंगत से आएगा जरूर। इसकी पदचाप नागरिक अधिकारों विरोधी इन देशों में सुनाई पड़ रही है। लोकतंत्र की यह कवायद भारी जनांदोलनों के जरिए इन देशों के कट्टरपंथियों और तानाशाहों को संपूर्ण आजादी बहाल करने को मजबूर कर देगी, किंतु यह भी निश्चित है कि यह रास्ता कांटों भरा है और बगैर कुर्बानी के तय नहीं होगा।

दार्शनिक और वैज्ञानिक अनुसंधान के प्रवर्तक नोबेल पुरस्कार विजेता नील्स बोर के कथन के मुताबिक 'तानाशाही का सबसे जोरदार हथियार है गोपनीयता, लेकिन लोकतंत्र का सबसे असरदार हथियार है खुलापन।' ईरान, चीन, म्यांमार, थाइलैंड और सूडान में हुए विरोध प्रदर्शन इस बात का प्रमाण हैं कि सूचनाओं के जरिए ई-विलेज बनती दुनिया में कठोर कानून या तानाशाही से आम अवाम की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। ये सभी देश नागरिक अधिकारों के उत्पीडन के लिए बदनाम हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल की वर्ष 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक फांसी देने के मामले में चीन और ईरान दुनिया के शीर्ष देश हैं। चीन ने करीब एक हजार और ईरान ने करीब 314 लोगों को फांसी दी। इन देशों में लोगों के खिलाफ किए जा रहे उत्पीडन से यह भी साबित होता है कि बदले हुए हालात में बंदूकों की नोक पर लंबी अवधि तक मानवाधिकारों को राष्ट्रीय एकता-अखंडता, संस्कृति या धर्म के नाम पर दबाया नहीं जा सकता। यही वजह रही कि आखिरकार ईरान और चीन जैसे कट्टर देशों की सरकार ने भारी खून-खराबे के बाद आंदोलनकारियों के आक्रोश के सामने झुकते हुए उनकी मांगें मंजूर कर ली। इन देशों में सरकार के खिलाफ बोलने, संस्कृति और धर्म के नाम पर फांसी की सजा दिया जाना आम बात है। किंतु इस बार हुए अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करने वाले लोगों को जेल या फांसी का डर भी नहीं डरा सका। ईरान ने भारी दबाव में आकर मोरैलिटी पुलिस को भंग कर दिया। इसी तरह चीन भी 70 सालों में पहली बार आंदोलनकारियों के सामने झुकते हुए कोविड में प्रतिबंधों में छूट देने के लिए सहमत हो गया। गौरतलब है कि ईरान में इस्लाम से जुड़े नियमों जैसे कि हिजाब, बुर्का आदि का पालन कराने के लिए मोरैलिटी पुलिस बनाई गई। इसका गठन पूर्व मेहमूदक अहमदीनेजाद के समय में किया गया था जो ईरान के एक कट्टरपंथी नेता और राष्ट्रपति के तौर पर जाने जाते हैं। उस दौर में इसका काम हिजाब की संस्कृति को बढ़ाने का था। सफेद और हरे रंग की वैन से चलने वाली इस पुलिस के कर्मचारी कहीं पर भी महिलाओं को टोकते दिख जाते। कई बार इस रोक-टोक ने हिंसा का रूप ले लिया। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब महिलाओं को उनके हिजाब को लेकर सरेआम बुरी तरह मारा-पीटा गया। जेलों में बंद करके लोगों को यंत्रणाएं दी गई। ऐसा ही मामला बुर्के से चेहरा नहीं ढकने वाली महसा अमीनी का था। अमीनी की मौत से भडक़ी आक्रोश की चिंगारी ने दावानल का रूप धारण कर लिया। विरोध का यह मुद्दा न सिर्फ ईरान में बल्कि पूरे विश्व में फैल गया। कई देशों की महिलाओं और हस्तियों ने सार्वजनिक तौर पर बाल कटवा कर ईरान का विरोध किया। ईरान ने इस आंदोलन को दबाने के लिए हर तरह के हथकंडों का इस्तेमाल किया। हजारों लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए। प्रदर्शनकारियों पर गोलियां बरसाई गई। ईरान में सुरक्षा बलों के हाथों करीब 380 प्रदर्शनकारी मारे गए। मृतकों में 47 बच्चे भी शामिल हैं। इन देशों के नागरिक अपनी तकलीफों और मानवाधिकारों को लेकर लंबे अर्से से कसमसा रहे हैं। कठोर कानून और निर्दयी शासन तंत्र के खौफ के बावजूद नागरिकों ने सडक़ों पर उतर कर प्रदर्शन करने का दुस्साहस दिखाया। हालांकि ईरान और चीन की कोशिश यही रही है कि अपने देश के नागरिकों पर चलाए गए दमन चक्र की सूचनाएं किसी भी तरह से देश से बाहर नहीं जाए, ताकि विश्वव्यापी बदनामी से बच सकें। इन देशों से आ रही सूचनाओं से जाहिर है कि मौजूदा शासन तंत्र से आजिज आ चुके लोगों ने मौत और सजा के भय के बावजूद सडक़ों पर प्रदर्शन कर सरकारों का जम कर विरोध किया। ईरान की तरह चीन ने भी पहले कोविड प्रतिबंधों के खिलाफ सडक़ों पर उतरे चीनी नागरिकों पर कानून की आड़ में पुलिस और सैन्य बलों का इस्तेमाल किया, किंतु लंबे समय तक चीन भी अपने नागरिकों की आवाज को दबाने में सफल नहीं हो सका। चीन में कोरोना के मामले बीते दिनों तेजी से बढ़े और सरकार ने अपनी जीरो कोविड पॉलिसी को पूरे देश में सख्ती से लागू किया। सख्त प्रतिबंधों के कारण लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही थी और यही कारण है कि पूरे चीन में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शन की यह आग शंघाई से लेकर बीजिंग और वुहान से शिनजियांग तक फैल गई। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग का भी विरोध किया। लोगों ने नारे लगाते हुए चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) से सत्ता छोडऩे की मांग की। इसी तरह सूडान की सेना ने प्रधानमंत्री अब्दुल्लाह हमदोक समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर इमरजेंसी घोषित कर दी। इसके बाद से सडक़ों पर लोग विरोध प्रदर्शन पर उतर आए। लोगों पर सैनिकों ने गोलियां भी दागीं जिसमें 10 लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल होने की सूचना है। म्यांमार की सेना ने अपने ही लोगों पर एयर स्ट्राइक कर आतंक फैला दिया। हवाई हमलों में 80 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना स्थल पर सैन्य विमान की ओर से 4 बम गिराए गए थे। म्यांमार की सेना पिछले साल आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार का तख्तापलट करने के बाद से हजारों लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा उस पर 2300 से अधिक आम नागरिकों की हत्या का आरोप भी लगा है। थाइलैंड में भी हालात कुछ दूसरे देशों की तरह ही हैं। धरना और विरोध पर यहां भी सख्त पाबंदी है। सेना द्वारा 2014 के तख्तापलट में चयनित सरकार को अपदस्थ किए जाने के बाद से थाइलैंड में पहली बार 2019 में चुनाव हुए, पर आम नागरिकों को अभी अपने अधिकारों की मांग करने की छूट नहीं है। बैंकाक में सरकार ने पांच से अधिक लोगों के एक साथ खड़े होने पर रोक लगाई हुई है। ऐसे प्रतिबंधों का असली मकसद अवाम की आवाज को दबाना ही रहा है। दलील यह दी गई कि प्रतिबंध राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरे की वजह से लगाए गए हैं। एक छात्रनेता के आह्वान पर बैंकॉक की जनता सडकों पर ही उतर आई। प्रदर्शनकारियों ने देश के राजा महा वजीरालोंगकोर्न के साथ ही प्रधानमंत्री प्रयुत चन ओचा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रधानमंत्री से गद्दी छोडऩे की मांग की। ईरान और चीन की निरंकुश सरकारों का आंदोलनकारियों के सामने झुकना यह दर्शाता है कि वह दिन दूर नहीं है जब लोकतंत्र की बयार को रोकना इन देशों में नामुमकिन हो जाएगा। आहिस्ता से ही सही, लोकतंत्र का बसंत इन देशों में पूरी रंगत से आएगा जरूर। इसकी पदचाप नागरिक अधिकारों विरोधी इन देशों में सुनाई पड़ रही है। लोकतंत्र की यह कवायद भारी जनांदोलनों के जरिए इन देशों के कट्टरपंथियों और तानाशाहों को संपूर्ण आजादी बहाल करने को मजबूर कर देगी, किंतु यह भी निश्चित है कि यह रास्ता कांटों भरा है और बगैर कुर्बानी के तय नहीं होगा।

# बढ़ती आबादी, गहराता खाद्य संकट



> संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2030 तक यह आबादी साढ़े आठ अरब, 2050 तक 9 .7 अरब और 2100 तक 10 ।4 अरब तक पहुंच सकती है। आबादी के मामले में भारत अगले साल तक चीन को पीछे छोड़ देगा। वह पहले नंबर का सबसे बड़ी आबादी वाला देश हो जाएगा। भारत की जनसंख्या अभी 1 ।04 फीसद की सालाना दर से बढ़ रही है। अहम सवाल यह है कि जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है, इतनी बड़ी जनसंख्या का आने वाले समय में पेट कैसे भरा जाएगा। क्योंकि जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, जल आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ी कर रहा है। दुनिया के अधिकांश देश आज जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनमें खाद्य सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। आज जिस तरह विश्व की आबादी बढ़ रही है, उसी हिसाब से प्राकृतिक संसाधनों पर भी स्पष्ट रूप से दबाव पड़ रहा है।

भले हम विकास का दम भरते रहें, पर सच यह है कि दुनिया भर में भुखमरी का गंभीर संकट मंडरा रहा है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का कहना है कि खाद्य समस्या का मुख्य कारण सिर्फ खाद्य पदार्थों का अभाव नहीं, बल्कि लोगों की क्रयशक्ति में कमी है। दुनिया की आबादी आठ अरब को पार कर चुकी है। मात्र तेईस साल की अवधि में दुनिया की आबादी दो अरब बढ़ गई। आने वाले दशकों में क्षेत्रीय असमानताओं के साथ जनसंख्या बढ़ती रहेगी। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2030 तक यह आबादी साढ़े आठ अरब, 2050 तक 9.7 अरब और 2100 तक 10.4 अरब तक पहुंच सकती है। आबादी के मामले में भारत अगले साल तक चीन को पीछे छोड़ देगा। वह पहले नंबर का सबसे बड़ी आबादी वाला देश हो जाएगा। भारत की जनसंख्या अभी 1.04 फीसद की सालाना दर से बढ़ रही है। अहम सवाल यह है कि जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है, इतनी बड़ी जनसंख्या का आने वाले समय में पेट कैसे भरा जाएगा। क्योंकि जलवायु परिवर्तन न सिर्फ आजीविका, जल आपूर्ति और मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा, बल्कि खाद्य सुरक्षा के लिए भी चुनौती खड़ी कर रहा है। दुनिया के अधिकांश देश आज जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनमें खाद्य सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती है। आज जिस तरह विश्व की आबादी बढ़ रही है, उसी हिसाब से प्राकृतिक संसाधनों पर भी स्पष्ट रूप से दबाव पड़ रहा है। आज पूरी दुनिया के लिए बढ़ती आबादी और सिकुड़ते संसाधन एक अभिशाप हैं, क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधन सीमित हैं। यही वजह है कि करीब आठ अरब की आबादी का बोझ ढोती यह पृथ्वी जनसंख्या से पैदा हुई अनेक समस्याओं के निदान की बाट जोह रही है। पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की इकसठ फीसद हिस्सेदारी है। यही भारत को दुनिया की महाशक्ति बनने में सबसे बड़ी बाधा है। फिलहाल भारत की जनसंख्या विश्व जनसंख्या का अठारह फीसद है। भूभाग के लिहाज के हमारे पास 2.5 फीसद जमीन और चार फीसद जल संसाधन है। ऐसे में तेजी से बढ़ती जनसंख्या देश की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं की जननी बन कर देश के सामने खतरे की घंटी बन सकती है। आज जनसंख्या वृद्धि देश की हर समस्या का मूल कारण बनती जा रही है। गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, अपराध, स्वच्छ जल की कमी आदि के पीछे भी जनसंख्या वृद्धि एक बड़ा कारण है। इतना ही नहीं, देश में जमीन के कुल साठ फीसद हिस्से पर खेती होने के बावजूद करीब बीस करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। साफ है, जनसंख्या विस्फोट से संसाधनों की अपर्याप्तता के कारण उत्पन्न हुई समस्याओं का असर सब पर पड़ रहा है। चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का हो। अभी भारत की आबादी 1.39 अरब है। बढ़ती जनससंख्या के चलते कृषि योग्य भूमि पर भी अतिक्रमण हो रहा है। खेती योग्य जमीन घट रही है, खाने वाले लोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में सभी के लिए कृषि से भोजन उपलब्ध कराना एक नई चुनौती होगी। यह विडंबना ही है कि आजादी के बाद देश खाद्यान्न के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, बल्कि आज कृषि भूमि के अन्य उपयोगों में तेजी से परिवर्तन हो रहा है, किसान कृषि से दूर हो रहे हैं, जिससे भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ सकता है। कृषि भूमि का ह्रास भारत के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को भी प्रभावित कर रहा है। हालांकि, इस दौरान सरकार द्वारा बंजर भूमि को कृषि योग्य भूमि में बदलने में कुछ सफलता मिली है, बावजूद इसके, यह भी एक तथ्य है कि हमारे देश में खेती योग्य भूमि साल-दर-साल घट रही है। 'वेस्टलैंड एटलस 2019' के मुताबिक, पंजाब जैसे कृषिप्रधान राज्य में चौदह हजार हेक्टेयर और पश्चिम बंगाल में बासठ हजार हेक्टेयर खेती योग्य भूमि घट गई है। वहीं, सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा सबसे अधिक खतरनाक लग सकता है, जहां हर साल विकास कार्यों पर अड़तालीस हजार हेक्टेयर कृषि भूमि घटती जा रही है। गौरतलब है कि 1992 में ग्रामीण परिवारों के पास 11.7 करोड़ हेक्टेयर भूमि थी, जो 2013 तक घट कर केवल 9.2 करोड़ हेक्टेयर रह गई। जाहिर है कि महज दो दशक में 2.2 करोड़ हेक्टेयर भूमि ग्रामीण परिवारों के हाथ से निकल गई। अगर यही सिलसिला जारी रहा तो कहा जा रहा है कि अगले साल तक भारत में खेती का रकबा आठ करोड़ हेक्टेयर ही रह जाएगा। यह ठीक है कि जनसंख्या नियंत्रण के नाम पर कई योजनाएं बनीं, मगर वे सफल नहीं हो सकीं। जनसंख्या के लिए एक राष्ट्रीय नीति बहुत जरूरी है। बेतहाशा बढ़ती जनसंख्या देश के विकास को प्रभावित कर रही है। बड़ी जनसंख्या तक योजनाओं के लाभों का समान रूप से वितरण संभव नहीं हो पाता, जिसकी वजह से हम गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं से दशकों बाद भी उबर नहीं सके हैं। जाहिर है कि अगर आबादी बढ़ती है, तो गरीबों की संख्या में वृद्धि होना स्वाभाविक। वैशविक भुखमरी सूचकांक 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 16.3 फीसद आबादी कुपोषित है। पांच साल से कम उम्र के 35.5 प्रतिशत बच्चे अविकसित हैं। भारत में 3 ।3 प्रतिशत बच्चों की पांच साल की उम्र से पहले ही मौत हो जाती है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की 'द स्टेट आफ फूड सिक्युरिटी एंड न्यूट्रिशन इन द वर्ल्ड' रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में अस्सी करोड़ से ज्यादा लोग भुखमरी से जूझ रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो दुनिया का हर दसवां शख्स भूखा है। इतना ही नहीं, अब भी दुनिया में स्वस्थ आहार 310 करोड़ लोगों की पहुंच से बाहर है। साफ है कि दुनिया भर में तमाम कार्यक्रमों और संयुक्त राष्ट्र की कोशिशों के बावजूद खाद्य असमानता और कुपोषण को अभी तक खत्म नहीं किया जा सका है। खाद्य और कृषि संगठन के मुताबिक, इसका एक बड़ा कारण देशों के बीच संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक मंदी है। कोरोना महामारी ने इस अंतर को और बढ़ाया है। बढ़ती आबादी की वजह से ही दुनिया भर में तेल, प्राकृतिक गैस, कोयला आदि ऊर्जा संसाधनों पर दबाव बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। भले हम विकास का दम भरते रहें, पर सच यह है कि दुनिया भर में भुखमरी का गंभीर संकट मंडरा रहा है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन का कहना है कि खाद्य समस्या का मुख्य कारण सिर्फ खाद्य पदार्थों का अभाव नहीं, बल्कि लोगों की क्रयशक्ति में कमी है। वहीं दूसरी तरफ, एक आकलन के अनुसार पूरी दुनिया में तीस फीसद अनाज बर्बाद हो जाता है। किसान भी आबादी के अनुपात में अनाज का उत्पादन नहीं कर पा रहा है। महंगाई बढ़ने का यह एक बड़ा कारण है।

## देश दुनीया से

# बैंक कारोबार की कठिन राह

खुदरा महंगाई में लगातार दो महीने बढ़ोतरी होने के बाद गिरावट दर्ज की गई है। बावजूद इसके, खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक द्वारा तय महंगाई दर की ऊपरी सीमा छह फीसद से ऊपर बनी हुई है। अक्तूबर महीने में खुदरा महंगाई में गिरावट दर्ज होने के बाद रिजर्व बैंक का विश्वास महंगाई को नियंत्रित करने की अपनी मौजूदा नीति पर बढ़ा है और इसी वजह से उसने रेपो दर में फिर से बढ़ोतरी की है। केंद्रीय बैंक के इस रुख से कर्ज महंगे होंगे और बैंकों की पूंजी लागत बढ़ जाएगी, जिसके कारण उन्हें फिर से ऋण दर बढ़ानी होगी। महंगी ऋण दर की वजह से सूक्ष्म, लघु, मझोले और बड़े उद्योग ऋण लेने से परहेज कर रहे हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां सुस्त पड़ने लगी हैं। सितंबर की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.3 फीसद दर्ज की गई, जबकि पिछली तिमाही में यह 13.5 फीसद थी। कोरोना महामारी के बाद उधारी में तेज उठाव और रेपो दर में वृद्धि की वजह से बैंकों को जमा बढ़ाने पर जोर देना पड़ रहा है, लेकिन पिछले बारह महीनों में बारह सरकारी बैंकों में से महज चार ने जमा में दो अंकों की वृद्धि दर्ज की, जबकि एक को छोड़ कर अन्य बैंकों की उधारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। निजी बैंकों में भी ऐसे ही हालात हैं। सभी सूचीबद्ध निजी बैंकों में से केवल दो बैंकों ने ऋण के मुकाबले जमा में अधिक वृद्धि दर्ज की। हालांकि, बैंक जमा पर ब्याज दर बढ़ा और बैंक बांड के जरिए भी पूंजी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। बैंकों की शुद्ध ब्याज आय में समग्र रूप से बाईस फीसद की तेजी आई है। सरकारी बैंकों की शुद्ध ब्याज आय में बीस फीसद की वृद्धि हुई है, जबकि निजी क्षेत्र के बैंकों के शुद्ध ब्याज आय में 24.5 फीसद की। बैंकों की शुद्ध ब्याज आय में बढ़ोतरी का कारण उधारी के उठाव में तेजी आना है, लेकिन बैंक जमा में उधारी के अनुपात में वृद्धि नहीं हो पा रही है। उधारी और जमा दर में भारी अंतर से बैंकों के समक्ष तरलता का संकट पैदा होने की संभावना बढ़ गई है। आगामी तिमाहियों में कंपनियों और बैंकों का मुनाफा प्रभावित होने की भी गुंजाइश है। इधर, वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में सरकारी और निजी क्षेत्र के बैंकों के मुनाफे में उल्लेखनीय वृद्धि होने के बाद कहा जा रहा है कि बैंकिंग क्षेत्र की मुश्किलें कम हो गई हैं, लेकिन बैंकों की सेहत को सिर्फ मुनाफे के पैमाने पर नहीं मापा जा सकता। बैंकों के मुनाफे में बढ़ोतरी का एक महत्त्वपूर्ण कारण एनपीए और आकस्मिकता के मद में किए जा रहे प्रावधानों की राशि में उल्लेखनीय कटौती करना है। समग्र रूप से बैंकों ने वित्त वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में प्रावधान की जा रही राशि में तेरह फीसद की कटौती की है। निजी बैंकों ने पैंतालीस फीसद, जबकि सरकारी बैंकों ने अठारह फीसद की कटौती की है। इस अवधि में बैंकों के व्यय में बारह फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि शुल्क आधारित आय में दो फीसद की गिरावट दर्ज हुई है। समग्र रूप में देखें तो सरकारी बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक और बैंक आफ इंडिया को छोड़ कर अन्य सभी सरकारी बैंकों का मुनाफा वित्त वर्ष 2022-23 की सितंबर तिमाही में पिछले साल की सामान अवधि की तुलना में अधिक रहा है। इस तरह, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बारह सरकारी बैंकों ने 25,685 करोड़ रुपए और चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 40,991 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया, जो पिछले साल के मुकाबले क्रमशः पचास फीसद और 31.6 फीसद अधिक है। इस अवधि में निजी बैंकों का प्रदर्शन भी शानदार रहा है। अठारह निजी सूचीबद्ध बैंकों में से केवल दो के शुद्ध लाभ में इस अवधि में कमी देखी गई है। इनका शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले वार्षिक आधार पर चौंसठ फीसद बढ़ कर 32,150 करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 2022-23 की सितंबर तिमाही में सूचीबद्ध बैंकों का एनपीए घट कर 6.62 लाख करोड़ रुपए रह गया, जिसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी 4.87 लाख करोड़ रुपए है। इनका शुद्ध एनपीए 1.68 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी 1.29 लाख करोड़ रुपए है। मार्च 2018 में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए 10.4 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि शुद्ध एनपीए 5.2 लाख करोड़ रुपए था।



> भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी ताजा मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0 .35 फीसद की बढ़ोतरी की है, जिससे रेपो दर 5 .90 से बढ़ कर 6 ।25 फीसद हो गई है। मई 2022 के बाद रेपो दर में 2 .25 फीसद की बढ़ोतरी सिर्फ महंगाई को नियंत्रित करने के लिए की गई है। उपभोक्ता मूल्य पर आधारित खुदरा महंगाई दर (सीपीआइ) अक्तूबर महीने में घट कर 6 .77 फीसद हो गई, जो सितंबर महीने में 7 .41 फीसद थी।

## कुछ अलग

# चेतना क्या है?

हम हर क्षण कुछ सोच रहे होते हैं। सोच नहीं भी रहे होते तो महसूस कर रहे होते हैं। क्या यह मन में उत्पन्न विचार हैं या मस्तिष्क में? क्या यह चेतना है? क्या इसके पीछे कोई सिद्धांत है?उपनिषदों में अंतर्ज्ञान और आध्यात्मिक अनुभव के परिणाम के रूप में मन से परे मन की पुष्टि की गई है। माना गया है कि यह सर्वोच्च चेतन, मन और इंद्रियों की पहुंच से परे है। वह स्वयं मन से विचार नहीं करता और इसके द्वारा मन ही विचार करता है। यह ब्रह्म-चेतना का स्वभाव या वर्णन है ।तो क्या यह ब्रह्म है? शायद नहीं, क्योंकिपूर्ण ब्रह्म अपने आप में अज्ञेय है और इसलिए वर्णन से परे है। यह अज्ञेय इसलिए नहीं है कि यह शून्य है और इसका वर्णन नहीं हो सकता। यह अज्ञेय है क्योंकि यह उन सभी चीजों से ऊपर है जिन्हें हमारा ज्ञान समझ सकता है, और हमारी मानसिकता और अभिव्यक्ति उस पर लागू नहीं होते हैं। यह 'सुपरमाइंड' है – यह चेतना है। ज्ञान प्राप्त करने और व्यक्त करने के लिए मन, वाणी और इन्द्रियां ही हमारे लिए एकमात्र उपलब्ध साधन प्रतीत होते हैं। उपनिषदों में हमें ब्रह्म को जानने और ज्ञान के द्वारा इस चेतना को समझने और धारण करने का सुझाव दिया गया है। लेकिन यह चेतना मस्तिष्क नहीं है। हमारे अनुसार यह मात्र एक माध्यम है जिसके ज़रिये हमारे अंग बाहरी दुनिया से सम्प्रेषण करते हैं। अन्य अंगों की तरह ही शायद हमारी चेतना भी कई वर्षों में विकसित हुई है और इसी से हम समझते हैं कि क्या ज़रूरी है और क्या नहीं – यह हमारे मस्तिष्क को नियंत्रित करती है। उपनिषदों के अनुसार यह प्राण पर आधारित है। लेकिन यह साधारण सी परिभाषा है और चेतना इससे बहुत अधिक है। यह मन का संपर्क सूत्र है, आँखों के लिए प्रकाश का माध्यम है, कानों के लिए ध्वनि है और जिव्हा के लिए स्वाद है। और यह सम्पूर्ण प्रक्रियाओं की अनुभूति बिजली से भी तेज गति से कराती है और सटीक तरीके से इन्हें प्रबंधित करती है। उपनिषदों के अनुसार चेतना के तीन कोश हैं, तत्व-अन्नकोश, जिसमें भौतिक संपर्क और छवि प्राप्त होती है और बनती है;तंत्रिका -प्राणकोष, जिसमें एक तंत्रिका संपर्क होता है और मनःकोश, जिसमें मानसिक संपर्क होता है। हम अक्सर मानसिक कोष में केन्द्रित रहते हैं और इसलिए भौतिक संसार के अनुभव को हम तक पहुँचने से पहले अन्य दो कोषों से गुज़ारना पड़ता है। अतः चेतना के आम तौर पर चार आवश्यक कार्य होते हैं जो इसके लिए अपरिहार्य होते हैं। अर्थात,यह जो हृदय है, वह मन भी है। अवधारणा (संज्ञान) इच्छाशक्ति (अज्ञान) विश्लेषण (विज्ञान) प्रज्ञा (प्रज्ञान) मेधा, दृष्टि, उद्देश्य तथा भावों की निरन्तरता (धृति), मति, मनीषा, पीडा, स्मृति, संकल्प, विचारशक्ति (क्रतु), प्राण-शक्ति (असु), कामना एवं वासना, ये सभी, 'शाश्वत-प्रज्ञान' के ही विभिन्न नाम (अभिधेय) हैं। ये चार कार्य – संज्ञान, अज्ञान, विज्ञानं और प्रज्ञान ही चेतना के प्रमुख कार्य हैं। विज्ञान मूल व्यापक चेतना है जो चीजों की एक छवि को उसके सारतत्व, उसकी समग्रता और उसके भागों और गुणों में एक साथ धारण करती है। यह उसका मूल, स्वतःस्फूर्त, सच्चा और पूर्ण दृष्टिकोण है जो उचित रूप से अतिमानस से संबंधित है और व्यापक बुद्धि के उच्चतम कार्यों में मन की केवल एक छाया है। प्रज्ञान वह चेतना है जो वस्तुओं की एक छवि को एक वस्तु के रूप में रखती है। संज्ञान चीजों की एक छवि के साथ चेतना का संपर्क है जिसके द्वारा इसे समझा जाता है। अज्ञान वह क्रिया है जिसके द्वारा चेतना चीजों की एक छवि पर निवास करती है ताकि उसेनियंत्रित किया जा सके। इसलिए, ये चार सभी सचेतन क्रियाओं के आधार हैं। तो क्या हम हमारे मन, मस्तिष्क और नियंत्रण से चेतना को और भी विकसित कर सकते हैं? चेतना तो समस्त से परे है, किन्तु संभवतः मस्तिष्क को नियंत्रित करने से हम कुछ सफलता प्राप्त कर सकें।

> विज्ञान मूल व्यापक चेतना है जो चीजों की एक छवि को उसके सारतत्व, उसकी समग्रता और उसके भागों और गुणों में एक साथ धारण करती है। यह उसका मूल, स्वत:स्फूर्त, सच्चा और पूर्ण दृष्टिकोण है जो उचित रूप से अतिमानस से संबंधित है और व्यापक बुद्धि के उच्चतम कार्यों में मन की केवल एक छाया है।

## नागरिक बोध

# आखिर क्यों हम जीवन के सर्वोत्तम को देख ही नहीं रहे?

ऐसा कहा जाता है कि जीवन वह है जो आप इसे बनाते हैं जैसे हम स्वयं अपने जीवन को स्वर्ग या नरक में बदल सकते हैं। क्या फर्क पड़ता है हमारे दृष्टिकोण से कि क्या हम कुएँ में मेंढक की तरह रह सकते हैं या हम अपने परिवेश के बारे में पर्याप्त रूप से सचेत हो सकते हैं। ईश्वर ने हमें एक सुखी और स्वस्थ जीवन के लिए बहुत सी सराहनीय सामग्री प्रदान की है और हमने स्वयं भी उसी जीवन की सहजता के लिए कुछ सामग्री तैयार की है। जहां पूर्व को अक्सर आसानी से उपेक्षित और कम आंका जाता है, लेकिन बाद वाला अलग होने पर बहुत अधिक दर्द देता है। हम इस दुनिया में पहले से ही भेंट किए गए कुछ उपहारों के साथ आए थे और ये उम्मीद की जाती थी कि ये जीवन भर हमारे साथ रहेंगे। लेकिन क्या हम उन उपहारों के साथ आए थे? क्या हम उनके साथ चलेंगे? नहीं, ऐसा नहीं है कि इस दुनिया से हर कोई अकेला आता है और अकेला ही जाता है। हमने उन्हें अविभाज्य माना क्योंकि वे हमें तुरंत उपहार में दिए गए थे कि हम यह महसूस करने में विफल रहे कि वे हमारे साथ नहीं आए हैं बल्कि हमें अपने जीवन को खुशहाल और सार्थक बनाने के लिए दिए गए हैं। इस भौतिकवादी दुनिया का प्रसिद्ध मुहावरा है कि मुफ्त में कुछ भी नहीं मिलता। लेकिन ऐसा क्यों है? ऐसा इसलिए है क्योंकि अब प्राथमिकताएं बदल गई हैं और हमने अपने जीवन को बहुत आसान बना लिया है। अगर हमारी जेब में पैसा है और दुनिया को अपनी मौजूदगी का अहसास कराने की ताकत है तो इस दुनिया में सब कुछ हमारे पैरों के नीचे है। लेकिन कुछ सबसे मूलभूत और सबसे आवश्यक चीजें हैं जिन्हें दुनिया की कोई भी ताकत खरीद नहीं सकती है और न ही उन पर हावी हो सकती है। यहां तक कि इस ग्रह के सबसे धनी व्यक्ति के पास इतना धन नहीं है कि वह उनका स्वामी बन सके। लेकिन वे क्या हैं? वह सूची क्या है जिसमें ये सामर्थी चीज़ें हैं? क्या इसके लिए कोई सार्वभौमिक सूची है? नहीं, क्योंकि वे एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होते हैं। उनमें से सबसे आम हैं-सबसे पहले यह हमारा जीवन है जो सूची में आता है। हम अब सांस ले रहे हैं क्योंकि भगवान ने हमें इस दुनिया में आने के लिए बनाया है और इस अद्भुत अनुग्रह के लिए हमने उन्हें कुछ भी नहीं दिया है। इस नाटक के मंच में प्रवेश करने के बाद हमने दोस्तों और रिश्तेदारों की तरह संबंध बनाए लेकिन दो ऐसे व्यक्ति थे जिनसे हम आंख खोलने से पहले ही जैविक रूप से हमसे जुड़ गए थे। और वो हमारे माता-पिता ही थे जिन्होंने हमें सही और गलत में फर्क करना सिखाया और जीवन के एक-एक पल का सदुपयोग करने की प्रेरणा दी। हमारे परिवार के सदस्य दुनिया में हमारे लिए सबसे प्यारे व्यक्ति हैं और हमें उन पर गर्व है कि वे हमारे साथ हैं लेकिन कौन सा कागज प्रमाणित करता है कि हम उनके मालिक हैं या वे हमारे इस तरह के भुगतान के कारण हैं। दरअसल, वे हमारे साथ हैं क्योंकि हम उनके साथ रहने के लिए किस्मत में थे और भाग्य हमेशा स्वतंत्र होता है चाहे अच्छा हो या बुरा। जीवन के मूल्य हमारे साथ थे जब हम पैदा हुए (और वे सबसे पवित्र थे) लेकिन उस समय हम उन्हें समझने के लिए बहुत छोटे थे और वे धीरे-धीरे हमारे आसपास के वातावरण के साथ बदल गए।

## संक्षिप्त समाचार

### किरकुक शहर के नजदीक बम धमाके में आठ इराकी पुलिस कर्मियों की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

**बगदाद।** राजधानी बगदाद से करीब 238 किलोमीटर दूर तेल समृद्ध किरकुक शहर में संघीय पुलिस कर्मियों के काफिले पर बम से हमला किया गया। इसमें कम से आठ संघीय पुलिसकर्मियों के मौत की खबर है। रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट सफरा गांव के पास हुआ है, जो किरकुक से करीब तीस किलोमीटर दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। सूत्र ने बताया कि दो अन्य पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इलाके में आईएसआईएस के आतंकी सक्रिय हैं। हालांकि किसी ने भी अब तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। दिसंबर 2017 में आईएसआईएस ने इस इलाके पर जीत की घोषणा की थी। समूह ने कभी देश के इस सबसे बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

### परमाणु बम की धमकी देने के बाद डरा पाक, एक दिन बाद ही मुकरा

**इस्लामाबाद।** भारत को परमाणु युद्ध की गीदड़ भभकी देने वाली शहबाज शरीफ सरकार की मंत्री अपने बयान पर एक दिन भी नहीं टिकी पाई। उन्हें और उनकी सरकार को अपने बड़बोलेपन का एहसास हो गया। भारत को परमाणु हमले की धमकी देने वाली पाकिस्तानी मंत्री शाजिया मैरी ने अब पाकिस्तान को एक जिम्मेदार परमाणु संपन्न देश बताया है।

### श्रीलंका में सेना से लेकर पशुओं तक पर पड़ रही है आर्थिक संकट की गहरी मार!

**कोलंबो।** श्रीलंका सरकार ने खर्च में कटौती के अभियान के तहत सेना में 16 हजार से ज्यादा पद खत्म करने का फैसला किया है। श्रीलंका सरकार पर खर्च घटाने की शर्त अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने लगाई है। इसके लिए हर तरफ नजर दौड़ाने के बाद आखिरकार रानिल विक्रमसिंघे सरकार ने देश की पुख्ता सुरक्षा की चिंता छोड़ते हुए सेना पर गाज गिराई है। विक्रमसिंघे ने पिछले महीने प्रस्ताव रखा था कि सैनिकों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट दिलाने की कोशिश की जाए, ताकि रक्षा खर्च घटाया जा सके। अब इस योजना पर अमल शुरू कर दिया गया है। सैनिकों को स्वैच्छिक रिटायरमेंट दिलाने दिलाने के लिए सेना ने अपने नियम में बदलाव किया है। श्रीलंकाई सेना में नौकरी काल में सेवा मुक्त होना गैर-कानूनी है। इसीलिए अब ऐसी अनुपस्थिति को कानूनी मान्यता देने के लिए आम माफी घोषित की गई है। इसके तहत नौकरी से अलग होना चाहने वाले कर्मियों को गैर-हाजिर मान कर उन्हें माफी देते हुए सेवा मुक्त कर दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने सेना से गैर-हाजिर रहने वाले कर्मियों के लिए आम माफी का एलान किया है। इसके तहत इस वर्ष 15 नवंबर से 31 दिसंबर तक किसी वजह से गैर हाजिर रहे सैनिकों को सेवा मुक्त कर दिया जाएगा। जो सैन्य कर्मी अभी विदेशों में हैं, उन्हें भी यह सुविधा दी गई है। इसके तहत अपनी ड्यूटी को ज्वाइन किए बिना वे आम माफी योजना का लाभ उठाते हुए नौकरी छोड़ सकेंगे। सेना के प्रवक्ता रवि हेरात ने बताया कि माफी योजना के तहत अब तक 16,141 सैनिको ने इस योजना का लाभ उठाने के लिए अर्जी दी है। उन्होंने बताया- 21 अफसरों और 15,838 अन्य रैंक के कर्मियों ने मेडिकल और सुरक्षा मंजूरी के साथ अपने इस्तीफे भेज दिए हैं। 179 अन्य कर्मियों के लिए सिक्युरिटी और मेडिकल क्लीयरेंस जारी किए जा रहे हैं।

### हत्यारे को पकड़वाने मां-बाप ने किया 287 करोड़ ऐलान

**टोरंटो।** रहस्यमय परिस्थितियों में एक कनाडाई अरबपति दंपती के मृत पाए जाने के पांच साल बाद, परिवार ने अब अनसुलझे अपराध की जानकारी के लिए नकद इनाम को तीन गुना कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार परिवार ने अपराधियों का पता बताने वाले को लगभग 287 करोड़ रुपये देने का एलान कर दिया है। बता दें कि कनाडा के सबसे अमीर जोड़ों में से एक, 75 वर्षीय बैरी शेरमैन और उनकी 70 वर्षीय पत्नी हनी 15 दिसंबर, 2017 को अपने घर पर मृत पाए गए थे। उनके चारों ओर बेल्ट बंधी हुई थी और उनकी गर्दन इनडोर पूल की रेलिंग से बंधी हुई थी। बैरी शेरमैन ने 1974 में एपोटेक्स नाम की कंपनी की स्थापना की था और इसे एक प्रमुख दवा कंपनी के रूप में विकसित किया, जिसने चैरिटी के लिए 400 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। फोर्ब्स ने उनकी मृत्यु के समय उनकी कुल संपत्ति 24000 करोड़ रुपये आंकी थी। उनके अंतिम संस्कार में हजारों लोगों ने भाग लिया, जिसमें प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो और ओंटारियो प्रांत के प्रमुख कैथलीन वेन शामिल थे। प्राथमिकी जांच में पुलिस इन मौतों को आत्महत्या मान रही थी। हालांकि बाद में जांचकर्ताओं ने निर्धारित किया कि युगल टारगेट किलिंग के शिकार थे, लेकिन पांच साल बाद अब भी अपराध अनसुलझा है।

# ईरान और सऊदी अरब दोनों को एक साथ कैसे साध पाएगा चीन?

**वॉशिंगटन।**

क्या सऊदी अरब से बने गहरे रिश्ते का असर ईरान के साथ चीन के रिश्तों पर भी पड़ेगा पश्चिमी विश्लेषक इस बारे में कयास लगा रहे हैं। बीते नौ दिसंबर को सऊदी अरब और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के अन्य देशों के साथ चीन ने जो साझा बयान जारी किया, उसमें ईरान को क्षेत्रीय आतंकवादी संगठनों का समर्थक देश बताया गया। साथ ही उसमें सभी भागीदार देशों से ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अस्थिरता फैलाने वाली उसकी गतिविधियों का हल ढूंढने की अपील की गई।

जीसीसी-चीन और अरब-चीन शिखर सम्मेलनों का आयोजन सऊदी अरब की राजधानी रियाद में हुआ। इन दोनों शिखर सम्मेलनों के बाद जारी साझा बयानों में ताइवान को चीन का अभिन्न अंग बताया गया। साथ ही हांगकांग मुद्दे पर भी चीन के रुख का समर्थन किया गया। समझा जाता है कि इसके बदले चीन ने उन तीन द्वीपों पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दावे का समर्थन किया, जिन पर ईरान का कब्जा है।

बाद में ईरान के विदेश मंत्रालय ने इन बयानों पर नाखुशी जताई। खास कर उसने तीन द्वीपों के मुद्दे पर अपनी नाराजगी जताई। उसके बाद तेहरान स्थित चीनी राजदूत ने एक बयान में कहा कि चीन ईरान की प्रादेशिक अखंडता का समर्थन करता है। राजदूत ने कहा- 'चीन के राष्ट्रपति की रियाद यात्रा का मकसद इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने में मददगार बनना था।'

पश्चिमी मीडिया में इस विवाद को खूब तव्वजो दी गई है। लेकिन कुछ

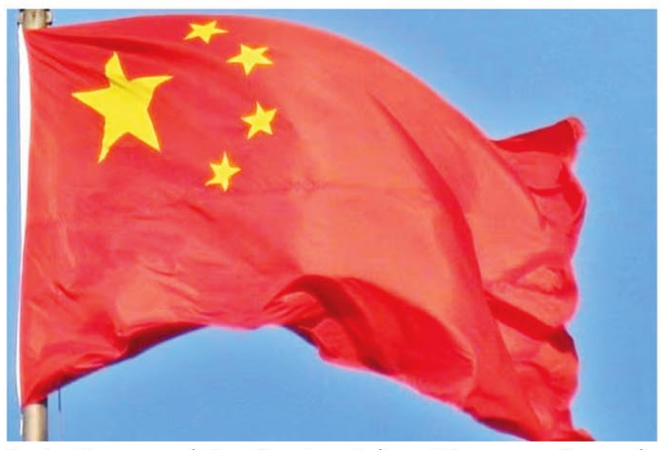

विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम ने इससे जो उम्मीदें जोड़ी हैं, वे निराधार हैं। विश्लेषक ताला तस्लीमी ने एक टिप्पणी में लिखा है कि चीन की नीति में वैसा कोई बदलाव नहीं आया है, जैसा पश्चिमी मीडिया में अनुमान लगाया गया है।

सूत्रों के अनुसार कहा गया है कि जीसीसी-चीन के साझा बयान का यह मतलब नहीं है कि पश्चिम एशिया में अब एक महाशक्ति के रूप में चीन का आगमन हो गया है। लेकिन इससे यह संकेत जरूर मिला है कि जब तक इस क्षेत्र में रणनीतिक प्रभाव कायम नहीं होता, चीन एक वैश्विक महाशक्ति की हैसियत में नहीं आ सकेगा। इसीलिए यह सवाल अहम है कि क्या चीन सऊदी अरब सहित जीसीसी देशों और ईरान के बीच संतुलित रिश्ता बना पाएगा।

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसकी नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। मंत्रालय ने इसी हफ्ते कहा कि जीसीसी के सदस्य देश और ईरान सभी चीन के मित्र हैं। ना तो चीन-जीसीसी का रिश्ता और ना ही चीन-ईरान का रिश्ता किसी तीसरे देश के खिलाफ है। चीन ईरान के साथ जीसीसी देशों के संबंध में सुधार का समर्थन करता है। दोस्ताना पड़ोसी का व्यवहार करते हुए ये देश संबंध सुधार सकते हैं, जिससे सबको लाभ होगा। विश्लेषकों के मुताबिक चीन पश्चिम एशिया में उन तमाम देशों से रिश्ते जोड़ रहा है, जिनके आपसी संबंध तनावपूर्ण हैं।

उनमें तुर्किये भी है, जिसका ईरान के साथ छत्तीस का आंकड़ा है। लेकिन हाल में इन दोनों देशों के साथ चीन का कारोबार बढ़ा है। पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि रियाद में चीन ने फिलस्तीन का खुला समर्थन किया, जबकि इजराइल के साथ भी उसके मजबूत कारोबारी रिश्ते बने हुए हैं। ऐसे में इन अनुमानों में ज्यादा दम नहीं है कि रियाद में हुए शिखर सम्मेलनों के बाद ईरान के साथ चीन के रिश्ते बिगड़ जाएंगे।

### चीन में कोरोना से हालात बद से बदतर

# अंतिम संस्कार के लिए श्मशान स्थलों पर झड़प, क्लीनिक में मरीजों की भीड़

**बीजिंग/शंघाई।**

**चीन में कोरोना वायरस से हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं। कोविड-प्रभावित देश की राजधानी और 2.2 करोड़ की आबादी वाले शहर बीजिंग में शनिवार को उस वक्त हाथापाई की नौबत आ गई जब अंतिम संस्कार और शवदाह गृह की सेवा उपलब्ध कराने वालों को लगातार फोन किया गया, लेकिन उनके स्टाफ व ड्राइवर ने यह कहकर आने से इनकार कर दिया कि वे कोरोना पॉजिटिव होने की वजह से बीमार हैं। ओमिक्रॉन वेरिएंट के कमजोर होने की घोषणा और राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा समर्थित एक शून्य-कोविड नीति के खिलाफ अभूतपूर्व सार्वजनिक विरोध के बाद चीन ने अचानक अपने कोविड प्रबंधन प्रोटोकॉल को एक सप्ताह से अधिक समय पहले ही बदल दिया।**

कभी ना खत्म होने वाली टेस्टिंग, लॉकडाउन और भारी यात्रा प्रतिबंधों से दूर, चीन एक ऐसी दुनिया के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश रहा है, जो कोविड के साथ रहने के लिए काफी हद तक फिर से खुल गई है। चीन ने अपनी 1.4 अरब की आबादी से कहा है कि जब तक लक्षण गंभीर नहीं हो जाते, तब तक घर पर अपने हल्के लक्षणों की देखभाल करें क्योंकि चीन के शहरों को फिर से संक्रमण की अपनी पहली लहर का सामना करना पड़ सकता है। बीजिंग में, जहां 7 दिसंबर को नीतियों में बदलाव के बाद से अभी तक कोविड-19 से एक भी मौत की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है, बीमार मजदूरों की वजह से रेस्तरां और कूरियर फर्मों से लेकर लगभग एक दर्जन अंतिम संस्कार स्थलों तक की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। मियुन फ्यूनरल होम के एक कर्मचारी ने रॉयटर्स को बताया, 'अब हमारे पास कारों और कर्मचारियों की तादाद कम है। हमारे कई स्टाफ कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं।' यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका था कि क्या दाह संस्कार की बढ़ती मांग को पूरा करने से पैदा हुए हालात की वजह से कोविड से संबंधित मौतों में इजाफा हुआ एक कर्मचारी ने कहा कि हुइरौ अंतिम संस्कार गृह में, एक शव को दाह संस्कार करने से पहले तीन दिन तक इंतजार करना पड़ा। कर्मचारी ने कहा, 'आप चाहे तो शव को खुद यहां से ले जा सकते हैं, इन दिनों हाल काफी व्यस्त रहा है।' चीन के स्वास्थ्य प्राधिकरण ने आखिरी बार 3 दिसंबर को कोविड से मौत की सूचना दी थी, जबकि बीजिंग में कोरोना से आखिरी बार मौत की रिपोर्ट 23 नवंबर को दर्ज हुई थी।

व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद कोविड-19 से जुड़ी बड़ी पाबंदियों को चीन द्वारा वापस लेने के लगभग एक पखवाड़े बाद देश बड़े पैमाने पर कोरोना वायरस की लहर से जूझ रहा है। चीन के सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में दिखाया गया है कि बीजिंग और कुछ अन्य शहरों में क्लीनिक में मरीजों की भीड़ है और फुटपाथ तक मरीजों की कतार लगी हुई हैं। लोग कड़ाके की ठंड में अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

वीडियो में यह भी दिखाया गया है कि कई लोग अपनी कारों में और क्लीनिक के बाहर पार्किंग में अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। तेज बुखार वाले लोग क्लीनिक के बाहर इंतजार कर रहे हैं। अधिकांश अपार्टमेंट ब्लॉक में ओमिक्रॉन से संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस वायरस की चपेट में आने से कोई भी बच नहीं पा रहा है। चाहे वे चीनी विदेश मंत्रालय के अधिकारी हों, बीजिंग स्थित राजनयिक हों या पत्रकार।

# पाकिस्तान की उम्मीद डूबी, और मुश्किल हुआ डिफॉल्टर होने से बचना

**इस्लामाबाद।**

पाकिस्तान के आर्थिक संकट से उबरने की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान सरकार ने यह स्वीकार किया है कि 'कई मुद्दों' पर उसका अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ मतभेद खड़ा हो गया है। इससे पाकिस्तान के आर्थिक प्रदर्शन की नौवीं समीक्षा में देर हो रही है। इस समीक्षा में खरा उतरने से पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज मिलना संभव नहीं है। जबकि जल्द कर्ज नहीं मिला, तो पाकिस्तान के डिफॉल्ट करने (कर्ज चुकाने में अक्षम होने) के और करीब पहुंच जाएगा।

हालांकि पाकिस्तान सरकार ने इसे सार्वजनिक रूप से नहीं कहा है, लेकिन समझा जाता है कि मतभेद के जिन 'कई मुद्दों' का जिक्र उसने किया है, उनमें एक रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने की पाकिस्तान की कोशिश भी है। आईएमएफ में अमेरिका की इच्छा सर्वोपरि मानी जाती है। पाकिस्तान के रूस का ग्राहक बनने से दुनिया में रूस को अलग-थलग करने की अमेरिकी कोशिश को झटका लगेगा। विश्लेषकों के मुताबिक इसीलिए रूस से तेल सौदा करने का फैसला पाकिस्तान के अंदर भी विवादों से घिर गया है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने गुरुवार को अमेरिका में कहा था कि उनका देश रूस से रियायती दर पर कच्चा तेल खरीदने की कोशिश नहीं कर रहा है। एक दिन बाद पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने उनके इस बयान का सार्वजनिक रूप से खंडन कर दिया। मलिक ने शुक्रवार को यहां कहा कि रूस 'रियायती दर पर' पाकिस्तान को तेल देगा। मलिक ने मास्को यात्रा से लौटने के बाद पिछले हफ्ते रूस के साथ बनी सहमति का सार्वजनिक एलान किया था। इसीलिए भुट्टो जरदारी के वॉशिंगटन में दिए बयान पर यहां हैरत जताई गई। अब मलिक ने विदेश मंत्री के बयान का खंडन कर दिया है।

दो मंत्रियों के बीच इस परस्पर विरोधी बयानबाजी से शहबाज शरीफ सरकार के लिए असहज स्थिति बनी है। समझा जाता है कि इससे पाकिस्तान के लिए आईएमएफ को कर्ज की किस्तें जारी करने पर राजी करना और कठिन हो गया है। शुक्रवार को पाकिस्तान की वित्त राज्य मंत्री आयशा गौस पाशा ने नेशनल असेंबली की एक स्थायी समिति के सामने 'कई मुद्दों' पर आईएमएफ के साथ मतभेद उभरने की बात कही। हालांकि उन्होंने दावा किया कि आईएमएफ ने ऋण प्रोग्राम को स्थगति नहीं किया है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए छह बिलियन डॉलर का नया कर्ज मंजूर किया है। लेकिन उनसे कई शर्तें लगाई हैं, जिन्हें पूरा करने के बाद ही कर्ज की किस्तें जारी होंगी। पहली किस्त के तहत नौवीं समीक्षा के बाद 1.8 बिलियन डॉलर की रकम जारी करने पर सहमति हुई थी। लेकिन ये समीक्षा बैठक लगातार टल रही है।

स्थायी समिति की बैठक में पाशा ने कहा कि मैं आज आईएमएफ के बारे में खुल कर बात करना चाहती हूं।

# युवा आबादी घटने से ताइवान को नहीं मिल रहे हैं नए सैनिक, कैसे लड़ेगा चीन से युद्ध?

**ताइपे।**

जिस समय चीन के हमले की आशंका बढ़ती जा रही है, ताइवान एक अलग किस्म की चुनौती का सामना कर रहा है। देश की आबादी लगातार घट रही है। आबादी में युवा वर्ग की संख्या में काफी गिरावट आ गई है। इस वजह से ताइवान की सेना में पर्याप्त संख्या में नए सैनिकों की भर्ती नहीं हो पा रही है।

ताइवान की सेना ने भर्ती के लिए जो संख्या तय की थी, उस लक्ष्य से वह काफी पीछे चल रही है। दो करोड़ 35 लाख आबादी वाले इस देश के गृह मंत्रालय ने स्वीकार किया है कि निम्न जन्म दर अब देश के लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। ताइवान की आबादी में पहली बार गिरावट 2020 में आई थी। अब गृह मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि 2022 में सेना में नई भर्तियों संख्या न्यूनतम स्तर पर रहेगी। मंत्रालय ने कहा है- 'युवा आबादी में लगातार आ रही गिरावट भविष्य में एक बड़ी चुनौती बन जाएगी।' विश्लेषकों के मुताबिक इस चुनौती ने बेहद खराब समय पर गंभीर रूप लिया है। इस वक्त चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान का विलय अपनी मुख्य भूमि के साथ कराने का इरादा नियमित रूप से जता रही है। ताइवान पहले चीन का हिस्सा था, लेकिन 1949 में कम्युनिस्ट क्रांति के समय कम्युनिस्ट विरोधी ताकतें भाग कर वहां चली गईं। तब से ताइवान एक स्वायत्त देश के रूप में मौजूद रहा है। ताइवान की नेशनल डेवलपमेंट काउंसिल ने भविष्यवाणी की है कि 2035 तक 2021 की तुलना

में देश में हर साल औसतन 20 हजार कम बच्चे पैदा होंगे। पिछले साल ताइवान में 1,53,820 पैदा हुए थे। काउंसिल ने कहा है कि 2023 तक ताइवान सबसे कम जन्म दर वाला क्षेत्र बन जाएगा। यानी इस मामले में वह दक्षिण कोरिया को पीछे छोड़ देगा। फिलहाल, ताइवान की सेना में एक लाख 62 हजार सैनिक हैं। यह तय लक्ष्य से सात हजार कम है। इन पेशेवर सैन्यकर्मियों के अलावा ताइवान में नियम है कि हर योग्य पुरुषों को कम से कम चार महीने सेना में सेवा देनी होती है। नए हालात को देखते हुए अब ताइवान में इस सवाल पर बहस खड़ी हो गई है कि क्या सरकार को अनिवार्य सैनिक सेवा की अवधि में बढ़ोतरी कर देनी चाहिए। ताइवान के रक्षा मंत्री चिउ कुओ-चेंग ने इसी हफ्ते कहा कि अनिवार्य सैन्य सेवा के बारे में नई योजना इस साल के अंत तक घोषित की जाएगी। जानकारों के मुताबिक नई योजनाके तहत अगर फिर से अनिवार्य सेवा की अवधि बढ़ाई गई, तो इसे ताइवान में एक बड़े यू-टर्न के रूप में देखा जाएगा।

# भारतीय नर्स और उसकी दो बेटियों की हत्या के मामले में एक संदिग्ध से पूछताछ, आज अदालत में किया जाएगा पेश

**लंदन।**

ब्रिटेन की पुलिस ने एक भारतीय नर्स और उसके दो बच्चों की हत्या के सिलसिले में एक संदिग्ध से पूछताछ कर रही है। उस पर हत्या के तीन मामलों का आरोप है। उसे सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा। नॉर्थम्पटनशिर पुलिस ने शनिवार रात सजू चेलावलेल (52 वर्षीय) पर अंजू अशोक (35 वर्षीय), जीवा सजू (6 वर्षीय) और जानवी सजू (चार वर्षीय) की हत्या का आरोप लगाया था। सजू चेलावलेल मृतक अंजू के पति भी हैं। पुलिस ने तीनों की मौत का कारण दम घुटना बताया है। मामले के वरिष्ठ जांच अधिकारी डिटेक्टिव इंस्पेक्टर साइमन बार्न्स ने कहा, हमारी संवेदनाएं अंजू, जीवा और जानवी के परिवार के साथ हैं। हमें उन्हें न्याय दिलाने के लिए दृढ़ हैं।

उन्होंने कहा, इस प्रकार की घटनाएं अविश्वसनीय हैं और परेशान करने वाली हैं। मैं उनका सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं जिन्होंने गुरुवार को 999 कॉल का जवाब दिया या बाद की जांच में शामिल रहे। उन्होंने कहा, मैं स्थानीय समुदाय को भी धन्यवाद देना चाहता हूं।

हम जानते हैं कि इस तरह की घटना कितना परेशान करने वाली है। हम अपनी पुलिसिंग टीम के सदस्यों की क्षेत्र में गश्त जारी रखेंगे। हत्या के आरोपों के बाद चेलावलेल को नॉर्थम्पटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जाएगा। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा सकता है। पुलिस ने कहा, अधिकारियों ने मौके पर अंजू अशोक, जीवा सजू और जानवी सजू को गंभीर चोटों के साथ पाया। पुलिस अधिकारियों और अस्पताल कर्मचारियों के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद तीनों की थोड़ी देर बाद मृत्यु हो गई। बयान में कहा गया, लीस्टर रॉयल इनफर्मरी में फोरेंसिक पोस्ट मार्टम जांच की गई, जहां निष्कर्ष निकाला गया कि तीनों की मौत दम घुटने के कारण हुई है। मूल रूप से केरल के कोट्टायम जिले की रहने वाली अंजू अशोक पिछले छह साल से स्थानीय अस्पताल में कार्यरत थीं। उसने केटरिंग जनरल अस्पताल में आर्थोपेडिक विभाग में एक नर्स के रूप में काम किया था।

# दक्षिण कोरिया का दावा : उत्तर कोरिया ने फिर किया बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण

**सियोल।**

उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तट से एक बार फिर बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया ने यह जानकारी दी है। उत्तर कोरिया का इस साल बैलेस्टिक मिसाइल का यह नौवां परीक्षण है। पिछले महीने, उत्तर कोरिया ने 20 से अधिक कम दूरी की मिसाइलें दागी थीं। इस साल उनसे दर्जनों मिसाइल परीक्षण किए हैं।

दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी तट से बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरिया के सेना प्रमुख ने कहा कि मिसाइल का परीक्षण रविवार सुबह किया गया। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी मिसाइल लॉन्च की पुष्टि की है।

जापान ने कहा है कि उत्तर कोरिया की संदिग्ध मिसाइल जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में गिरी। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं दी गई है कि मिसाइल जापानी तट से कितनी दूरी पर थी। जापानी मीडिया ने सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी।

**उत्तर कोरिया ने किया था अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण** – इससे पहले 18 नवंबर को उत्तर कोरिया ने

अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। अमेरिका और जापान ने इसे क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा बताया है और उत्तर कोरिया के गैर कानूनी शस्त्र विकास कार्यक्रम व बैलेस्टिक मिसाइल परीक्षण को रोकने पर जोर दिया। वहीं, उत्तर कोरिया का कहना है कि वह अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की उकसावे की कार्रवाई के जवाब में मिसाइल परीक्षण कर रहा हैदक्षिण कोरिया का दावा

**उत्तर कोरिया के पास परमाणु-संचालित मिसाइलें**– कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अमेरिकी प्रतिबंधों से राहत पाने और अन्य रियायतें हासिल करने के लिए परणामु हथियारों की परीक्षण कर रहा है। हालांकि, अभी तक उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमता की सटीक स्थिति का पता नहीं चला है। विशेषज्ञों का यह भी अनुमान है कि उत्तर कोरिया के पास पहले से ही परमाणु-संचालित मिसाइलें हैं, जो पूरे अमेरिका पर हमला कर सकती हैं। हालांकि, कुछ का यह भी कहना है कि उत्तर कोरिया अभी भी ऐसे हथियारों को हासिल करने से दूर है।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया लगातार सैन्य अभ्यास कर रहे हैं। दोनों देशों ने उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के सामने अपनी संयुक्त रक्षा क्षमता को और मजबूत करने पर जोर दिया है। वहीं, उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ संभावित संघर्ष में पहले से ही परमाणु हथियारों का उपयोग करने की धमकी दी है।

# राजस्थान में गहलोत सरकार के खिलाफ आमजन में भयंकर आक्रोश : अरुण सिंह

**अलवर ( हिंस )।** भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि आक्रोश यात्राएं जनता द्वारा निकाली जा रही हैं, अब सभाओं के माध्यम से जनता भाजपा से कनेक्ट हो रही है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ जनता में भयंकर आक्रोश है। भाजपा की जन आक्रोश यात्राओं को 200 विधानसभाओं में आमजन का भरपूर समर्थन मिला है। 200 रथों के माध्यम से लगभग 1 लाख 11 हजार किलोमीटर की यात्रा संपन्न हो चुकी है, हजारों नुक्कड़, सभाएं एवं चौपालें और करोड़ों लोगों से जनसंपर्क किया जा चुका है। भाजपा की वेबसाइट व शिकायत पेटिका में लाखों शिकायतें मिली और लाखों आमजन से मिस्ड कॉल प्राप्त हुई। सिंह रविवार को बहरोड में जनाक्रोश यात्रा के दौरान सभा को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता कांग्रेस सरकार से आक्रोशित है, इस सरकार में जंगलराज है। न्याय की कोई व्यवस्था नहीं हैं। चारों तरफ अपराध हैं और प्रदेश अपराधियों की शरणस्थली बन चुका है। कांग्रेस सरकार के चार वर्ष के शासन में जंगलराज, अराजकता, तुष्टिकरण की राजनीति, बहुसंख्यकों पर अत्याचार, पुजारियों की जलाकर हत्यायें की गई, जिसमें करौली, भीलवाड़ा, जोधपुर, उदयपुर की घटनाएं सबके सामने हैं। सिंह ने कहा कि प्रदेश मे ऐसा शासन पहली बार देखा है कि *जिसकी लाठी उसकी भैंस* जिसे लोकतंत्र में सहन नहीं किया जा सकता है। संपूर्ण किसान कर्जमाफी का राहुल गांधी ने 2018 में वादा किया था, आज सरकार को चार साल हो चुके है। प्रदेश में 60 लाख किसानों पर 1 लाख 20 हजार करोड़ का कर्जा बाकी है। कांग्रेस शासन में प्रदेश में 18817 किसानों की जमीनें कुर्क हो गई, किसानों की सबसे अधिक 4 हजार से अधिक जमीनें नीलाम अलवर में हुई हैं। 200 से अधिक किसानों ने आत्महत्या कर ली, राहुल गांधी बेसिर पैर की बातें करने में एक्सपर्ट हो रहे हैं। अधूरे दर्शनशास्त्र को जनता समझ चुकी है। सरकार को राहुल की राह पर तिनका भी मंजूर नहीं है, जबकि जनता को कांग्रेस सरकार ने चार साल में कांटे ही दिये। कृषि बिजली कनेक्शन में सब्सिडी पिछली सरकार दे रही थी, पर कांग्रेस सरकार आते ही बंद कर दी गई। बाजरा की खरीद नहीं हो पा रही है फसलों के उचित दाम नहीं मिल रहे हैं। अरुण सिंह ने कहा कि बेरोजगारी की स्थिति दयनीय है। देश में सबसे अधिक बेरोजगारी राजस्थान में है। प्रदेश में 70 लाख बेरोजगारों को नौकरी एवं बेरोजगारी भत्ता देने का वादा था जिसे सरकार पूरा करने में असफल हुई। भर्ती परीक्षाओं की हालत खराब हो गई। सभी परीक्षाओं मे हेर-फेर, रीट में चीट से युवाओं का भविष्य दांव पर लगा है। बिजली में 10 से 11 बार विभिन्न चार्ज के रूप में वृद्धि की गई है। जो सरकार के झूठे वादे को साबित करती है। प्रदेश में मुकदमे 8 लाख 60 हजार से अधिक दर्ज हो चुके हैं, विशेषकर महिलाओं के विरुद्ध 47 माह में 1 लाख 55 हजार मामले दर्ज हो चुके हैं। 25 हजार से अधिक मामले सिर्फ बच्चियों एवं महिलाओं के साथ दुष्कर्म व गैंगरेप के हैं। उन्होंने आह्वान किया कि जिस सरकार मे पुजारी, महिलाएं, दलित सुरक्षित नहीं हो ऐसी सरकार को सबक सिखाएं। अरुण सिंह ने कहा कि राहुल गांधी कहते क्या है और करवाते क्या है? प्रदेश की अराजकता पर राहुल नहीं बोलेंगे। देश ने चाईना की पिटाई देखी है और राहुल सैनिकों का अपमान कर रहे हैं। बहरोड़ में विधायक ने गुंडाराज फैला रखा है। भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। बहरोड़ विधायक ठेले वालों से भी हफ्ता वसूली का कार्य कर रहे हैं। बहरोड की जनता में भय का माहौल है। जन आक्रोश महासभा में अलवर उत्तर जिलाध्यक्ष बलवान सिंह यादव, जिला संगठन प्रभारी मनीष पारीक, पूर्व प्रदेश महामंत्री कुलदीप धनकर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रोहतास इत्यादि पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि, कार्यकर्ता व आमजन उपस्थित रहे।

## राहुल गांधी के लिए बने पंडाल में धरने पर बैठे भाजपा नेता किरोड़ी ने 22 घंटे बाद छोड़ा कब्जा

**अलवर ( हिंस )।** भारत जोड़ो यात्रा के तहत राहुल गांधी के लिए जिले के राजगढ़ के सुरेर में बनाए गए लंच पांडाल में शनिवार शाम से धरने पर बैठे भाजपा नेता का धरना 22 घंटे बाद प्रशासन के आश्वासन के बाद रविवार को खत्म हुआ। दरअसल, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीना हजारों कार्यकर्ताओं के साथ अपनी मांगों को लेकर भारत जोड़ो यात्रा के लिए बनाए गए पांडाल में शनिवार की शाम समर्थकों सहित बैठ गए थे। रविवार को सुबह प्रदर्शनकारियों से सांकेतिक भूख हड़ताल का आह्वान किया। अलवर-सिकन्दरा मेगा हाईवे मार्ग स्थित चन्दर सिंह की ढाणी में पंडाल में रविवार को दोपहर करीब 2 बजे के बाद प्रशासन से वार्ता होने के बाद भाजपा नेता किरोड़ी ने लगभग 22 घंटे बाद धरना समाप्त करने की घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार उनकी मांगों को सुनने के लिए तैयार है। इसके लिए सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बनाया गया है। प्रतिनिधिमण्डल में सीएचए की ओर से पूजा, शराब ठेकेदार की यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष पंकज धनखड़, पुजारी प्रकरणों में बल्या जोशी, ईआरसीपी से देवराज गुर्जर, महिलाओं, एसटी के अत्यचार एवं बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर शंभू शर्मा, किसानों के कर्ज को लेकर रूपसिंह को शामिल किया गया है। यह प्रतिनिधिमण्डल मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से वार्ता करेगा। उन्होंने बताया कि सरकार का रुख सकारात्मक लग रहा है। इसके पश्चात सरकार ने नहीं सुनी तो राज्य के बेरोजगार, सीएचए, एक्साइज व इंटर डिस्कोम सहित अन्य जो भी लाखों लोग जुड़े हैं, फिर एक बड़ा जमावड़ा जयपुर में किया जाएगा।

## पिछड़ा वर्ग के लोगों का आरक्षण बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया जाए : रामनिवास

**भिवानी ( हिंस )।** हरियाणा में हुड्डा कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के लोगों को लामबंद करने के लिए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं व पूर्व विधायकों के माध्यम से पिछड़ा वर्ग सम्मेलन हर जिले में आयोजित कर पिछड़ा वर्ग के लोगों को एक बैनर तले इकट्ठा कर लेना चाह रही है। इसी चाहत के चलते भिवानी में पिछड़ा वर्ग का सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में लोगों को हाजिरी रही तथा कांग्रेस के स्थापित नेताओं ने भी इस सम्मेलन में भीड़ बढ़ाने का काम किया। मंच के माध्यम से यह भी दावा किया गया कि 2016 में पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना भी पिछड़ा वर्ग सम्मेलनों के शुरू होने के बाद की गई थी। हुडा पार्क में आयोजित पिछड़ा वर्ग सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक रामनिवास घोड़ेला ने मंच के माध्यम से मांग उठाई कि पिछड़ा वर्ग के लोगों का आरक्षण बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया जाए, हरियाणा में कौशल रोजगार विकास निगम की भर्ती में पिछड़ा वर्ग का आरक्षण लागू किया जाए, पिछड़ा वर्ग के लोगों को पूर्व की हुड्डा सरकार की तर्ज पर 100-100 गज के प्लॉट देने फिर से शुरू किए जाए, पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को सरकारी स्कूलों में मिलने वालो 400 से 600 रुपए वजीफा उसे फिर से बढ़ाकर लागू किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशनी बहाली की जाए, क्लास-1 व 2 की नौकरियों में वरियता दी जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व की केंद्र की वीपी सिंह सरकार व पिछली हुड्डा सरकार ने पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए अनेक योजनाएं चलाई।

## प्रदर्शनकारियों ने शराब, एथेनॉल संयंत्र के सामने जारी धरना खत्म करने से किया इनकार

**फिरोजपुर।** पंजाब में फिरोजपुर जिले के मंसूरवाल गांव में शराब और एथेनॉल संयंत्र के सामने लगभग पांच महीने से धरने पर बैठे प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल से बातचीत के बावजूद हटने से इनकार कर दिया। कुछ किसान संघों के समर्थन से मंसूरवाल गांव में संयंत्र के सामने लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि यह संयंत्र वायु प्रदूषण के अलावा क्षेत्र के कई गांवों में भूमिगत जल को प्रदूषित कर रहा है। वे इसे बंद करने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने धरना स्थल पर ड्यूटी करने जा रहे कर्मियों का रास्ता रोकने और जीरा अनुमंडल के रातोल रोही गांव से इथेनॉल संयंत्र की ओर जाने वाले तिराहा मार्ग पर प्रदर्शन करने के आरोप में देर शाम 100-125 अज्ञात लोगों और 14 ज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इससे पहले दिन में पंजाब के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री ने धालीवाल ने प्रदर्शनकारियों को उन सभी फैसलों को लेकर भरोसा दिलाया, जिन पर उनके प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच सहमति बनी थी। सांझा जीरा मोर्चा के बैनर तले 24 जुलाई से धरना प्रदर्शन जारी है। शनिवार को जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, उन पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं, जिनमें लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला करना आदि शामिल है। जीरा पुलिस ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया है।

## मंत्री के कार्यक्रम में सरपंचों ने किया हंगामा

### मंत्री बोले, पैसे नहीं खाने दूंगा

**फतेहाबाद ( हिंस )।** फतेहाबाद में आयोजित पंचायत मंत्री के जनसंवाद कार्यक्रम में दो-तीन गांवों के सरपंचों ने हंगामे का प्रयास किया लेकिन मंत्री ने उन्हें स्पष्ट जवाब दिया कि कि भ्रष्टाचार रुकने पर जिनको तकलीफ है वही विरोध कर रहे हैं और कामयाब नहीं होने देंगे। इसके बाद हंगामा करने वाले सरपंच कार्यक्रम छोड़ कर चले गए। आपको बता दें कि हंगामा करने वाले सरपंचों में कांग्रेस के युवा जिला अध्यक्ष चंद्रमोहन पोटलिया भी शामिल थे। फतेहाबाद के लघु सचिवालय में पंचायती राज संस्थाओं के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से संवाद करने पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली पहुंचे थे। देवेंद्र सिंह बबली का संबोधन शुरू होते ही चंद्रमोहन पोटलिया ने उन्हें रोकना चाहा तो देवेंद्र बबली ने कहा कि वह आपकी बात सुनने ही आए हैं इसलिए एक बार उन्हें अपना संबोधन देने दीजिए, जिसके बाद पुलिस ने पोटलिया को शांत कर बैठा दिया। इसके बाद देवेंद्र बबली ने पंचायत मंत्री रहते हुए अपने कार्य गिनाए, प्रदेश सरकार की खूबियां गिनाई। पंचायत मंत्री का संबोधन खत्म होने को ही था कि उन्होंने जिक्र किया कि उनके मंत्री बनने के बाद हजारों शिकायतें आई हैं जिनमें पंचायतों में घपले बाजी की शिकायतें भी सामने आई है।। मंत्री के इतना कहते ही चंद्रमोहन पोटलिया एक बार फिर खड़े हो गए और विरोध जताने शुरू कर दिया। उनके साथ दो-तीन अन्य सरपंच भी विरोध जताने लगे। चंद्रमोहन पोटलिया को समझाते हुए देवेंद्र बबली ने कहा कि मैं शरीफ मंत्री हूं, आपकी बात सुनने आया हूं मेरा फायदा उठाओ। विरोध अभी चल ही रहा था कि देवेंद्र बबली ने स्पष्ट तौर पर कहा कि सिर्फ चार पांच सरपंच ही ऐसे हैं जो विरोध कर रहे हैं। कुछ ही लोगों को ई-टेंडरिंग से तकलीफ हो रही है, लेकिन अब पैसा नहीं खाने दिया जाएगा। बबली ने कहा कि प्रदेश में उनके जो कार्यक्रम हुए हैं उनमें जानबूझकर विरोध करवाया। इस दौरान जब मंत्री ने अपना भाषण समाप्त किया तो विरोध करने वाले सरपंच मौके से चले गए। वही इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए देवेंद्र बबली ने कहा कि ई-टेंडरिंग का विरोध बिना मतलब हो रहा है। उनके कार्यक्रम में सिर्फ दो-तीन किलकी मार होते हैं जो विरोध करते हैं और 95 प्रतिशत से ज्यादा लोग उनकी बातों से सहमत होते हैं।

## प्रदेश में कांग्रेस को उखाड़ कर डबल इंजन की सरकार लानी है : केंद्रीय मंत्री मेघवाल

**भीलवाड़ा ( हिंस )।** भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ विधानसभा मुख्यालय पर रविवार को भाजपा जनाक्रोश रैली के समापन मौके पर आम सभा का आयोजन किया गया। आम सभा में मुख्यवक्ता के रूप में केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने संबोधित किया। केंद्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जनता 2024 में केंद्र में नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने को आतुर बैठी है। उससे पहले 2023 में राजस्थान में कांग्रेस सरकार को उखाड़कर भाजपा की सरकार को लाना है। डबल इंजन की सरकार होगी तो राजस्थान का विकास सुचारू हो सकेगा। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस नेता केवल सीएम की कुर्सी के लिए ही चार साल से लड़ते चले आ रहे है। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने से लेकर आज तक केवल कुर्सी के लिए लड़ाई चल रही है। कांग्रेस के विधायक मिनी सीएम बन रहे है। इससे प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो रही है। महिला अत्याचार के मामलों में देश में राजस्थान अव्वल हो गया है। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस हाइकमान अशोक गहलोत व सचिन पायलट के मन मिलने की बात कह रहा है पर दोनो के हाथ तो मिलवा कर दिखाओ। उन्होंने कांग्रेस पर कई कटाक्ष किए। सभा को सांसद सुभाष बहेड़िया, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष लादूलाल तेली ने भी संबोधित किया।

## विजय दिवस पर सैनिकों के सम्मान में हुई मैराथन दौड़

**जयपुर ( हिंस )।** विजय दिवस के उपलक्ष में सैनिकों के सम्मान में रविवार सुबह 8 बजे से राजधानी जयपुर में न्यू लोहा मंडी रोड स्थित माचेड़ा सरकारी स्कूल के पास ग्राउंड पर मैराथन दौड़ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं ऑक्सफोर्ड करियर सेंटर के ऑनर सुरेंद्र सिंह खींचड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि यह मैराथन *एक फिट भारत* मुहिम के तहत सैनिकों के सम्मान में पूरे भारत में एक साथ आयोजित किया गया। यह आयोजन ऑक्सफोर्ड करियर सेंटर की तरफ किया गया, जिसमें सभी एज ग्रुप के स्कूली बच्चों सहित मेल-फिमेल ने पार्टिसिपेट किया। इसमें तीन किमी., पांच किमी. व दस किमी. तीन तरह की कैटेगरी रखी गई, जिनमें प्रतिभागियों ने अपनी सुविधानुसार हिस्सा लिया। सुरेंद्र ने बताया कि देशभर में *एक फिट भारत* के तहत सैनिकों के सम्मान में आयोजित हुए इस प्रोग्राम में स्कूली बच्चों और उनके अभिभावकों ने हिस्सा लिया। साथ ही एनसीसी केडेट्स ने भी हिस्सा लेकर अपना परफॉर्मेंस दिया। इससे बच्चों को देशभक्ति के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिली।

## प्रदेश में पुरानी पेंशन नीति को बहाल करे गठबंधन सरकार

**जींद ( हिंस )।** पेंशन बहाली संघर्ष समिति हरियाणा में 2006 के बाद नियुक्त कर्मचारियों, अधिकारियों के लिए 2018 से लगातार पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रही है। इसके लिए संघर्ष समिति द्वारा प्रदेश में लगातार पेंशन आंदोलन चलाया का रहा है। पेंशन बहाली संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष जोगेंद्र लोहान ने बताया कि समिति के प्रयासों से चार राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और पंजाब में पुरानी पेंशन नीति बहाल हो चुकी है और हिमाचल में भी जल्द पुरानी पेंशन बहाल होने वाली है। संघर्ष समिति की जिला कार्यकारिणी ने गठबंधन सरकार से प्रदेश में आगामी शीतकालीन सत्र में पुरानी पेंशन नीति को बहाल करने की मांग की अन्यथा पेंशन बहाली संघर्ष समिति 26 फरवरी में बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आवास का घेराव करेगी। इस अवसर पर राज्य कार्यकारिणी से रिषी नैन, अनूप लाठर व जिला कार्यकारिणी से सुरेंद्र मान, देवीलाल सहारण, विजयपाल ढुल ने कहा कि 2019 के विधानसभा चुनाव में पुरानी पेंशन बहाली का वादा करने के बावजूद गठबंधन सरकार प्रदेश के कर्मचारियों से वादा खिलाफी कर रही है। 2019 के विधानसभा चुनाव में जजपा ने अपने घोषणा पत्र में प्रदेश में पुरानी पेंशन नीति को बहाल करने का वादा किया था लेकिन आज दुष्यंत चौटाला प्रदेश के उपमुख्यमंत्री होने के बावजूद अपने वादे से भाग रहे हैं। जिस कारण प्रदेश के सभी कर्मचारियों में भारी रोष है। अगर शीतकालीन सत्र में पुरानी पेंशन बहाल नहीं की जाती तो संघर्ष समिति मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री आवास का घेराव करेगी।

## जाली नोट बनाने वाले रैकेट का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

**पठानकोट।** पठानकोट में चल रहे जाली नोटों के रैकेट का भंडाफोड़ कर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 2.52 लाख रुपए की जाली करंसी, एक प्रिंटर, एक पेपर कटर, स्याही की बोतलें, पेपर और एक मार्कर पेन जब्त किया गया है। आरोपी किराए के मकान में जाली करंसी तैयार करते थे और आगे इसे मार्केट में थोड़ा-थोड़ा कर चलाते थे। एसएसपी हरकमल प्रीत सिंह खख ने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजय कुमार शर्मा (35) जो नेहरू नगर का रहने वाला है, मिथुन (36) न्यू कालोनी नेहरू नगर पठानकोट और संजय कुमार (37) चार मरले क्वार्टर राम नगर पठानकोट का रहने वाला है, के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि थाना-एक की पुलिस को 16 दिसंबर को जाली नोट के प्रचलन और छपाई में कुछ लोगों के शामिल होने की सूचना मिली थी। शनिवार को पुलिस ने गाड़ी आहाता चौक पर नाका लगाकर 200 रुपए के 20 नकली नोटों के साथ आटो में सवार अजय शर्मा को पकड़ा। अजय ने बताया कि वह पठानकोट के नेहरू नगर स्थित अपने किराए के मकान में जाली नोट बनाता है। वह पठानकोट में स्टेशन हेल्थ आर्गनाईजेशन (मिनिस्ट्री आफ डिफेंस) में स्वास्थ्य निरीक्षक के पद पर कार्यरत है। पठानकोट में तैनात होने से पहले वह 10 साल तक श्रीनगर घाटी में तैनात था। पठानकोट पहुंचने पर अजय, संजय कुमार और मिथुन के संपर्क में आया। दोनों नशे के आदी थे। इस का फायदा उठाकर उन दोनों को साथ मिला लिया। मिथुन व सन्नी बाजार में जाली नोटों को चलाने का काम करते थे। दोनों छन्नी बेली गांव से नकली नोटों से नशा भी खरीद कर लाते थे। अजय से तलाशी के दौरान उसके पास से 25 डेबिट कार्ड भी मिले हैं। एसएसपी खख ने बताया कि मामले में किसी अंतर्राष्ट्रीय रैकेट के शामिल होने की भी संभावना है।

## पंजाब विवि : विद्यार्थी ने पेपर अंग्रेजी मीडियम में दिए, डिग्री पंजाबी में मिली

**पटियाला।** कॉलेजों की गलतियों का खमियाजा विद्यार्थियों को भुगतना पड़ रहा है। कॉलेजों द्वारा विद्यार्थियों का मीडियम ही बदल दिया जाता है। इसके चलते विद्यार्थियों को पंजाबी यूनिवर्सिटी की एग्जामिनेशन ब्रांच के धक्के खाने पड़ते हैं। ऐसा ही एक मामला पंजाब के महिंदरा कॉलेज का सामने आया है। कॉलेज के बीए भाग तीसरा के विद्यार्थी तेजवीर सिंह ने अपने पेपर इंग्लिश में दिए, पर यूनिवर्सिटी द्वारा डिग्री पंजाबी में दी गई। अब इस मामले को न तो कॉलेज हल कर रहा है और न ही यूनिवर्सिटी। इस बारे में पंजाबी यूनिवर्सिटी अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के केस उनके पास 20 से ज्यादा आ चुके हैं। तेजवीर सिंह ने बताया कि उसने भाग तीसरा तक के पेपर इंग्लिश में दिए। जब यूनिवर्सिटी द्वारा भेजी गई डिग्री मिली तो उसमें मीडियम पंजाबी लिखा हुआ था। डिग्री में मीडियम की करेक्शन करवाने को पंजाबी यूनिवर्सिटी की एग्जामिनेशन ब्रांच में फाइल जमा करवाने के चार महीने बाद भी मीडियम नहीं बदला गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज द्वारा भरा एग्जामिनेशन फार्म मांगती है। दूसरी ओर कॉलेज अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने एग्जामिनेशन फार्म यूनिवर्सिटी में जमा करवा दिया था। पर यूनिवर्सिटी का कहना है कि उनके पास एग्जामिनेशन फार्म नहीं है। तेजवीर ने कहा कि दोनों विभागों के इस चक्कर में उसकी समस्या का हल नहीं हो पा रहा। अब पीयू की एग्जामिनेशन ब्रांच के अधिकारियों का कहना है कि कालेज द्वारा बीए भाग पहला या फिर तीसरे का एग्जामिनेशन फार्म जो यूनिवर्सिटी स्कैन करके भेजा गया, वो मिलने के बाद ही इसका हल होगा। पर कालेज अधिकारियों का कहना है कि यह फार्म उनके पास नहीं है। कॉलेज द्वारा एग्जामिनेशन फार्म यूनिवर्सिटी को भेज दिए गए थे। जिसके चलते फॉर्म कॉलेज में नहीं है। इसके अलावा कॉलेज द्वारा यूनिवर्सिटी को लिखित में पत्र दे दिया है कि विद्यार्थी का मीडियम इंग्लिश है। अब इससे आगे की कार्रवाई तो यूनिवर्सिटी द्वारा ही की जानी है - सिमरत कौर, कालेज प्रिंसिपल एग्जामिनेशन फार्म में विद्यार्थी का जो मीडियम भरा गया है, वही डिग्री में आएगा।

## चिराग योजना में दाखिला दिलवाने के नाम पर वसूल रहे थे सौ-सौ रुपए

**कैथल ( हिंस )।** चिराग योजना के तहत दाखिला दिलवाने के नाम पर अभिभावकों से सौ-सौ वसूलने पर थाना राजौंद पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। कैथल के जिला शिक्षा अधिकारी ने राजौंद पुलिस को इस मामले में शिकायत की थी। आरोपी अभिभावकों को चिराग योजना के तहत दाखिला दिलवाने के नाम पर बेवकूफ बना रहे थे। इसमें यह व्यक्ति उनकी कंपनी का सरकार के साथ अनुबंध होने की बात कह रहे थे। राजौंद थाना में दी गई शिकायत में जिला शिक्षा अधिकारी शमशेर सिंह सिरोही ने कहा है कि उन्हें 13 नवंबर को वॉट्सऐप के माध्यम से डीसी व निदेशालय से एक ऑडियो मिली थी। ऑडियो में सतपाल सागर और सुरजीत ने चिराग योजना के नाम पर रुपए मांगे हैं।

## अमृतसर : पासपोर्ट कार्यालय में पासपोर्ट मेला आयोजित

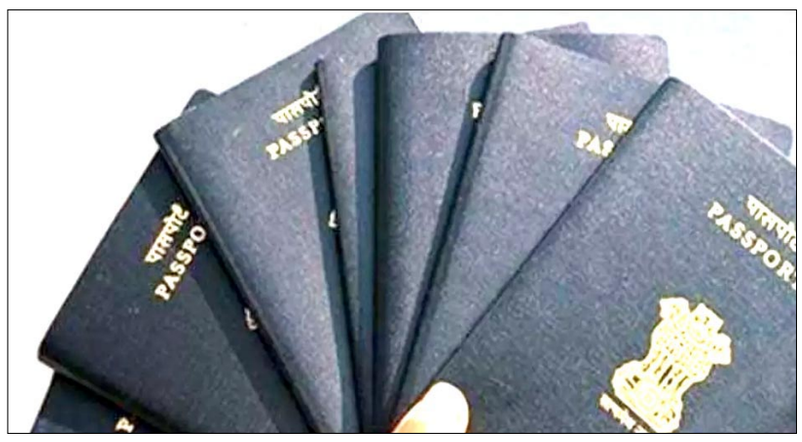

**जालंधर।** पासपोर्ट बनवाने के समय अप्वाइंटमेंट लेने में आ रही परेशानी को देखते हुए विदेश मंत्रालय की हिदायतों और चीफ पासपोर्ट अफसर टी. आर्मस्ट्रांग के निर्देशों पर जालंधर व अमृतसर में पासपोर्ट मेला लगाया गया। जालंधर में लगाए पासपोर्ट मेले में होशियारपुर, फगवाड़ा आदि जिलों के 1437 पासपोर्ट रिलीज किए गए जबकि 335 पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट दिए गए। अधिकतर आवेदन फ्रेश पासपोर्ट व तत्काल से संबंधित थे। कई आवेदक ऐसे थे, जिनके पासपोर्ट दस्तावेज पूरे न होने की वजह से पत्र जारी किए गए, ताकि 24 दिसंबर को लगने वाले पासपोर्ट मेला में वे दस्तावेज लेकर अप्लाई कर सकें। रीजनल पासपोर्ट कार्यालय ने नकोदर पासपोर्ट सेवा केंद्र, गुरु नानक मिशन चौक के नजदीक पासपोर्ट सेवा केंद्र व होशियारपुर के पासपोर्ट सेवा केंद्र में तीनों को मिलाकर 1,237 अप्वाइंमटमेंट रिलीज की गईं थी। अमृतसर के माल रोड स्थित पासपोर्ट कार्यालय में लगे पासपोर्ट मेले के दौरान टोकन प्राप्त करने के लिए लंबी कतार में लोगो ने खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया। वहीं अमृतसर पासपोर्ट मेले में अबोहर, मलोट, तरनतारन, मुक्तसर साहिब, गुरदासपुर, बटाला, फिरोजपुर और अमृतसर के विभिन्न गांवों के लोग पहुंचे। विभाग की ओर से करीब 1341 अप्वाइमेंट लोगों के लिए रखी गई थी, जिसमें से 1239 अप्वाइंटमेंट बुक हुईं। इसमें 725 के करीब नार्मल अप्वाइंटमेंट और 514 तत्काल अप्वाइमेंट लोगों ने बुक करवाई थी। इनमें से सिर्फ 889 लोग ही मेले में पहुंचे।

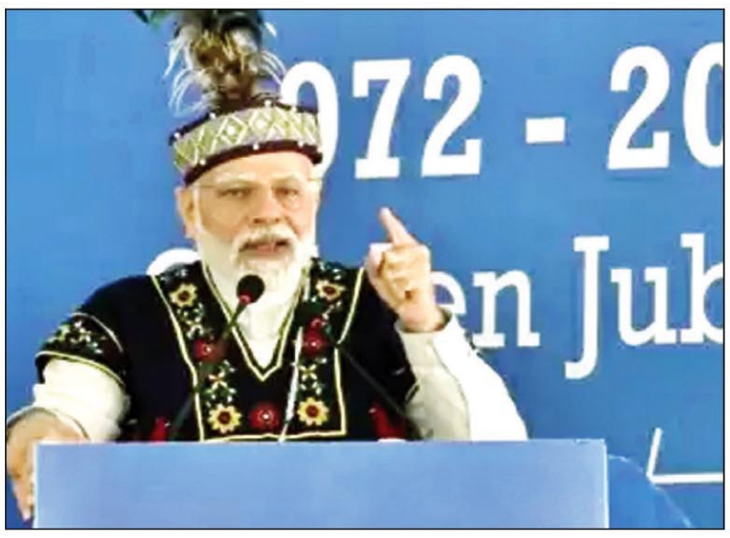

# प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए धन सृजन व शांति पर ध्यान देने का किया आह्वान

**नई दिल्ली।**
**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के विकास के लिए धन, शांति, बिजली, पर्यटन, 5जी कनेक्टिविटी, संस्कृति, प्राकृतिक खेती, खेल और क्षमता के आठ स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। शिलॉन्ग में नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल (एनईसी) की एक बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सरकार लुक ईस्ट नीति को एक्ट ईस्ट में बदलने से आगे बढ़ गई है और अब इसकी नीति एक्ट फास्ट फॉर नॉर्थईस्ट और एक्ट फर्स्ट फॉर फॉर है।**

यह बैठक एनईसी के स्वर्ण जयंती समारोह का प्रतीक है। इसका औपचारिक उद्घाटन 1972 में हुआ था। पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में एनईसी के योगदान की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह क्षेत्र दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है और पूरे क्षेत्र के विकास का केंद्र बन सकता है।

प्रधान मंत्री ने कहा, और इस क्षेत्र की इस क्षमता का एहसास करने के लिए भारतीय-म्यांमार-थाईलैंड त्रिपक्षीय राजमार्ग और अगरतला-अखौरा रेल परियोजना जैसी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। क्षेत्र में शांति पहलों की सफलता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि कई शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, अंतरराज्यीय सीमा समझौते किए गए हैं और चरमपंथ की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है।

नेट जीरो के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर जलविद्युत का पावरहाउस बन सकता है। क्षेत्र की पर्यटन क्षमता पर चर्चा करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा कि क्षेत्र की संस्कृति और प्रकृति दोनों ही दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भी पर्यटन की पहचान की जा रही है और उन्हें विकसित किया जा रहा है।

इस क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने की बात करते हुए प्रधान मंत्री ने कहा कि कई पुल परियोजनाएं जो कई दशकों से लंबित थीं, अब पूरी हो चुकी हैं। पिछले आठ वर्षों में इस क्षेत्र में हवाई अड्डों की संख्या नौ से बढ़कर 16 हो गई है, और उड़ानों की संख्या 2014 से पहले लगभग 900 से बढ़कर लगभग 1,900 हो गई है। कई पूर्वोत्तर राज्य पहली बार रेलवे मानचित्र पर आए हैं और जलमार्गों के विस्तार के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। इस क्षेत्र में 2014 के बाद से राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि पीएम-देवाइन योजना के शुभारंभ के साथ ही पूर्वोत्तर में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को और गति मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क को बढ़ाकर पूर्वोत्तर में डिजिटल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने पर भी काम कर रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### स्विगी से मंगाया 16 लाख का राशन, 'दिलदार बॉस' ने कर्मियों के लिए ऑर्डर किए 71 हजार के बर्गर

**नई दिल्ली।** ऑनलाइन ऑर्डर पर फूड डिलिवर करने वाली कंपनी स्विगी ने वर्ष 2022 में सबसे ज्यादा ऑर्डर देने वाले ग्राहकों की सूची जारी की है। यह लिस्ट स्विगी की ओर से हर साल जारी किया जाता है। इस लिस्ट से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। स्विगी की यह लिस्ट बताती है कि इस साल इस प्लेटफॉर्म पर सबसे ज्यादा ऑर्डर बिरयानी के लिए दिया गया। स्विगी की हर साल जारी होने वाली इस लिस्ट में बिरयानी पिछले सात वर्षों से नंबर एक पर है। इस लिस्ट में चौंकाने वाली कुछ और बातें हैं, जानते हैं उनके बारे में। स्विगी की ओर से जारी इस लिस्ट के अनुसार बैंगलुरु के एक व्यक्ति ने 16 लाख रुपये के ऑर्डर ग्रॉसरी आइटम ऑर्डर कर दिए। यह स्विगी प्लेटफॉर्म पर किसी भी सिंगल यूजर की ओर से ऑर्डर की गई सबसे बड़ी राशि है। ये ऑर्डर स्विगी इंस्टामार्ट पर किए गए हैं। इसके अलावे स्विगी की यह लिस्ट यह भी बताती है कि एक व्यक्ति ने एक ही ऑर्डर 75,378 रुपये का किया। जबकि एक अन्य ग्राहक ने अपने कर्मचारियों के लिए एक ही बार में 71,229 रुपये के बर्गर और फ्राइज मंगवाए। हालांकि, स्विगी इंस्टामार्ट पर किए गए 16 लाख रुपये के ऑर्डर के सामने ये राशि बहुत कम है। स्विगी की इस लिस्ट के अनुसार ग्राहकों ने इंस्टामार्ट का इस्तेमाल चाय से लेकर सब्जियां तक मंगवाने के लिए किया। कई लोगों ने तो साइट पर पेट्रोल, अंडरवियर और सोफा तक ऑर्डर करने के लिए सर्च किया, पर ये चीजें प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं थीं। स्विगी की यह लिस्ट बताती है कि प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर करीब 50 लाख किलोग्राम से अधिक के ऑर्गेनिक फल और सब्जियों का भी ऑर्डर दिया गया।

### ट्विटर यूजर्स का मार्गदर्शन करेंगे मल्टीपल एल्गोरिदम : मस्क

**नई दिल्ली।** पत्रकारों के साथ चल रहे विवाद के बीच एलन मस्क ने रविवार को कहा कि ट्विटर यूजर्स जल्द ही कई एल्गोरिदम देखेंगे, जो उनका मार्गदर्शन करेंगे कि वे अपने होमपेज की टाइमलाइन पर किस तरह के ट्वीट देखना चाहेंगे। मस्क ने यह टिप्पणी ट्विटर पर सोशल क्रेडिट सिस्टम को लागू करने के बारे में एक फॉलोअर द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में की। पुणे के उनके ट्विटर सहयोगी प्रणय पथोले के अनुसार, यूजर्स के लिए एल्गोरिदम के तीन अलग-अलग विकल्प हो सकते हैं। होम, कुछ ऐसा जो डिफॉल्ट ट्विटर एल्गोरिथम सुझाता है, जहां यूजर्स की एक्टिविटी, लेटेस्ट ट्वीट्स और आपके द्वारा फॉलो किए जाने वाले लोगों के ट्वीट के आधार पर सलाह दी जाएगी। वर्तमान में, आपकी होम टाइमलाइन आपके द्वारा ट्विटर पर फॉलो करने के लिए चुने गए अकाउंट से ट्वीट्स की एक लिस्ट प्रदर्शित करती है। आप विभिन्न प्रकार के संकेतों द्वारा संचालित कंटेट को देख सकते हैं।

### प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना : सिर्फ 436 रुपये में मिलता है दो लाख का जीवन बीमा

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार की ओर से लोगों को आर्थिक रूप मजबूत बनाने के लिए कई योजनाओं को शुरू की गई हैं। इन्हीं में से एक योजना है प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जिसमें लोगों को 436 रुपये के वार्षिक भुगतान करने पर दो लाख का बीमा दिया जाता है। इस योजना की शुरुआत 2015 में की गई थी। पीएमजेजेबीवाई में बीमाधारक को दो लाख रुपये का पूर्ण बीमा कवर मिलता है। इसका मतलब यह है कि अगर इस पॉलिसी में कवर व्यक्ति की बीमारी, दुर्घटना और किसी कारण मृत्यु होती है, तो उसके परिवार को दो लाख दिए जाएंगे। प्रधान मंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एक टर्म इंश्योरेंस प्लान है। इसका लाभ मृत्यु के बाद ही दिया जाता है। अगर इस योजना की अवधि पूरी होने तक व्यक्ति को कुछ नहीं होता है, तो उसे लाभ नहीं दिया जाता है। पीएमजेजेबीवाई के लाभ 18 से 50 साल का कोई भी व्यक्ति उठा सकता है। इस योजना में पंजीकरण के बाद आप अपनी सुविधा के अनुसार ऑटो डेबिट की सुविधा लगवा सकते हैं। सरकार की ओर से इस साल पीएमजेजेबीवाई के प्रीमियम को बढ़ाकर 436 रुपये कर दिया गया है। 2015 में योजना के शुरू होने के बाद से सात सालों तक प्रीमियम में कोई भी बदलाव नहीं किया गया था।

# किस बला का नाम है 'चैट जीपीटी' जिससे निपटना भविष्य के इंसानों के लिए होगी चुनौती

**नई दिल्ली ।**

पिछले दो दशकों से गूगल हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा है। इंटरनेट पर हर छोटी से बड़ी चीज के लिए हमें गूगल पर निर्भर रहना पड़ता है। हम किसी विषय के बारे में अपनी जिज्ञासा गूगल के सामने रखते हैं और वह पलक झपकते ही परिणाम सामने रख देता है। लंबे समय से हम उस पर निर्भर हैं। पर हम आपको बताएंगे गूगल से भी एक कदम आगे की चीज के बारे में, जिसकी इन दिनों इंटरनेट व सोशल मीडिया पर खूब चर्चा है। लोग यह भी कयास लगा रहे हैं कि यह तकनीक भी पूर्व की भांति इंसानी नौकरियों पर अपना गाज गिराएगी और एक दिन लोग इसका भी इस्तेमाल करने के आदी हो जाएंगे। आइये जानते हैं वह कौन सी तकनीक है, जो भविष्य में गूगल से भी आगे निकल सकती है

**पूरा नाम है जेनेरेटिव प्रीट्रेंड ट्रांसफॉर्मर** – बाजार में पिछले कई दिनों से जिस तकनीक की खूब चर्चा है असल में वह एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉफ्टवेयर है। इसका नाम है चैट जीपीटी यानी जेनेरेटिव प्रीट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर। इसे एनएमएस (न्यूरल नेटवर्क बेस्ड मशीन लर्निंग मॉडल) का अत्याधुनिक रूप भी माना जाता है। यह साफ्टवेयर ना केवल गूगल की तरह सर्च इंजन का काम करता है बल्कि आपकी किसी भी जिज्ञासा का बिल्कुल साफ, सटीक और तर्कसंगत जवाब मुहैया कराता है वह भी रियल टाइप में। यही कारण है कि यह सॉफ्टवेयर खासा लोकप्रिय हो रहा है। चैट जीपीटी सॉफ्टवेयर को बनाने का श्रेय सैम अल्टमैन नाम के व्यक्ति को जाता है, उन्होंने इसकी शुरुआत वर्ष 2015 में वर्तमान में दुनिया के दूसरे सबसे अमीर शख्स एलन मस्क के साथ मिलकर की थी। उस समय इस प्रोजेक्ट की शुरुआत एक नन प्रॉफिट कंपनी के रूप में की गई थी। बाद में एलन मस्क इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए थे। आगे चलकर बिल गेट्स की कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने इसमें निवेश किया और यह नन प्रॉफिट कंपनी फॉर प्रॉफिट बन गई। फिलहाल इस कंपनी की वैल्यू 20 बिलियन डॉलर है। सैम अल्टमैन की मानें तो चैट जीपीटी के एक हफ्ते से भी कम समय में दस लाख यानी एक मिलियन उपयोगकर्ता हो गए हैं। वर्ल्ड स्टेटिस्टिक्स नाम के एक ट्विटर हैंडल के अनुसार नेफ्लिक्स को यह आंकड़ा छूने में करीब साढ़े तीन साल का समय लग गया था। वहीं दस लाख उपभोक्ताओं की उपलब्धि हासिल करने में ट्विटर को दो साल और फेसबुक को 10 महीने लग गए थे। इंस्टाग्राम ने 10 लाख यूजर का आंकड़ा तीन महीने में हासिल किया था जबकि स्पॉटफाई को यह उपलब्धि हासिल करने में पांच महीने का वक्त लगा था। शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों के पेशे पर बड़ा असर डाल सकता है एआई आधारित चैट जीपीटी एक समाचारपत्र के संपादकीय में पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु और हरियाणा के सोनीपत स्थित ऋषिहुड विश्वविद्यालय के कुलपति शोभित माथुर ने इस चैट जीपीटी के बारे में लिखते हुए कहा है कि एआई चैटबॉट चैट जीपीटी ने इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है। उन्होंने अपने आलेख में बताया है कि इस एआई आधारित चैट जीपीटी सॉफ्वेयर का चलन आम होने से शिक्षकों के पेशे पर बहुत बड़ा असर पड़ेगा। इसकी चुनौती से निपटने के लिए शिक्षकों को खुद को बदलना पड़ेगा। चैट जीपीटी में प्राकृतिक भाषा को समझने और प्रभावशाली सटीकता और रचनात्मकता के साथ प्राकृतिक भाषाओं में प्रतिक्रिया देने की क्षमता है, अपनी सीमाओं के बावजूद, यह एक ही समय में रोमांचक और डरावना दोनों है।

**मनुष्यों की नकल करने वाली मशीनों का सबसे सटीक प्रदर्शन है चैट जीपीटी** – चैट जीपीटी अब तक के इतिहास में मनुष्यों की नकल करने वाली मशीनों का सबसे सटीक प्रदर्शन है, यहां तक कि कुछ मामलों यह मनुष्यों से भी बेहतर है। यह बहुत हद तक डरावनी बात है। इस चैट जीपीटी कई उद्योगों को प्रभावित कर सकता है, और सबसे पहले जिस क्षेत्र के प्रभावित होने की आशंका है वह है शिक्षण का क्षेत्र। इस सॉफ्टवेयर का चलन बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने पर होमवर्क, आलेख लेखन और कोडिंग असेसमेंट जैसी चीजें अप्रासंगिक हो जाएंगी। इस सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार आलेख किसी भी प्लेगरिज्म चेकर से चेक किया जाए उसमें समानता नहीं पकड़ पाएगा। इसके साथ ही उपलब्ध संसधनों के आधार पर यह कोडिंग करने, उनका विवरण तैयार करने और डिबगिंग करने में सक्षम होगा। ऐसे में इतना तय है कि वर्तमान समय के शिक्षकों को इस चैट जीपीटी से खुद को बेहतर साबत करने के लिए खुद को नए सिरे से इनोवेट करना पड़ेगा।

**चैट जीपीटी के चलन में आने के बाद शिक्षकों के लिए खुद को नए सिरे से ढालना चुनौती** – चैट जीपीटी के सामान्य चलन में आने के बाद वे खुद किसी क्लासरूम के विशेषज्ञ नहीं रह जाएंगे। अब तक उनके सामने सिर्फ गूगल की चुनौती थी, जो सटीक नहीं थी। अब इस नए सॉफ्टवेयर के चलन में आने के बाद उनके सामने एक ऐसा प्रतिद्वंदी होगा जो कई मामलों में उनसे भी सटीक होगा। ऐसे में भविष्य में यह एक बड़ा सवाल होगा कि यदि बच्चे एआई चैट जीपीटी के माध्यम से ही पढ़ाई कर लेंगे तो फिर शिक्षकों का क्या औचित्य रह जाएगा ऐसे में शिक्षकों के लिए यह चुनौती होगी कि वे भविष्य में ना केवल बच्चों को पढ़ाई करवाएं बल्कि उन्हें पढ़ने का उद्देश्य भी बताएं। साथ ही उन्हें यह भी बताएं कि इस पढ़ाई का महत्व क्या है और इसे कैसे करना है इसका मतलब है कि उन्हें खुद को मेटा टीचर्स के रूप में बदलना होगा। इसके लिए समुचित प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी।

## जीएसटी काउंसिल मीटिंग में व्यापारियों को बड़ी राहत

# 2 करोड़ रुपए तक की टैक्स चोरी पर अब आपराधिक मामला नहीं, एसयूवी गाड़ियों पर 22प्रतिशत सेस

**नई दिल्ली।**

गुड्स एंड सर्विस टैक्स काउंसिल की बैठक में किसी भी सामान पर टैक्स नहीं बढ़ाया गया है। इसके साथ ही जीएसटी काउंसिल ने कारोबार को सुगम बनाने के लिए आपराधिक कार्रवाई करने में ढील दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में शनिवार को काउंसिल की 48वीं बैठक ऑनलाइन हुई।

**टैक्स चोरी मामले में दी राहत** – निर्मला सीतारमण ने बताया, समय की कमी के कारण जीएसटी परिषद के एजेंडे में शामिल 15 मुद्दों में से 8 पर ही फैसला हो सका। पहले 1 करोड़ रुपए से अधिक के टैक्स चोरी मामले में आपराधिक मामले दर्ज करने की व्यवस्था थी। अब इसे 2 करोड़ रुपए कर दिया गया है।

फर्जी इनवॉइस के मामलों में यह आपराधिक कार्रवाई 1 करोड़ रुपए के बाद ही शुरू हो जाएगी। फर्जी इनवॉइस में ऐसे मामले होंगे, जिनमें माल की आपूर्ति सिर्फ कागजों तक ही सीमित रही। पान मसाला और गुटखा कारोबार में टैक्स चोरी रोकने की व्यवस्था के मामले पर चर्चा नहीं हो सकी। ऑनलाइन गेमिंग और कैसिनो पर जीएसटी लगाने पर चर्चा नहीं हो सकी।

किसी अधिकारी के दायित्व के निर्वहन में बाधा डालना या उसे ड्यूटी करने से रोकना। भौतिक साक्ष्यों के साथ जानबूझकर छेड़छाड़ करना। एसयूवी और किराएदारों के मामले में स्पष्टीकरण जीएसटी काउंसिल की मीटिंग में एसयूवी गाड़ियों की परिभाषा तय की गई है। इसके अनुसार अधिक क्षमता वाली गाड़ियों की लंबाई और 170 एमएम से अधिक के ग्राउंड क्लीयरेंस की गाड़ियों को एसयूवी कहा जाता है। मीटिंग में बताया गया है कि एसयूवी पर 28प्रतिशत जीएसटी और 22प्रतिशत सेस लगेगा। ऐसे में इस पर इफेक्टिव टैक्स रेट 50प्रतिशत हो जाएगा। परिषद ने सभी राज्यों में एक जैसी व्यवस्था के लिए कुछ स्पष्टीकरण भी जारी किए। मसलन 22प्रतिशत सेस उन्हीं वाहनों पर लागू माना जाएगा जो इन 4 शर्तों के दायरे में आएंगेइंजन क्षमता 1500 सीसी से अधिक हो। वाहन की लंबाई 4000 एमएम से अधिक हो। ग्राउंड क्लियरेंस 170 एमएम या उससे अधिक हो। बायो फ्यूल पर जीएसटी 18प्रतिशत से 5प्रतिशत किया गया वहीं बायो फ्यूल पर जीएसटी 18प्रतिशत फीसदी से घटाकर 5प्रतिशत किया गया।

## गूगल ने हटाए चीन के हजारों यूट्यूब चैनल

**नई दिल्ली।**
**गूगल ने पिछले महीने हजारों यूट्यूब चैनलों को हटा दिया, जिनमें 7,599 चैनल, 1 ऐडसेंस अकाउंट और 3 ब्लॉगर ब्लॉग शामिल हैं, जो चीन से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। ये यूट्यूब चैनल और ब्लॉग ज्यादातर म्यूजिक, मनोरंजन और लाइफस्टाइल के बारे में चीनी भाषा में स्पैम वाले कंटेट अपलोड करते थे।**

कंपनी ने कहा, चीन और अमेरिका के विदेश मामलों के बारे में चीनी और अंग्रेजी में एक बहुत छोटा सबसेट अपलोड किया गया कंटेट है।

कंपनी ने 3 यूट्यूब चैनलों को भी समाप्त कर दिया, जो चीनी भाषा में सनसनीखेज कंटेट साझा करते थे, जो यूक्रेन युद्ध और मुख्य भूमि चीन और ताइवान के बीच संबंधों के बारे में था।

कंपनी ने अजरबैजान से जुड़े समन्वित प्रभाव संचालन और ब्राजील में 57 यूट्यूब चैनलों की जांच के तहत 515 यूट्यूब चैनलों को भी समाप्त कर दिया।

गूगल ने कहा, हमने 1 ऐडसेंस अकाउंट को समाप्त कर दिया और 1 डोमेन को चीन से जुड़े समन्वित प्रभाव संचालन में हमारी जांच के भाग के रूप में प्रदर्शित होने से रोक दिया।

गूगल के स्वामित्व वाले यूट्यूब ने पिछले महीने कहा कि उसने अपनी तीसरी तिमाही (क्यू3) रिपोर्ट में अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए भारत में 1.7 मिलियन से अधिक वीडियो हटा दिए।

इसी अवधि में, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने के लिए विश्व स्तर पर 5.6 मिलियन से अधिक वीडियो हटा दिए।

## भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों ने बरसाया पैसा, दिसंबर में किया 10,555 करोड़ का निवेश

**नई दिल्ली।** भारतीय शेयर बाजार को लेकर विदेशी निवेशकों का सकारात्मक रुख जारी है। दिसंबर में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से 10,555 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। ये निवेश ऐसे समय पर किया गया है, जब अमेरिका में महंगाई के साथ कच्चे तेल की कीमत में कमी आ रही है। डिपोजिटरीज की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा 1 से 16 दिसंबर के बीच 10,555 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। पिछले महीने विदेशी निवेशकों की ओर से 36,200 करोड़ रुपये का निवेश किया गया था। इससे पहले अक्टूबर में 8 करोड़ रुपये और सितंबर में 7,624 करोड़ रुपये बाजार से निकाले थे।

# लोन लेने के लिए सिबिल स्कोर बेहतर रखना जरूरी: इसे मेन्टेन रखने के लिए समय पर ईएमआई चुकाने सहित इन 5 बातों का रखें ध्यान

**नई दिल्ली।**

कोविड लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था अब पटरी पर लौट रही है। इसके साथ ही कर्ज (लोन) की भी मांग बढ़ रही है, क्योंकि कोई अपने बिजनेस और वेंचर्स को नए सिरे से शुरू करना चाह रहा है तो कोई नया स्टार्टअप ओपन कर रहा है। इसके अलावा हर किसी को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतें पूरी करने के लिए लोन की जरूरत पड़ ही जाती है। वहीं फाइनेंस के सेक्टर में जॉब के लिए कई कंपनियों ने केंडीडेट का अच्छा सिबिल स्कोर भी जरूरी कर दिया है। ऐसे में एक अच्छा सिबिल स्कोर बनाए रखना जरूरी होता है।

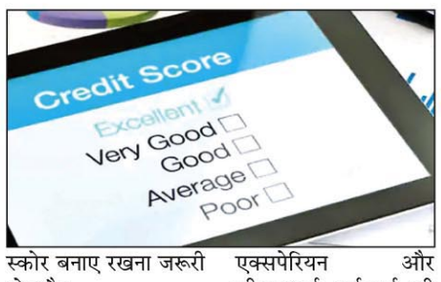


**सबसे पहले समझें कि ये सिबिल है क्या** – सिबिल (क्रेडिट इंफॉर्मेशन ब्यूरो इंडिया लिमिटेड) भारतीय रिजर्व बैंक से लाइसेंस प्राप्त क्रेडिट स्कोर की सूचना देने वाली कंपनियों में से एक है। इसके अलावा भारत में इक्विफैक्स, एक्सपेरियन और सीएफआई हाईमार्क भी क्रेडिट यानी कर्ज के बारे में जानकारी देती हैं। सिबिल स्कोर 300 से 900 के बीच तीन अंकों का एक नंबर है जो व्यक्ति की क्रेडिट हिस्ट्री दिखाता है। इससे पता चलता है कि बैंक या नॉन-बैंकिंग संस्थाओं के साथ व्यक्ति का लेनदेन कैसा रहा है। सिबिल स्कोर जनरेट करने के लिए कम से कम एक बार लोन लेना होता है। यह एक दिन में नहीं बनता, इसके लिए 18 से 36 महीने लगते हैं।

**लोन के लिए महत्वपूर्ण है सिबिल स्कोर** – लोन की प्रक्रिया में सिबिल स्कोर अहम रोल अदा करता है। ये अच्छा होता है, तो लोन अप्रूव होने में समस्या नहीं आती है और इसके कम होने पर लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। अधिकतर बैंक या फाइनेंस कंपनियां लोन देने से इंकार तक कर देती हैं। अच्छे सिबिल स्कोर से कम ब्याज पर लोन मिलने की भी संभावना रहती है।

# 3 साल में पकड़े गए 137 करोड़ मूल्य के जाली नोट, 2000 के नोट भी हुए जब्त

**नई दिल्ली।**

देश में जाली नोटों का कारोबार भी फलता-फूलता रहा है। हर साल पकड़े जा रहे करोड़ों रुपये के जाली नोट इस बात की तस्दीक करते हैं। जाली नोट न केवल आम लोगों के लिए परेशानी पैदा करते है, बल्कि सरकार और पुलिस के लिए भी इस पर रोक लगाना एक बड़ी चुनौती साबित होती है। आपको जानकर आश्चर्य हो सकता है कि पिछले 3 साल के भीतर पुलिस और सुरक्षा बलों ने 137 करोड़ रुपये मूल्य से ज्यादा के जाली नोट जब्त किए हैं। यही नहीं, पकड़े गए 2000 रुपये के नए नोटों का मूल्य भी करोड़ों में है। जाली नोटों का ज्यादातर कारोबार या तस्करी सीमा पार यानी पाकिस्तान से किया जाता है। इन्हें बॉर्डर के जरिये या फिर अन्य रास्तों से भारत में भेजा जाता है। इसे रोकना केन्द्र सरकार के लिए भी एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। हालांकि बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल और देश के अंदर पुलिस काफी हद तक जाली नोटों को पकड़ने में सफल भी हो रही है। मगर अभी भी इसको लेकर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बता दें कि केन्द्र सरकार ने नोटबंदी के दौरान दावे किए थे कि इससे जाली नोटों पर लगाम लगेगी। ऐसे में सरकार के आंकड़े खुद बताते हैं कि जाली नोटों के कारोबार पर बहुत ज्यादा अंकुश नहीं लगा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले 3 सालों के जो आंकड़े सामने रखे हैं, उसके मुताबिक सीमावर्ती क्षेत्रों सहित देश में 2019 से 2021 के दौरान 137,96,17,270 करोड़ अंकित मूल्य के जाली नोट देश में पकड़े गए हैं। साल 2021 में 3,10,066 लाख जाली नोट जब्त किए गए हैं, जिनका मूल्य 20,39,27,660 करोड़ है। वहीं 2020 में 8,34,947 लाख जाली नोट पकड़े

गए, जिनका मूल्य 92,17,80,480 करोड़ है। इसके अलावा 2019 में पकड़े गए जाली नोटों की संख्या 2,87,404 लाख थी और कुल मूल्य 25,39,09,130 करोड़ रहा।

गृह मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं, इन तीन सालों में 2000 और 500 के नोट बड़ी मात्रा में पकड़े गए। साल 2021 में 2000 के जो जाली नोट पकड़े गए हैं, उनका मूल्य 4,84,78,000 करोड़ है, जबकि 12,57,99,000 करोड़ रुपये मूल्य के 500 के नोट जब्त किए गए हैं। वहीं 2020 में 2000 रुपये के 2,44,834 लाख नोट और 2019 में 2000 के 90,566 हजार नोट पकड़े गए थे। इसके अलावा इन वर्षों में 500 के नोट भी देश के अलग अलग हिस्सों से लाखों की संख्या में जप्त किए गए हैं।

मंत्रालय का कहना है कि ये आंकड़े जाली भारतीय करेंसी नोटों (एफआईसीएन) के परिचालन के बारे में किसी विशेष पैटर्न को नहीं दर्शाते हैं। वहीं सरकार का कहना है कि जाली करेंसी के खतरे से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की आसूचना तथा सुरक्षा एजेंसियां देश में जाली करेंसी के परिचालन और तस्करी में संलिप्त तत्वों पर गहन नजर रखती हैं तथा रिपोर्ट किए गए कानून के किसी भी उल्लंघन पर कार्रवाई करती हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जाली नोटों का कारोबार रोकने के लिए कई कदम भी उठाए जा रहे हैं। सरकार के अनुसार देश में जाली करेंसी नोटों के परिचालन की समस्या से निपटने के लिए राज्य/केंद्र की सुरक्षा एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी / सूचना को साझा करने हेतु गृह मंत्रालय द्वारा जाली भारतीय करेंसी नोट समन्वय समूह (एफसीओआरडी) बनाया गया है। वहीं आतंक के वित्तपोषण तथा जाली करेंसी के मामलों की संकेंद्रित जांच करने के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) में टेरर फंडिंग एंड फेक करेंसी सेल (टीएफएफसी) का गठन किया गया है। सरकार का कहना है कि नई निगरानी प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर चौबीसों घंटे निगरानी के लिए अतिरिक्त जनशक्ति तैनात करके, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी चौकियां स्थापित कर सीमा पर बाड़ लगाकर और गहन गश्त लगाकर अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा सुदृढ़ की गई है। जाली करेंसी नोटों की तस्करी और परिचालन को रोकने और उससे निपटने के लिए भारत तथा बांग्लादेश के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। राज्यों तथा नेपाल और बांग्लादेश के पुलिस अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि उन्हें भारतीय करेंसी की तस्करी और जालसाजी के बारे में जागरूक किया जा सके।

## फॉक्सकॉन ने मुख्य आईफोन फैक्ट्री से कोविड प्रतिबंध हटाए

**सैन फ्रांसिस्को।** एप्पल आईफोन सप्लायर फॉक्सकॉन ने चीन में अपने प्राइमरी आईफोन कारखाने से कोविड-19 प्रतिबंध हटा लिया है। कंपनी के इस फैसले से कर्मचारी स्वतंत्र रूप से घूम सकेंगे। ब्लूमबर्ग ने एप्पल इनसाइडर की रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि इसका मतलब है कि कंपनी का प्वाइंट-टू-पॉइंट सिस्टम खत्म हो जाएगा, जो कर्मचारियों को उनके डॉर्म और फैक्ट्री परिसर के बीच जाने से रोकता है। इसके अतिरिक्त, फॉक्सकॉन ने अपने ऑन-साइट कैफेटेरिया को फिर से खोल दिया है और मुफ्त भोजन देना बंद कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक नियमित कर्मचारियों को प्रतिदिन 15 युआन का भुगतान करेगी लेकिन भोजन का खर्च उनके वेतन से काटा जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी उन कोविड मरीजों को फ्री भोजन देना जारी रखेगी ।

# शाहिद फर्जी से करने जा रहे ओटीटी डेब्यू

**-अगले साल फरवरी में होगी रिलीज**

**मुंबई (ईएमएस)।** बॉलीवुड के एक्टर शाहिद कपूर फर्जी से ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबर आ रही है कि शाहिद कपूर की ह्यफर्जीह्ल अगले साल फरवरी में स्ट्रीम हो सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फर्जी को फरवरी में रिलीज किए जाने के बारे में विचार किया जा रहा है। लेकिन ये बात तो तय कि शाहिद की ये सीरीज अप्रैल से पहले रिलीज हो जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक रिलीज के एक महीने पहले इस सीरीज का ट्रेलर आउट कर दिया जाएगा और साथ ही मार्केटिंग से जुड़ी प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। इस सीरीज में शाहिद कपूर के साथ विजय सेतुपति राशी खन्ना और केके मेनन भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। इससे पहले फर्जी के लॉन्च पर शाहिद कपूर ने डिजिटल डेब्यू को लेकर अपना उत्साह व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था हम फिल्मों में जो करते हैं यह उससे बहुत अलग है। मैं नर्वस हूं लेकिन उत्साहित भी हूं। मैं हमेशा से कुछ चुनौतीपूर्ण और अलग करना चाहता था। मेरे लिए यह कहानी और किरदार मेरी अब तक की हर फिल्म से मेल खाता है। मैं ऑडियंस के सामने इसे पेश करने का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं। अगर वर्क फ्रंट पर बात करें तो शाहिद कपूर फिलहाल कृति सेनन के साथ दिनेश विजान प्रोडक्शन की फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। जानकारी के मुताबिक ये फिल्म एक रोबोट आधारित रोमांटिक कॉमेडी है जो 2023 के अंत में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा शाहिद कपूर की झोली में अली अब्बास जफर निर्देशित ब्लडी डैडी भी है जो जल्द ही जियो के नए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रीमियर के लिए तैयार है। बता दें कि बालीवुड एक्टर्स के बीच मानो ओटीटी डेब्यू की जैसे होड़ ही लग गई है। एक-एक करके बॉलीवुड के कई नामी सितारे ओटीटी डेब्यू कर चुके हैं।

# कांतारा एक महान उदाहरण है: कमल हासन

**-धमाका करने वाली एक फिल्म थी कांतारा**

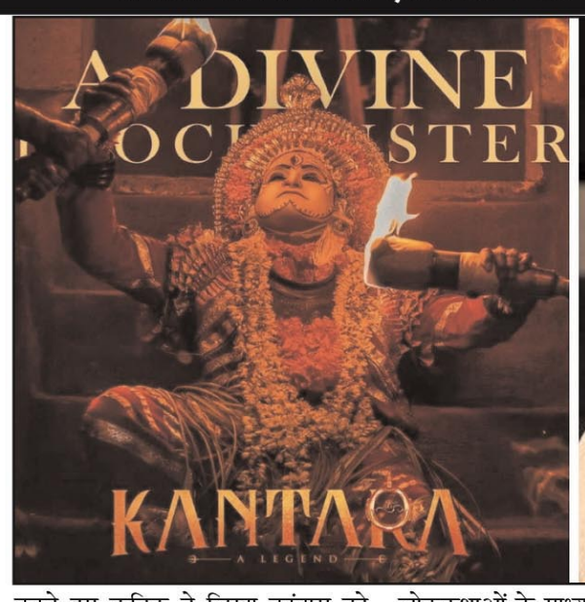

**मुंबई (ईएमएस)।** मशहूर कलाकार कमल हासन ने खुलासा किया कि 2022 में उनके दिमाग को धमाका करने वाली एक फिल्म कांतारा थी। इस फिल्म ने सितंबर में रिलीज होने के बाद से बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 450 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। एक साक्षात्कार में ऋषभ शेट्टी के निर्देशन की प्रशंसा करते हुए हासन ने कहा कांतारा एक महान उदाहरण है। मैं खुश हूं क्योंकि मैं भी कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखता हूं। इसलिए मुझे लगता है कि बादल छंट गए हैं और अधिक से अधिक लोग कर्नाटक में अलग तरह से सोच रहे हैं वह भूमि जिसने वामसा वृक्षा ओंडानोंडु कलादल्ली और काडू जैसी फिल्में दी हैं। वे दिन लौट रहे हैं यही मैं महसूस करता हूं। ऋषभ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हासन के साक्षात्कार का एक वीडियो साझा किया और लिखा धन्यवाद सर। इससे पहले बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने कहा था कि वह ऋषभ शेट्टी की कांतारा के चरम चरमोत्कर्ष से अभिभूत थे जिसे हाल ही में नेटफ्लिक्स पर हिंदी में प्रदर्शित किया गया है। ऋतिक ने अपने ट्विटर अकाउंट पर कांतारा की तारीफ की। यह फिल्म एक तेजतर्रार युवक के इर्द-गिर्द घूमती है जो अपने गांव में एक बेधडक वन अधिकारी से भिड़ जाता है जहां आध्यात्मिकता भाग्य और लोककथाएं राज करती हैं। कांतारा की अपनी समीक्षा साझा करते हुए ऋतिक ने लिखा कांतारा को देखकर बहुत कुछ सीखा। ऋषभ शेट्टी के दृढ़ विश्वास की शक्ति फिल्म को असाधारण बनाती है। बेहतरीन कहानी निर्देशन और अभिनय। चरम चरमोत्कर्ष परिवर्तन ने मेरे रोंगटे खड़े कर दिए। टीम के लिए सम्मान और यश। इसके जवाब में ऋषभ ने कहा बहुत बहुत धन्यवाद सर। अपनी फिल्म कांतारा को लेकर ऋषभ शेट्टी ने कहा कांतारा 18वीं शताब्दी में शुरू होती है और 19वीं शताब्दी तक चलती है। यह लोककथाओं की तरह है जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही है। मैं इस कहानी को लोककथाओं के माध्यम से बताना चाहता था। मुझे लगता है कि भारतीय भावनाएं देश में अच्छी तरह से प्रतिध्वनित होती हैं; इसलिए जड़ें वाली कहानियाँ अच्छी तरह से काम करती हैं। एक डांस नंबर देखने के लिए या लडने के लिए समान कहानियों वाले बहुत सारे मंच हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है। बड़े पैमाने पर तत्वों और मनोरंजन के साथ व्यावसायिक फिल्मों के लिए एक दर्शक है लेकिन एक ओवरराइड है वह अब। आज लोग जड़ वाली कहानियाँ चाहते हैं। लोग इससे जुड़ते हैं उनकी परवरिश होती है और जब तक यह जुड़ता है कांतारा जैसी और कहानियाँ काम करेंगी। गौरतलब है कि कांतारा को क्रमशः 30 सितंबर और 14 अक्टूबर को कन्नड़ और हिंदी में प्रदर्शित किया गया था। फिल्म का लेखन और निर्देशन ऋषभ शेट्टी ने किया है। होम्बेल फिल्म्स के तहत विजय किरागंदुर और चालुवे गौड़ा द्वारा निर्मित फिल्म में ऋषभ शेट्टी सप्तमी गौड़ा और किशोर कुमार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। हिंदी संस्करण ने हफ्तों में कई बॉलीवुड रिलीज को कड़ी टक्कर दी। प्रभास धनुष अनुष्का शेट्टी सिद्धांत चतुर्वेदी और शिल्पा शेट्टी सहित कई हस्तियों ने फिल्म की प्रशंसा की है।

# श्रद्धा ने फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' का वीडियो किया शेयर

**-रणबीर और श्रद्धा की अपकमिंग फिल्म का ये है टाइटल**

**मुंबई (ईएमएस)।** रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर की फिल्म का लंबे अरसे तक फिल्म के टाइटल को राज रखने के बाद आज आखिरकार इस फिल्म के टाइटल से पर्दा उठा दिया गया है। फिल्म में लीड रोल अदा कर रहीं श्रद्धा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर फिल्म के नाम का खुलासा किया है। श्रद्धा कपूर ने फिल्म तू झूठी मैं मक्कार का एक वीडियो और पोस्टर शेयर किया है। इस फिल्म में श्रद्धा और रणबीर कपूर दोनों का ही काफी अलग अंदाज देखने को मिल रहा है। वीडियो में पेपी रैप गाने के साथ दोनों किरदारों की एक झलक देखने को मिलती है। इस वीडियो को शेयर करते हुए श्रद्धा कैप्शन में लिखती हैं आखिरकार टाइटल रिलीज हो गया देखो। वीडियो शेयर करते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। रणबीर और श्रद्धा कपूर के फैन्स दोनों एक्टर्स को पहली बार एक साथ देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। अब इस मजेदार वीडियो के सामने आने से फैन्स की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। लव रंजन की ये रोमांटिक कॉमेडी फिल्म अगले साल होली पर रिलीज होने के लिए तैयार है। हाल ही में रणबीर कपूर को सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित रेड सी फिल्म फेस्टिवल में देखा गया था। ऑडियंस से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि लव रंजन की यह रोम-कॉम फिल्म इस जॉनर में उनकी आखिरी फिल्म होगी। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यह शायद मेरे द्वारा की जाने वाली आखिरी रोमांटिक कॉमेडी में से एक होगी क्योंकि अब मेरी उम्र ढल रही है। बता दें कि रणबीर कपूर और श्रद्धा कपूर पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर एक साथ नजर आने वाले हैं। इन दोनों की फिल्म का टाइटल लंबे वक्त से चर्चा का विषय बना हुआ था। फिल्म मेकर्स ने फिल्म के टाइटल से जुड़ा हिंट देकर ऑडियंस की उत्सुकता और भी बढ़ा दी थी।

# फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' के सात साल पूरे

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म 'बाजीराव मस्तानी' ने आज अपनी रिलीज के सात साल पूरे कर लिये। रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण अभिनीत यह फिल्म आज ही के दिन यानी 18 दिसंबर, 2015 को रिलीज हुई थी। फिल्म के सात साल पूरे होने की खुशी में भंसाली प्रोडक्शन ने फिल्म के कुछ सीन्स का एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करते हुए इसका जश्न मनाया है। वीडियो में फिल्म के तीनों लीड एक्टर्स की झलक है। इस फिल्म में रणवीर सिंह - बाजीराव, प्रियंका चोपड़ा बाजीराव की पहली पत्नी काशीबाई और दीपिका पादुकोण बाजीराव की दूसरी पत्नी मस्तानी के किरदार में नजर आई थीं। फिल्म में रणवीर सिंह, प्रियंका चोपड़ा और दीपिका पादुकोण के अलावा तन्वी आजमी, मिलिंद सोमन, रजा मुराद, आयुष टंडन, महेश मांजेरकर आदि भी महत्वपूर्ण भूमिका में थे। इस फिल्म के गाने से लेकर फिल्म के सभी पात्र और कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही।

# एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा कर रही लाखों दिलों पर राज

**-इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर फिल्मों आई**

**मुंबई (ईएमएस)।** सुपहिट फिल्म कांतारा में लीला का किरदार का किरदार निभाकर एक्ट्रेस सप्तमी गौड़ा इन दिनों लाखों दिलों पर राज कर रही हैं। फैंस उनकी अदायगी और सादगी दोनों के ही मुरीद हो गए हैं। फिल्मों के साथ-साथ वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। असल जिंदगी में वो काफी सिंपल लाइफ जीना पसंद करती हैं। सप्तमी का जन्म बेंगलुरु में हुआ था। उनके पिता उमेश एसके डूडी और मां शांता मदैया हैं। कांतारा फेम एक्ट्रेस ना केवल एक बेहतरीन अदाकारा हैं बल्कि वो नेशनल लेवल की स्विमर भी हैं। इसी वजह से तो उनकी फिटनेस भी कमाल की है। ऋषभ शेट्टी को इस फिल्म के लिए किसी नए चेहरे की तलाश थी। वहीं जब उन्होंने गूगल पर सर्च किया तो वहां डायरेक्टर और एक्टर को सप्तमी की प्रोफाइल मिली। उन्होंने उनसे कॉन्टेक्ट किया और ऑडिशन लिया। फिर उन्हें इसके लिए सेलेक्ट कर लिया गया। आज वो दुनियाभर में फेमस हो गई हैं। उनकी काफी पॉपुलैरिटी हो गई है। सप्तमी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो यहां पर खुद से जुड़े अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। यहां उनकी सादगी भरी तस्वीरें आपको देखने के लिए मिल जाएंगी जिस हर कोई खूब पसंद करेगा। फिल्म की सक्सेस के बाद एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया था कि कांतारा की सक्सेस के बाद भी उनकी पर्सनल लाइफ में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वो आज भी घर के सारे काम करती हैं। जैसे कि पहले करती थीं। बता दें कि सप्तमी गौड़ा ने फिल्म में ऋषभ शेट्टी की गर्लफ्रेंड लीला का रोल प्ले करके काफी पॉपुलैरिटी हासिल कर ली है। ऐसे में उनके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे कि वो उनके पिता अस्सिटेंट पुलिस कमिश्नर हैं और एक्ट्रेस ने भी सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है।

# दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की फिल्म 'मेरा नाम जोकर' की रिलीज के 52 साल पूरे

बॉलीवुड में 'चिंटू' के नाम से मशहूर अभिनेता ऋषि कपूर आज हमारे बीच बेशक नहीं है, लेकिन उन्हें भूलना हर किसी के लिए असंभव है। ऋषि कपूर के लिए आज का दिन यानी 18 दिसंबर बहुत खास था क्योंकि आज ही के दिन उनकी बॉलिवुड में डेब्यू 'मेरा नाम जोकर' रिलीज हुई थी। आज इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 52 साल पूरे कर लिये हैं। अगर आज ऋषि कपूर जीवित होते तो वो भी आज इंडस्ट्री में अपने 52 पूरे कर लेते। ऋषि कपूर ने बॉलीवुड में अपने अभिनय की शुरूआत फिल्म 'मेरा नाम जोकर' से की, जो आज ही के दिन यानी 18 दिसंबर, 1970 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उन्हें अपने पिता राज कपूर के साथ अभिनय करने का अवसर मिला था। इस फिल्म में ऋषि कपूर ने राजकपूर के बचपन का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके किरदार का नाम राजू था। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट चाइल्ड आर्टिस्ट के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। फिल्म में ऋषि के अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही। हालांकि इससे पहले ऋषि कपूर अपने पिता राजकपूर की फिल्म 'श्री 420' के एक गाने में छोटी सी भूमिका में नजर आ चुके थे। फिल्म मेरा नाम जोकर की सफलता के बाद 1973 में आई फिल्म 'बॉबी' से ऋषि ने बतौर अभिनेता अपने अभिनय की शुरूआत की और लगातार एक के बाद एक कई हिट फिल्में दी। लगभग चार दशक से ज्यादा समय तक बॉलीवुड में राज करने वाले ऋषि कपूर ने हर किसी के दिल को बखूबी जीता और दर्शकों के दिलों में अपनी खास पहचान बनाई। अपनी जिंदादिली के कारण जाने जाने वाले ऋषि कपूर की तबीयत ज्यादा बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने 30 अप्रैल, 2020 को अंतिम सांस ली।

# अंकिता लोखंडे ने धारावाहिक 'पवित्र रिश्ता' से बनाई घर-घर में पहचान

टेलीविजन जगत से लेकर फिल्मों तक का सफर तय करने वाली खूबसूरत अभिनेत्री अंकिता लोखंडे का जन्म 19 दिसंबर, 1984 को इंदौर के एक मराठी परिवार में हुआ था। अंकिता को शुरूआत से ही अभिनय में रुचि थी इसलिए अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने मुंबई का रुख किया और पूरी मेहनत लगन से अपना करियर बनाने में लग गई। अंकिता ने साल 2007 में जीटीवी के टैलेंट शो 'इंडियाज बेस्ट सिनेस्टार की खोज' की कंटेस्टेंट के रूप में अपने करियर की शरूआत की। इसके बाद साल 2009 में वह जीटीवी के मशहूर धारावाहिक पवित्र रिश्ता में लीड रोल में नजर आईं। इसमें अर्चना के किरदार में उनके अभिनय को दर्शकों ने काफी पसंद किया और वह घर-घर में मशहूर हो गईं। इसी धारावाहिक के सेट पर अंकिता की मुलाकात दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत से हुई। वह इस धारावाहिक में अंकिता के अपोजिट लीड रोल में थे। अंकिता और सुशांत की गिनती टेलीविजन की दुनिया के सबसे मशहूर और परफेक्ट कपल में होती थी। सीरियल में काम के दौरान दोनों ने एक दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था। छह साल के रिलेशनशिप के बाद साल 2016 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। उसके बाद सुशांत का नाम अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के साथ और अंकिता का नाम बिजनेसमैन विक्की जैन के साथ जुड़ने लगा। विक्की जैन को लगभग तीन साल डेट करने के बाद अंकिता ने 14 दिसंबर, 2021 को उनसे शादी कर ली। अंकिता टेलीविजन जगत की उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जिन्होंने अपनी मेहनत की बदौलत टीवी से लेकर फिल्मी दुनिया का सफर तय किया है। फिल्म मणिकर्णिका द क्वीन ऑफ झांसी और बाघी 3 में दर्शकों ने उनके अभिनय को काफी पसंद किया। अंकिता सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं और फैन फ्लोइंग की संख्या लाखों में हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अंकिता जल्द ही फिल्म 'स्वतंत्रता वीर सावरकर' में अभिनय करती नजर आएंगी।

## सूडोकु नवताल- 6553

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 9 | | | | 4 | | | |
| 8 | 4 | | | 6 | | 9 | | 5 |
| 5 | | 6 | 8 | 2 | | 3 | | |
| | 1 | 5 | 6 | 3 | | | 9 | 7 |
| | | | | | | | | |
| 3 | 6 | | | 9 | 7 | 1 | 4 | |
| | | 1 | | 4 | 8 | 7 | | 6 |
| 9 | | 4 | | 7 | | | 2 | 1 |
| | | | 2 | | | | 8 | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -6552 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 5 | 4 | 7 | 3 | 2 | 6 | 1 | 9 |
| 6 | 7 | 1 | 9 | 5 | 4 | 3 | 2 | 8 |
| 2 | 9 | 3 | 8 | 6 | 1 | 7 | 5 | 4 |
| 4 | 3 | 9 | 2 | 1 | 7 | 8 | 6 | 5 |
| 5 | 6 | 2 | 3 | 8 | 9 | 4 | 7 | 1 |
| 7 | 1 | 8 | 6 | 4 | 5 | 9 | 3 | 2 |
| 3 | 2 | 6 | 5 | 9 | 8 | 1 | 4 | 7 |
| 9 | 4 | 7 | 1 | 2 | 6 | 5 | 8 | 3 |
| 1 | 8 | 5 | 4 | 7 | 3 | 2 | 9 | 6 |

## शब्द पहेली - 7617

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | 3 | ■ | 4 | 5 | | 6 |
| | ■ | 7 | | 8 | | | ■ | |
| 9 | 10 | ■ | ■ | | ■ | ■ | 11 | |
| 12 | | ■ | 13 | | 14 | ■ | 15 | |
| ■ | 16 | | | ■ | 17 | | | ■ |
| 18 | | ■ | 19 | 20 | | ■ | 21 | 22 |
| 23 | | ■ | ■ | | ■ | ■ | 24 | |
| | ■ | 25 | 26 | | 27 | 28 | ■ | |
| 29 | | | | ■ | 30 | | | |

### बाएँ से दाएँ

1. घूमना-फिरना-4
4. पक्षियों का शोर-4
7. धोखाधड़ी, मक्कारी-5
9. भस्म, खाक -2
11. आज्ञापालक, कर्मचारी-2
12. मगन, लीन-2
13. नेत्रावरण-3
15. त्याग, दक्षिणा-2
16. जीभ, जिव्हा-3
17. मक्खन-3
18. पेड़ का मध्य व मोट भाग-2
19. गर्भ-3
21. निवास, रहना-2
23. भाग्य (अंग्रेजी-2)
24. पानी, नीर-2
25. इच्छा पूर्ति करना-5
29. एक मुस्लिम महीना-4
30. भाग्य, नसीब-4

### ऊपर से नीचे

1. अनबन, झगड़ा-4
2. भालू-2
3. परिणाम-2
4. प्याला-2
5. बालों का गुच्छा-2
6. वर, इच्छापूर्ति-4
8. नीरज, जलज-3
10. भयानक-5
11. दयालु-5
13. आश्रय, शरण-3
14. करिश्मा, करतब-3
18. तहखाना-4
20. मगरमच्छ-3
22. शलवार, पायजामा-4
25. आनंद-2
26. झुका हुआ-2
27. पत्र, चिट्ठी-2
28. नासिका, घ्राणेंद्रिय-2

**शब्द पहेली -7616 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | ल | बा | दा | ■ | स | ल | वा | र |
| प | ■ | ■ | न | सी | ब | ■ | ■ | त |
| ल | ■ | र | वी | ■ | क | ल | ■ | ज |
| क | म | त | र | ता | ■ | त | म | गा |
| ■ | द | ■ | ता | ■ | रा | ■ | ग | ■ |
| म | न | का | ■ | मो | ह | त | र | मा |
| र | ■ | ला | र | ■ | दे | र | ■ | म |
| ह | ■ | ■ | प | र | ख | ■ | ■ | ला |
| म | र | घ | ट | ■ | ना | पा | क | ■ |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# लाइव फुटबॉल मैच में बवाल, हुड़दंगों ने बाल्टी से गोलकीपर का सिर फोड़ा

**मेलबर्न।**

फुटबॉल मैच में खिलाड़ियों के बीच लड़ाई आम बात है। सिर्फ खिलाड़ियों के बीच नहीं, बल्कि टीमों के कोच और सपोर्ट स्टाफ भी मैदान में लड़ाई हो जाती है। हालांकि, हमने कई ऐसे मौके देखे हैं जब फैन्स मैदान में घुस जाते हैं और बवाल हो जाता है। इस हुड़दंग में कई जानें जाती हैं। कई बार तो फैन्स खिलाड़ियों पर हमला कर देते हैं। इसका सबसे ताजा उदाहरण ऑस्ट्रेलियन-ए लीग है। मेलबर्न विक्ट्री और मेलबर्न सिटी के हुए मैच में फैन्स मैदान में घुस गए और उन्होंने बाल्टी से गोलकीपर का सिर फोड़ दिया। सिक्योरिटी गार्ड्स ने उस घायल गोलकीपर को बाहर निकाला। इसका वीडियो भी सामने आया है।

दरअसल, सिटी और विक्ट्री के बीच मैच में विक्ट्री के फैन्स ने एक फ्लेयर (धुएं वाली छड़ी) सिटी के गोलपोस्ट के पास फेंक दी। इस पर मेलबर्न सिटी के गोलकीपर टॉम ग्लोवर ने फ्लेयर को वापस फैन्स को ओर फेंक दिया। इस पर फैन्स भड़क गए और उन्होंने बैरिकेडिंग तोड़ते हुए और सुरक्षाकर्मियों को धक्का देते हुए मैदान में घुस गए। उन सब ने ग्लोवर पर हमला कर दिया। इनमें से एक हुड़दंगी ने गोल के पीछे रखी चूने से भरी बाल्टी को ग्लोवर के सिर पर दे मारा। इससे उनके आंख के ऊपर वाले हिस्से से खून निकलने लगा।

इस हुड़दंग के बाद मैच को रोक दिया गया। फैन्स ने ग्लोवर पर मुक्के भी बरसाए। किसी तरह सुरक्षाकर्मियों ने ग्लोवर को मैदान से बाहर निकाला। कुछ देर बाद मैच को रद्द कर दिया गया। मेलबर्न सिटी ने बाद में बताया कि ग्लोवर का इलाज चल रहा है। इस घटना का वीडियो थोड़ी देर में वायरल हो गया। सोशल मीडिया यूजर्न ने फैन्स के इस बर्ताव की कड़ी आलोचना की है।

यह घटना दरअसल, उस विरोध का हिस्सा है जो मेलबर्न के फैन्स दर्ज कराने के लिए स्टेडियम पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलियन ए लीग के अधिकारियों ने अगले तीन साल के लिए ग्रैंड फाइनल सीरीज की मेजबानी सिडनी को सौंप दी है। इस पर मेलबर्न सिटी और विक्ट्री के फैन्स विरोध कर रहे थे। इसी के तहत उन्होंने फ्लेयर मैदान पर फेंका। हालांकि, गोलकीपर ने फ्लेयर उठाकर वापस फैन्स की ओर फेंक दिया। इससे बवाल और बढ़ गया।

## न्यूज ब्रीफ

### एक खराब सत्र ने हमारी संभावनाओं को खत्म कर दिया : रसेल डोमिंगो

**चटगांव।** बांग्लादेश के मुख्य कोच रसेल डोमिंगो ने इस बात पर अफसोस जताया कि रविवार को जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में पहले टेस्ट में भारत के हाथों 188 रन की हार के दौरान मेजबान टीम का बल्ले से एक सत्र बहुत खराब रहा। मैच में, बांग्लादेश को पहली पारी में सिर्फ 150 रन पर ऑलआउट कर दिया गया था, जो 513 रनों का पीछा करते हुए दूसरी पारी में 324 रनों पर ढेर होने से पहले 254 रन बनाकर अच्छी स्थिति में थे। उन्होंने कहा, ऐसे बड़े लक्ष्यों का पीछा करना आसान नहीं होता। हम जानते हैं कि भारत एक अच्छी टीम है लेकिन एक बार फिर से बल्ले से एक खराब सत्र ने इस टेस्ट मैच में हमारी संभावनाओं को खत्म कर दिया। मुझे पता है कि 400 एक अच्छा स्कोर है लेकिन चटगांव में यह बनाया जा सकता है। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ऐसा कहना सही नहीं कि हम पहली पारी में 150 रन पर ऑलआउट होने से मैच हार गए। बल्लेबाजों ने खराब शॉट खेले, जो मेरे लिए सबसे निराशाजनक बात है। अब, ढाका में 22 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के साथ, डोमिंगो बांग्लादेश के शीर्ष क्रम में आत्मविश्वास की कमी को लेकर चिंतित है, जहां दूसरी पारी में जाकिर हसन का शतक एकमात्र अच्छी पारी थी। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर शीर्ष क्रम में आत्मविश्वास की कमी है, इसमें कोई संदेह नहीं है। एक युवा खिलाड़ी (जाकिर हसन) जिन्होंने हमारे लिए पहले कोई टेस्ट नहीं खेला है और वह इस समय आत्मविश्वास से भरे हुए हैं। हमें दिखाया कि कैसे खेलना है। वह घरेलू मैचों में अच्छा प्रदर्शन कर टीम में आए हैं। उन्होंने आगे कहा, बाकी खिलाड़ियों का आत्मविश्वास निश्चित रूप से इस समय बहुत कम है और इससे बाहर निकलने के लिए कोई रास्ता नहीं मिल रहा है। इस समय शीर्ष पांच या छह खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

### एलपीएल ने मुझे कप्तानी को समझने में मदद की : वानिंदु हसरंगा

**कोलंबो।** कई पूर्व और विदेशी खिलाड़ियों ने युवा घरेलू खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा

दिखाने का अवसर देने के लिए लंका प्रीमियर लीग की सराहना की। उनका यह भी मानना है कि यह वानिंदु हसरंगा जैसे युवा खिलाड़ियों को अपनी कप्तानी और कौशल भी दिखाने का मौका दे रहा है। वानिंदु हसरंगा 704 की रेटिंग के साथ आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में नंबर 1 गेंदबाज हैं। उन्होंने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) 2022 में भी इतिहास रचा, क्योंकि वह टूर्नामेंट में हैट्रिक लेने वाले पहले खिलाड़ी बने। हसरंगा ने कोलंबो स्टार्स के खिलाफ यह मुकाम हासिल किया और अपनी टीम कैंडी फाल्कन्स को भारी जीत दिलाई। हसरंगा लंका प्रीमियर लीग के पिछले सीजन में भी 17 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। एक देश जिसने मुरलीधरन और हेराथ जैसे स्पिनरों को जन्म दिया है। श्रीलंका में एक बार फिर विश्व स्तर की प्रतिभा दिखाई दे रही है। लंका प्रीमियर लीग में, वह कैंडी फाल्कन्स फ्रेंचाइजी के कप्तान हैं। टीम ने खेले गए 6 मैचों में से 5 में जीत हासिल की है और तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

### महिला आईपीएल खिलाड़ियों के लिए अच्छा साबित होगा : एलिसे पेरी

**मुंबई।** ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख ऑलराउंडर एलिसे पेरी का मानना है कि महिला इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महिला क्रिकेटरों के लिए बेहतर साबित होगी और यह टूर्नामेंट महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) और द हंड्रेड की तहर अच्छा कर सकता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में 2023-2027 की अवधि के लिए महिला आईपीएल मीडिया अधिकार देने के लिए निविदा जारी की थी, जो 31 दिसंबर तक खरीद के लिए उपलब्ध है। महिला आईपीएल का पहला सीजन मार्च 2023 से शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा, कभी भी प्रशंसकों ने इतने बड़े पैमाने पर किसी भी टीम का समर्थन नहीं किया था, जैसे उन्होंने भारतीय पारी में किया था। मेरे लिए यह आश्चर्यजनक है। आईपीएल अद्भुत और जबरदस्त होने जा रहा है। एलिसे ने कहा, (महिला आईपीएल) महिलाओं के खेल के लिए बेहतर कदम होगा। हमने देखा है कि डब्ल्यूबीबीएल ने ऑस्ट्रेलिया में महिला क्रिकेट के लिए क्या किया है, इंग्लैंड में द हंड्रेड और अगला कदम महिला आईपीएल है। एलिसे अक्टूबर 2021 के बाद ऑस्ट्रेलिया के टी20 प्लेइंग इलेवन में एक नियमित खिलाड़ी नहीं थी, महिला एशेज और बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान वह बाहर रहीं। भारत के खिलाफ खेले गए चार टी20 मैचों में एलिसे ने दो विकेट लिए हैं और 75 और नाबाद 72 रनों की तूफानी पारियां खेली हैं।

### भारत ने बांग्लादेश से पहला टेस्ट जीता

# इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में दूसरे नंबर पर पहुंचा

**चट्टोग्राम।**

भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट 188 रनों से जीत लिया है। टीम ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। जीत के हीरो चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा रहे। कुलदीप प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 40 रन बनाने के साथ दोनों पारियों में 8 विकेट चटकाए। जबकि पुजारा ने पहली पारी में 90 और दूसरी पारी में नाबाद 102 रन बनाए। इस जीत के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल के तीसरे नंबर पर आ गई थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने साउथ-अफ्रीका को टेस्ट मैच में हरा दिया। इससे भारत पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर आ गया है। उसके नाम 57.77प्रतिशत अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया 76.92प्रतिशत पॉइंट्स के साथ पहले और साउथ अफ्रीका 54.54प्रतिशत पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है। भारत ने 13 में से 7 मैच जीते हैं। जबकि 2 ड्रॉ रहे हैं। टीम को 4 मैचों में पराजय का मुंह देखना पड़ा है। पहले आखिरी दिन का खेल...मेजबानों ने डेढ़ घंटे में 4 विकेट गंवाए 5वें दिन के पहले सेशन में मेजबान टीम ने डेढ़ घंटे के खेल में 52 रन बनाने में आखिरी 4 विकेट गंवा दिए। मोहम्मद सिराज ने मेहदी हसन मिराज (13) को उमेश यादव के हाथों कैच कराके टीम को दिन की पहली सफलता दिलाई। उसके बाद कुलदीप ने अर्धशतक जमा चुके बांग्लादेशी कप्तान शाकिब अल हसन (84) को बोल्ड कर दिया। इसी ओवर में कुलदीप ने इबादत हुसैन को भी शून्य पर आउट कर दिया। बचा हुआ

आखिरी विकेट अक्षर पटेल ने लिया। उन्होंने तैजुल इस्लाम (4) को बोल्ड किया। अक्षर को 4 विकेट मिले। कुलदीप यादव ने 3 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, उमेश यादव और रविचंद्रन अश्विन के हिस्से एक-एक विकेट आए। पूरे मैच का हाल... 513 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही बांग्लादेशी टीम दूसरी पारी में रविवार को 324 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत ने पहली पारी में 404 रन बनाए थे। जवाब में बांग्लादेश की पहली पारी 150 पर सिमट गई थी। फिर टीम इंडिया ने दूसरी पारी 258/2 के स्कोर पर घोषित कर दी थी।

**ऐसे गिरे बांग्लादेश के विकेट**

पहला : 47वें ओवर की पहली गेंद पर शान्तो आउट हुए। उमेश की बॉल पर कोहली से छूटने के बाद पंत ने दूसरे प्रयास में कमाल का कैच पकड़ा। दूसरा : अक्षर पटेल ने 50वें ओवर की आखिरी बॉल पर यासिर अली को बोल्ड कर दिया। यासिर 5 रन ही बना सके थे। तीसरा : 69वें ओवर में कुलदीप यादव ने लिटन दास (19) को उमेश यादव के हाथों कैच कराया। चौथा : जाकिर हसन को अश्विन ने 79वें ओवर में कोहली के हाथों कैच कराया। अश्विन को इस मैच का पहला विकेट मिला। पांचवां : 88वें ओवर में अक्षर ने मुश्फिकुर रहीम (23) को बोल्ड कर दिया। छठा : रहीम के बाद अक्षर ने नुरुल हसन को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। सातवां : 105वें ओवर में सिराज ने मेहदी हसन मिराज (13 रन) को उमेश के हाथों कैच कराया। मिराज ऑफ स्टंप के पास की लेंथ बॉल को खेलना चाहते थे। लेकिन, पॉइंट की दिशा में कैच हुए। आठवां : कप्तान शाकिब अल हसन को कुलदीप यादव ने 111 ओवर की आखिरी बॉल पर क्लीन बोल्ड कर दिया। नौवां : इबादत हुसैन को कुलदीप ने श्रेयस अय्यर के हाथों कैच कराया। दसवां : अक्षर ने तैजुल इस्लाम को बोल्ड कर दिया।

**चौथा दिन...दूसरी पारी में बांग्लादेश ने गंवाए 6 विकेट** - मुकाबले के चौथे दिन शनिवार को स्टंप्स तक बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 272 रन बनाए थे। भारत की ओर से अक्षर पटेल ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए हैं। उमेश यादव, रविचंद्रन अश्विन और कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला। बांग्लादेश की टीम 513 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही है।

**तीसरा दिन...टीम इंडिया ने दिया 513 का लक्ष्य** - टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी 258/2 पर घोषित की। भारत की ओर से 2 शतक आए। ओपनर शुभमन गिल ने 110 रन बनाए। जबकि चेतेश्वर पुजारा ने 102 रनों की नाबाद पारी खेली। विराट कोहली 19 रन बनाकर पुजारा के साथ नाबाद लौटे। पुजारा ने 51 पारियों और तीन साल 11 महीने बाद टेस्ट में शतक जमाया। जैसे ही पुजारा का 19वां शतक पूरा हुआ, कप्तान केएल राहुल ने पारी की घोषणा कर दी। मैच की पहली पारी में बांग्लादेशी टीम 150 रन पर ऑलआउट हुई। कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज ने तीन विकेट हासिल किए। उमेश यादव और अक्षर पटेल को 1-1 विकेट मिला। टीम इंडिया को पहली पारी में 254 रनों की बढ़त मिली थी। यहां उसके पास मेजबानों को फॉलोऑन खिलाने का मौका था, लेकिन भारतीय कप्तान केएल राहुल ने बैटिंग करने का फैसला किया। भारत ने पहली पारी में 404 रन बनाए थे।

दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में भारत के 404 रनों के स्कोर के जवाब में बांग्लादेश ने 8 विकेट पर 133 रन बनाए थे। भारत के लिए लेफ्ट आर्म चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए थे।

### करीबी मुकाबले में जीता ऑस्ट्रेलिया

# इंडिया विमेन को चौथे टी-20 में हराया; रिचा घोष ने 19 बॉल में 40 रन बनाए

**मुंबई।**

ऑस्ट्रेलिया विमेन क्रिकेट टीम ने इंडिया विमेन को रोमांचक मुकाबले में 7 रन से हरा दिया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में 5 टी-20 की सीरीज का चौथा मैच जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 3-1 की बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया विमेन से मिले 189 रन के टारगेट के सामने इंडियन टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 181 रन ही बना सकी। पहली पारी में 47 रन और दूसरी पारी में 2 विकेट लेने वाली ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। भारत के लिए रिचा घोष ने 210 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 40 रन बनाए। लेकिन, वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकी। टीम इंडिया को एक समय जीत के लिए 24 बॉल में 53 रन की जरूरत थी। 17वें ओवर में 12 और 18वें ओवर से 3 ही रन आए। 19वें ओवर की पहली 3 बॉल पर रिचा घोष ने 2 छक्के और एक चौका जड़ दिया। लेकिन, आखिरी 3 बॉल पर 2 ही रन आए। अब लास्ट 6 बॉल पर 20 रन की जरूरत थी।

मीगन शट के इस ओवर में दीप्ति शर्मा और रिचा घोष 12 रन ही बना सकी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने 7 रन मुकाबला जीत लिया। सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला 20 दिसंबर को मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के 20 ओवर में 3 विकेट पर 188 रन बनाए। तीसरे टी-20 में 75 रन बनाने वाली एलिस पैरी ने चौथे मैच में भी फिफ्टी लगाई। उन्होंने 42 बॉल में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 72 रन बनाए। बाकी बैटर्स में ओपनर एलीसा हिली ने 21 बॉल पर 30 रन बनाए। रनिंग में दिक्कतों के बाद वह रिटायर होकर पवेलियन चली गईं। एशले गार्डनर ने 27 बॉल पर 3 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 42 रन और ग्रेस हैरिस ने 12 बॉल पर 4 छक्कों और एक चौके की मदद से 27 रन बनाए। बेथ मूनी 2 और ताहीलिया मैक्ग्रा 9 रन बनाकर आउट हुईं। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने 2 और राधा यादव ने एक विकेट लिया। 189 रन के विशाल टारगेट का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को तीसरे ही ओवर में पहला झटका लगा। स्मृति मंधाना 10 बॉल में 16 रन बानकर आउट हो गईं। पावरप्ले के आखिरी ओवर में ओपनर शेफाली वर्मा भी 20 रन पर आउट हो गई। 7वें ओवर में टीम के 49 रन के स्कोर पर जेमिमा रोड्रिग्ज भी चलती बनीं।

# भारत बना ब्लाइंड टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का चैंपियन: लगातार तीसरी बार उठाया खिताब; सुनील रमेश और अजय कुमार के शतक

**मुंबई।**

भारत की ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने लगातार तीसरी बार ब्लाइंड टी-20 क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। टीम इंडिया ने फाइनल में बांग्लादेश ब्लाइंड क्रिकेट टीम को 120 रन से हराया। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 277 रन बनाए थे। 278 रन के टारगेट का पीछा करते बांग्लादेश की टीम 157 रन ही बना सकी।

**कप्तान अजय और सुनील ने जड़े शतक** - भारत के लिए सुनील रमेश ने 63 गेंद में 24 चौकों से 136 और कप्तान अजय कुमार रेड्डी ने 50 गेंद पर 18 चौकों से 100 रन बनाए। 29 रन के स्कोर पर दूसरा विकेट गिरने के बाद दोनों ने भारत की पारी संभाली। उन्होंने मिलकर 248 रन की पार्टनरशिप की। दोनों ने नॉटआउट रहकर पहली पारी खत्म की।

**भारतीय गेंदबाजों के आगे पस्त बांग्लादेशी** - 278 रन के टारगेट का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 3 विकेट खोकर भी 157 रन ही बना सकी। टीम इंडिया के लिए ललित मीना और अजय कुमार ने 1-1 विकेट लिया। एक विकेट रन

आउट के रूप में गिरा। टीम इंडिया पूरे वर्ल्ड कप में एक भी मैच नहीं हारी। उन्होंने सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को 207 रन से हराया था। वहीं, बांग्लादेश की टीम श्रीलंका को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में पहुंची थी।

**लगातार तीसरा वर्ल्ड कप जीता** - मेजबान भारत ने तीसरी बार ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप जीता। टीम इंडिया ने इससे पहले 2012 और 2017 में खिताब उठाया था। 2024 का ब्लाइंड टी-20 वर्ल्ड कप पाकिस्तान में खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम इस बार वीजा दिक्कतों के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल सकी थी।

**तीन कैटेगरी में मिले प्लेयर ऑफ द सीरीज** - फाइनल खत्म होने के बाद भारत के सुनील रमेश को बी3 कैटेगरी में प्लेयर ऑफ द सीरीज दिया गया। वहीं, बी1 कैटेगरी में बांग्लादेश के मोहम्मद महमुद रशीद और बी2 कैटेगरी में भारत के कप्तान अजय कुमार को प्लेयर ऑफ द सीरीज दिया गया।

# बिहार के शीतलपुर के प्रत्येक घर में है फुटबॉलर, बन गया फुटबॉल गांव

**मुंगेर।**

पूरा विश्व भले ही फीफा वर्ल्ड कप को लेकर दिवाना बना है और खिलाड़ियों में वर्ल्ड कप जीतने का जुनून भी दिख रहा है, लेकिन ऐसा नहीं है कि फुटबॉल के प्रति जोश और जुनून सिर्फ यहीं दिख रहा है। बिहार के मुंगेर जिला के एक गांव में भी फुटबॉल को लेकर जोश और जुनून कम नही है। फुटबॉल के प्रति इस गांव की दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस गांव के प्रत्येक घर में एक फुटबॉलर है, जो सुबह होते मैदान में पहुंच जाते है और घंटों पसीना बहाते हैं। मुंगेर जिले के सदर प्रखंड क्षेत्र का शीतलपुर ऐसा गांव है जहाँ 10 वर्ष के बच्चे से लेकर 35 वर्ष उम्र के खिलाड़ी दिन-रात मैदान में मेहनत कर पसीना बहा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इस गांव के फुटबॉलर ने सफलता नहीं पाई है। यहां के कई खिलाड़ी बिहार टीम की कप्तानी तक कर चुके हैं। फुटबॉल के प्रति जोश, जुनून और दीवानगी का आलम यह है कि इस

गांव में तीन-तीन क्लब हैं, जो खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में मदद भी करता है। युवा इन क्लबों से जुड़ जाते हैं। इस गांव के लोगों में फुटबॉल के प्रति दीवानगी के कारण इस गांव की पहचान भी फुटबॉलर गांव के रूप में होती है। इस गांव के 12 से अधिक ऐसे खिलाड़ी है जो राज्य और देश स्तर तक अपनी पहचान स्थापित कर चुके हैं। ग्रामीण बताते हैं, यह कोई आज की बात नहीं है। फुटबॉल अब यहां एक प्रचलन बन गया है। बताया जाता है कि वर्ष 1950 से ही इस गांव में फुटबॉल खेला जाता है। हालांकि तब इस गांव के फुटबॉल खिलाड़ी अपनी पहचान स्थापित करने में सफलता नहीं पा सके। लेकिन, 1968 में रविंद्र कुमार सिंह को विश्वविद्यालय स्तर पर मैच के लिए टीम में चयन हुआ। सिंह फिलहाल मुंगेर जिला फुटबॉल संघ के सचिव भी हैं। सिंह को भले फुटबॉल में उतनी सफलता नहीं मिली, लेकिन उन्होंने अपने पुत्र को इस खेल में प्रशिक्षित किया और उन्होंने राज्य स्तर पर अपनी पहचान बनाई। सिंह के बड़े पुत्र संजीव कुमार सिंह आठ बार संतोष ट्रॉफी खेल चुके हैं और भाग लेने वाली एक टीम की कप्तानी भी की है। भारतीय स्टेट बैंक की टीम की ओर से वे नेपाल में भी खेलने गये।

### ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन में साउथ अफ्रीका को हराया

# 6 विकेट से जीते कंगारू; मैच में 504 रन बने, 34 विकेट गिरे

**ब्रिस्बेन।**

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला दो दिन के अंदर ही खत्म हो गया है। इस मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से जीत लिया है। ब्रिस्बेन में शुरू हुए मुकाबले में गेंदबाजों का बोलबाला रहा। दो दिन में 34 विकेट गिरे। दोनों दिन 15-19 विकेट ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका के गेंदबाजों ने लिया। ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए दूसरी पारी में 33 रन की जरूरत थी। जिसे 4 विकेट खोकर ऑस्ट्रेलिया ने बना लिया।

इससे पहले कंगारू टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और साउथ अफ्रीका को महज 152 रन पर ऑल-आउट कर दिया। काइल वेरेन्ने ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। मिचेल स्टार्क और नाथन लायन ने 3-3 विकेट लिए। पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड को दो-दो सफलता मिली। जवाब

में ऑस्ट्रेलिया ने सभी विकेट खोकर 218 रन बनाए। वहीं साउथ अफ्रीका ने दूसरी पारी में 99 रन ही बनाए। ऑस्ट्रेलिया को दूसरी पारी में 34 रन चाहिए थे। जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट गंवाने के बाद आखिरकार हासिल कर लिया। अफ्रीका की ओर से ये चारो विकेट कगिसो रबाडा ने लिए।

**दूसरी पारी में भी अफ्रीकी बल्लेबाज फ्लॉप** - अफ्रीका को पहला झटका ओपनर डीन एलगर के रूप में लगा। वे पैट कमिंस की गेंद पर एलबीडब्ल्यु होकर पवेलियन लौटे। उस समय टीम का स्कोर 2 रन ही था। वहीं एक रन बाद रेसी वैन डेर ड्यूसेन भी लौट गए। उनके जाने के बाद दूसरे ओपनर सरल इरवी भी 5 रन पर चलते बने। चौथे विकेट के रूप में ऑस्ट्रेलिया को टेंबा बावुमा के विकेट मिला। वह 47 रन पर पवेलियन लौट गए। वहीं अगली गेंद पर काइन भी आउट होगए। 99 रन तक अफ्रीका सभी विकेट खो दिए। 8 बल्लेबाज दहाई तक का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। अफ्रीका की ओर से दूसरी पारी में सबसे ज्यादा रन खाया जोंडो ने बनाए। उन्होंने 85 गेंदों पर 36 रन बनाए। इनके अलावा टेंबा बावुमा ने 29 और केशव महाराज ने 16 रन बनाए।

**पैट कमिंस को दूसरी इनिंग में मिली 5 सफलता** - वहीं दूसरी इनिंग में पैट कमिंस सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 11.2 ओवर में 4 विकेट लिए। मिशेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए। वहीं नाथन लायन को 1 विकेट मिला।

**दूसरे दिन 73 रन पर ऑस्ट्रेलिया ने गंवाएं 5 विकेट** - वहीं पहली बारी में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी संघर्ष करते नजर आए। पहले दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 5 विकेट खोकर 145 रन बनाए। वहीं रविवार को कंगारू 73 रन पर ही बचे 5 विकेट गंवां दिए। 145 रन से आगे खेलने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने छठा विकेट 181 पर खो दिया। कैमरून ग्रीन 18 रन बना कर मार्को जनसन के शिकार बने। उनका कैच इरवी ने पकड़ा। वहीं नाथन लायन और पैट कमिंस भी बिना खाता लौट गए और मिशेल स्टार्क 14 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। जबकि एलेक्स कैरी 22 रन के साथ नाबाद लौटे।

### इंडियन एलीट में छाए उत्तर प्रदेश के धावक, पुरुषों वर्ग में अभिषेक के सिर सजा ताज

**कोलकाता।** टाटा स्टील कोलकाता 25के के सातवें संस्करण में पुरुषों और महिलाओं की इंडियन एलीट वर्ग में उत्तर प्रदेश के धावकों ने सिक्का जमाया। पुरुषों के 25के में उत्तर प्रदेश के अमेठी में जन्मे अभिषेक पाल ने पहला स्थान हासिल किया जबकि महिलाओं में मोनिका और रेणू सिंह ने दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। कोरोना के बाद आयोजित टीएसके 25 के भारतीय एलीट वर्ग में भारतीय पुरुषों का ताज अमेठी में जन्मे अभिषेक पाल ने जीता। भारतीय रेलवे के कर्मचारी ने 1: 17: 52 के समय के साथ इस दौड़ को पूरा किया। जीत के बाद पाल ने कहा, 20 किमी तक हम लगभग बराबर थे लेकिन उसके बाद, मैंने गति पकड़ ली। पिछली बार मैं यहां जीतने में असफल रहा था, इसलिए मैं दृढ़ निश्चयी था।

# शादियों के इस खुशनुमा मौसम में यह है ज्वैलरी का नया ट्रेंड

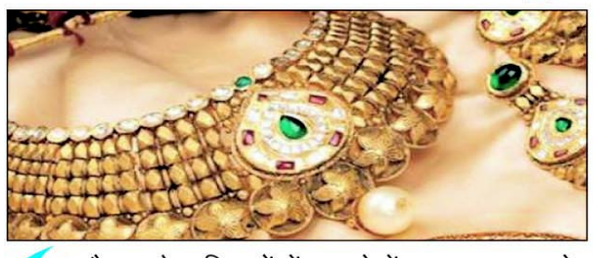

फैशन के गलियारों में बदलते ट्रेंड का असर हमारे दैनिक जीवन पर भी पड़ता है। खासतौर से, महिलाएं तो हमेशा ही लेटेस्ट ट्रेंड पहनने को बेताब रहती हैं। फिर चाहे बात कपड़ों की हो या ज्वैलरी की। महिलाएं हमेशा ही फैशनेबल दिखने की चाहत रखती हैं। इतना ही नहीं, घर से लेकर ऑफिस व पार्टी तक वह ऐसा कुछ पहनना चाहती हैं जो उन्हें दूसरों से हटकर दिखाए। तो आईए जानते हैं ऐसी ही कुछ ज्वैलरी के बारे में, जो इस समय काफी चलन में हैं

## ईयरिंग्स

अगर बात ईयरिंग्स की हो तो हूप ईयरिंग्स काफी चलन में हैं। वैसे हूप ईयरिंग्स का क्रेज पिछले साल भी काफी देखने को मिला था और इसकी पॉपुलैरिटी को देखते हुए इस साल भी यह ट्रेंड से आउट नहीं हुआ। इतना ही नहीं, यह घर से लेकर ऑफिस तक एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकते हैं हालांकि पार्टी में इन्हें अवॉइड करना ही बेहतर रहता है। इसके अतिरिक्त शैंडलीर ईयरिंग्स शाम की पार्टी के लिए एकदम परफेक्ट रहते हैं। यह लंबे हैंगिंग शिमरी स्टोंस युक्त ईयरिंग्स होते हैं। इनके रॉयल लुक को देखते हुए ही इन्हें पार्टीवियर माना जाता है। अगर आप बेहद सिंपल व एलीगेंट दिखना चाहती हैं तो आपके लिए स्टड विद पर्ल्स एक अच्छा ऑप्शन है। यह स्टड कभी भी फैशन से आउट नहीं होते। इस साल भी यह ट्रेंड में बने हुए हैं। इन सबके ईयरकफ्स को भी इन दिनों काफी तवज्जो दी जा रही है। ईयरकफ्स वैसे तो 1990 में ट्रेंड में आए थे लेकिन पिछले साल से इन्हें फिर से काफी पसंद किया जा रहा है। साथ ही अब ऐसे ईयरकफ्स डिजाइन किए जा रहे हैं, जिन्हें पहनने के लिए आपको पियर्सिंग करवाने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही यह आपके पूरे कानों को कवर करते हैं।

### ब्रेसलेट

इन दिनों ऐसे ब्रेसलेट का चलन है, जो सिल्वर मेटल के बने हों। साथ ही आजकल बेसिक मैटीरियल में लेदर को भी एड किया जा रहा है। अगर बात डिजाइन की हो तो इसमें इंडियन, टर्किश व ग्रीक लुक को तवज्जो दी जा रही है। इन सबके अतिरिक्त इस साल क्रिस्टल्स, चेन व पतले धागे में लगे मोतियों का भी काम काफी हद तक सराहा जा रहा है।

## पेंडेंट

आजकल ऐसे पेंडेंट लोगों द्वारा पसंद किए जा रहे हैं, जिनमें कलर्ड लेटर्स या नंबर्स का इस्तेमाल हो। इन नंबर्स को एक पतली गोल्ड चेन में लटकाकर पहना जा रहा है। यह वेट में हल्के होने के साथ-साथ बेहद अच्छा लुक देते हैं। इनके अतिरिक्त चोकर्स भी इन दिनों काफी ट्रेंड में हैं। इस ज्वैलरी की खासियत यह है कि यह वेट में हल्की होती है लेकिन देखने में यह काफी हैवी लुक देती है। इसलिए इन्हें डेली वियर के अतिरिक्त पार्टी में भी पहना जाता है। वहीं पार्टी लुक के लिए स्मॉल पेंडेंट के स्थान पर स्टेटमेंट पेंडेंट व नेकलेस पहनना अच्छा रहता है। अगर आपको छोटे पेंडेंट पहनना ही पसंद है तो उन्हें पार्टीवियर बनाने के लिए आप तीन-चार पेंडेंट एक साथ पहनें जिससे पेंडेंट की लेयरिंग आसानी से हो जाएं। मल्टी लेर्यड पेंडेंट पार्टी के लिए एक अच्छा ऑप्शन हो सकते हैं।

# बच्चों को ऐसे बनाएं नेचर फ्रेंडली

चढ़ते थे, लुका छिपी खेलते थे या मिट्टी के घर बनाते थे और घंटों धूल में खेला करते थे। अबअब वो दिन जा चुके हैं जब बच्चें पेड़ों पर मनोरंजन का मतलब उनके लिए टीवी या मोबाइल की स्क्रीन से चिपके रहना है।

अभिभावकों को अपने बच्चों को नेचर फ्रेंडली बनाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। हम आपको बता रहे हैं कि बच्चों को प्रकृति के करीब कैसे लाया जाए।

## उदाहरण सेट करना जरूरी

पैरंट्स को सबसे पहले खुद से पूछना होगा कि क्या असल जिंदगी में वह खुद अपने मशीनी उपकरण छोड़ कर नेचर के करीब जाने के लिए तैयार हैं। अगर नहीं, तो सबसे पहले अभिभावकों को खुद इसकी कोशिश करनी होगी क्योंकि यदि आप चाहते है कि बच्चें विडियो गेम्स या फोन से दूर रहें तो आपको बच्चों के सामने अपना उदारहण पेश करना होगा।

सॉइकॉलजिस्ट डॉक्टर वर्खा चुलानी के मुताबिक बच्चों में आदतें हमेशा उनके पैरंट्स से ही आती हैं। ऐसे में अगर बच्चा पैरेंट्स को सोफे पर चिपका देखेगा तो वह भी उन्हें ही कॉपी करेगा। इसी तरह अगर बच्चा देखेगा कि उनके अभिभावक एक्टिव हैं, उन्हें वॉक पर ले जाते हैं, उनके साथ स्पोर्ट्स में भाग लेते हैं या पार्क जाते हैं तो बच्चा खुद ऐक्टिव रहेगा।

## नेचर की केयर सिखाएं

एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रकृति के करीब रहने से बच्चों में शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक

और सामाजिक बर्ताव का ज्ञान पैदा होता है। चाइल्ड काउंसलर पद्मा कुमारी के मुताबिक बतौर अभिभावक हमें खुद से यह पूछना चाहिए कि क्या हम बच्चे को ऐसा माहौल दे पा रहे हैं जिससे कि बच्चे का पूरा विकास हो सके और साथ ही उसका मानसिक विकास भी हो।

बच्चों के दिमागी विकास के लिए आस पास के माहौल का बड़ा महत्व होता है तो अगर हम लगातार प्रकृति के साथ कुछ समय बिताते हैं तो इससे हमारे बच्चों को भी प्रेरणा मिलती है, साथ ही उनका विकास भी अच्छे से होता है।

## दें खुद को एक्सप्लोर करने का मौका

काउंसलर पद्मा के मुताबिक हमेशा घर के अंदर रहने से बच्चों में फिजीकल समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा घंटो ऑनलाइन गेम्स खेलने से उनमें हाइपरनेस आ जाती है और वे जल्दी-जल्दी बैचेन होने लगते हैं।

बच्चे न तो इस तनाव को हैंडल कर पाते हैं और न ही इस तनाव से बाहर निकलने का कोई सही रास्ता ढूंढ पाते हैं। लेकिन इस बात का भी ख्याल रखें कि आप बच्चे को आधुनिक जीवन शैली और संसाधनों से वंचित न कर दें।

# आंखों में बढ़ता दबाव है ग्लॉकॉमा का कारण

हमारी आंखें नन्हीं गेंदों की तरह हैं, जिनमें सामने से प्रकाश प्रवेश करता है। यह प्रकाश आंखों के भीतर कई सतहों और द्रवों से गुजरता हुआ अंत में पीछे के एक परदे पर पड़ता है, जिसे रेटिना कहते हैं। रेटिना में तमाम विशिष्ट तंत्रिकाएं इस प्रकाश को जमा करती हैं और फिर पीछे एक बड़ी तंत्रिका (नर्व) का निर्माण होता है। इस बड़ी तंत्रिका को ऑप्टिक नर्व कहा जाता है। ग्लॉकॉमा में होने वाले अंधेपन के पीछे इसी ऑप्टिक नर्व पर पड़ने वाला दबाव जिम्मेदार है।

आंखों में दबाव बढ़ता है, वह पीछे की ओर जोर लगाता है और ऑप्टिक नर्व दब जाती है। इस तंत्रिका के दबने से रोगी की आंखें प्रकाश को समेट कर मस्तिष्क तक पहुंचा नहीं पातीं। नतीजन दिखाई देना कम होने लगता है और कई बार पूरी तरह से रोशनी चली जाती है।

हमारी आंखें दरअसल प्रकाश का रिले-सेंटर-भर हैं। वे प्रकाश पैदा नहीं करतीं। वे सूर्य-चंद्रमा-कृत्रिम रोशनी के स्रोतों से प्रकाश को लेकर उसे रेटिना की तंत्रिकाओं के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुंचाती हैं। आंखों की बाहरी सतह जहां से प्रकाश भीतर दाखिल होता है, कॉर्निया कहलाती है। इस कॉर्निया से होते हुए प्रकाश एक तरल पदार्थ एक्वस ह्यूमर में प्रवेश करता है। एक्वस ह्यूमर की स्थिति दरअसल कॉर्निया और लेंस के बीच में होती है। जिस स्थान पर एक्वस ह्यूमर मौजूद होता है, उसे एंटीरियर चैम्बर का नाम दिया गया है। इस एंटीरियर चैम्बर में एक काले रंग का गोल परदा होता है, जिसे आइरिस का नाम दिया गया है। यह

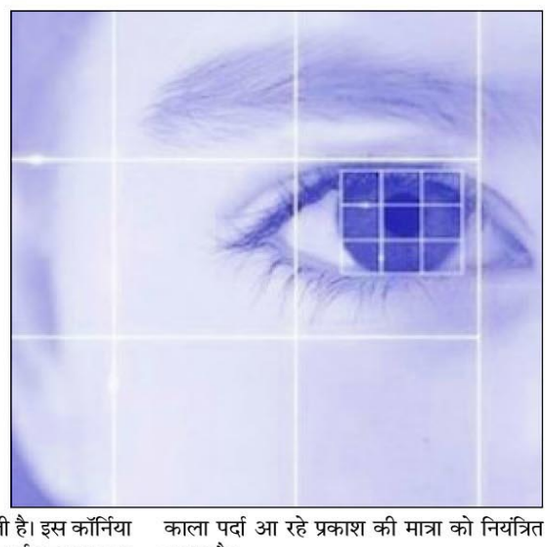

काला पर्दा आ रहे प्रकाश की मात्रा को नियंत्रित करता है।

ग्लॉकॉमा की सारी कहानी समझने के लिए एंटीरियर चैम्बर में मौजूद एक्वस ह्यूमर, उसको सोखने वाले कैनाल ऑफ श्लेम और एंटीरियर चैम्बर में मौजूद काले गोल पर्दे आइरिस को समझना है। ग्लॉकॉमा तभी पैदा होता है, जब इनमें से किसी हिस्से में कहीं कोई गड़बड़ी पैदा हो।

# पूजा की इन 5 चीजों को कभी जमीन पर न रखें

ब्रह्मवैवर्त पुराण वेदमार्ग का दसवाँ पुराण है। इसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओंका विस्तृत वर्णन, श्रीराधा की गोलोक-लीला तथा अवतार-लीलाका सुन्दर विवेचन किया गया है। इस पुराण में चार खण्ड हैं। ब्रह्म खण्ड, प्रकृति खण्ड, श्रीकृष्ण जन्म खण्ड और गणेश खण्ड। इसके पहले भाग में पूजा की कुछ जरूरी विधियां विस्तार से दी हुई हैं। इसे अपनाकर हम सुखी तथा समृद्धि के साथ जीवन जी सकते हैं। ब्रह्मवैवर्त के अनुसार पूजा करने की कुछ ऐसी वस्तुएं होती है जिन्हें सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए।

## दीपक

दीपक को सीधे भूमि पर नहीं रखना चाहिए। इसे सीधे भूमि पर रखने से घर में नकारात्मक शक्तिया बढ़ती हैं। दीपक को सीधे रखने के बजाय उसे चावल के ढेर पर रखना सही होता है।

## सुपारी

सुपारी का भी पूजा में विशेष महत्व होता है। इसे पान के साथ भगवान क अर्पित किया जाता है। इसे भी सीधे भूमि पर रखने की मनाही है। पूजा के समय इसे नीचे रखने के लिए सिक्के का प्रयोग किया जा सकता है। अतः जब भी सुपारी को भूमि पर रखना हो तो उसे सिक्के पर ही रखें।

## शालिग्राम

भगवान विष्णु के पूजा के लिए शालिग्राम के पत्थर रुपी आकृति को शालिग्राम के नाम से जाना जाता है। शालिग्राम का प्रयोग भगवान के प्रतिनिधि के रूप में उनका आह्वान करने के लिए किया जाता है। शालीग्राम की पूजा आमतौर पर शैव एवं वैष्णव दोनों प्रकार के भक्त करते हैं। इसे भी पूजा के समय भूमि पर रखनी चाहिए। इसे भूमि पर रखते समय सफेद रंग के रेशमी कपड़े के उपर रखना ठीक होता है।

## मणि पत्थर

विभिन्न देवी देवताओं की पूजा में मणि पत्थर का प्रयोग किया जाता है। लेकिन भूमि पर सीधे न रखकर इसे किसी साफ व पवित्र कपड़े पर रखना सही होता है।

## यज्ञोपवीत

भारतीय धर्म में व्यक्तिगत संस्कार के लिए उसके जीवन का विभाजन चार आश्रमों में किया गया था। जिसे ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ औ संन्यास आश्रम के नाम से जाना जाता है। जबकि जीवन के प्रथम आश्रम ब्रह्मचर्य में बालक का यज्ञोपवीत कर उसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए गुरुकुल में भेजा जाता था। पुजा में भी इस यज्ञोपवीत (जनेउ) का प्रयोग किया जाता है।

# साड़ी पहनने के इन तरीकों को आजमाइये

साड़ी भारतीय महिलाओं का सबसे पसंदीदा परिधान है जिसे वह पहनना पसंद करती हैं। इसे सभी प्रकार के उत्सवों में पहना जा सकता है, खासकर शादियों में। जिनकी नई-नई शादी हुई होती है, उनके लिए साड़ी पहनना और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन अगर आप एक ही स्टाइल की साड़ी पहन कर बोर हो गई हैं, तो अब समय आ गया है इसमें बदलाव करने का।

साड़ी पहनने का पारम्परिक तरीका हर प्रदेश में अलग अलग होता है। लहंगा, बटरफ्लाई तथा जलपरी की तरह का स्टाइल प्रचलित तरीकों में से हैं। नीचे ऐसे ही कुछ साड़ी पहनने के नये तरीके बताये गए हैं।

## साड़ी पहनने का लहंगा स्टाइल

साड़ी को चुन्नटों की मदद से लहंगे की तरह पहना जाता है। इस स्टाइल के लिए

आमतौर पर उलटे पल्लू का प्रयोग किया जाता है। आजकल पहले से सिली हुई लहंगा साड़ी भी बाजार में उपलब्ध है। किसी भी खास उत्सव पर पहनने के लिए ये बिलकुल सही विकल्प है। साड़ी का यह डिजाइन एक आधुनिक स्टाइल है जो साड़ी और लहंगे के रूप में दो खूबसूरत भारतीय परिधानों का मिश्रण करती है।

## निवी साड़ी

निवी स्टाइल ने आंध्र प्रदेश में जन्म लिया था और आज यह सारे भारत में प्रचलित तरीका है। निवी साड़ी पहनना काफी आसान है। इस तरिके का प्रयोग कर आप निवी स्टाइल की साड़ी आसानी से रोजाना के इस्तेमाल में या किसी उत्सव में भी पहन सकती हैं।

## बटरफ्लाई साड़ी

बटरफ्लाई साड़ी पहनने का तरीका निवी स्टाइल के जैसा ही होता है, लेकिन इनमें सिर्फ पल्लू का अंतर होता है। इसमें पल्लू को काफी पतला कर दिया जाता है जिससे कि आपके शरीर का मध्य भाग दिखता रहे। इसे आदर्श रूप से भारी कलाकारी वाले स्टेटमेंट ब्लाउज के साथ पहना जाता है।

## रेसिपी

### टोर्टीला

#### सामग्री

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

#### विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी। (10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेंड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

### पनीर समोसा

#### सामग्री

8 समोसा पट्टियां , **भरावन मिश्रण के लिए:** 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/4 कप बहुत बारीक कटे प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1/4 कप बहुत बारीक कटी शिमला मिर्च, 1 1/2 टी-स्पून अमचूर पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 कप बहुत बारीक कटा पनीर, नमक , स्वाद अनुसार, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हरा धनिया, **परोसने के लिए:** पुदीना चटनी

#### विधि

**भरावन मिश्रण के लिए:** एक चौड़े पैन में तेल गरम कीजिए। जीरा डालिए। जब ज़ीरा चटकने लगे तो प्याज और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनिए। शिमला मिर्च, अमचूर पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, पनीर, नमक तथा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाइए। मध्यम आंच पर और 2 मिनट भूनिए। पूरी तरह ठंडा कीजिए और मिश्रण को बराबर 8 भागो में बांटकर एक तरफ रख दीजिए।

**कैसे आगे बढ़े:** समोसा पट्टी को सूखी, साफ, समतल जगह पर रखिए। पट्टी के एक कोने पर 1 भाग भरावन मिश्रण रखिए और तीकोण के रूप में मोड़िए। किनारों पर थोडा पानी लगाकर समोसे को बंद कर दीजिए। (नीचे दिए गए चित्रों की सहायता लीजिए)। शेष बची सामग्री और पट्टियों से यही प्रक्रिया दोहराते हुए बाकी 7 समोसे बनाइए। एक कड़ाही में तेल गरम कीजिए और थोड़ा-थोड़ा करके समोसों को चारों तरफ से भूरा होने तक तल लीजिए। तेल सोखनेवाले कागज पर निकालिए और पुदीना चटनी के साथ गरमा गरम परोसिए।

# लड़कियों के लिए खास है ये हेयर एसेसरीज

एसेसरीज हमारी खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती हैं। यह हमें स्टाइलिश और दूसरे से अलग दिखाती है। एसेसरिज का प्रयोग करके हम अपने लूक को अच्छी फिनिशिंग देने की कोशिश करते हैं। लड़कियां अपने कपड़ों और बालों के साथ नए नए प्रयोग करना और उन्हें सजाना संवारना पसंद करती हैं, इसीलिए आज हम टीनएजर्स के बालों में इस्तेमाल करने वाली कुछ आकर्षक हेयर एसेसरीज के बारे में जानकारी लेकर आए हैं। यहां हम बालों की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए ऐसी ही कुछ खास एसेसरीज और उनके कलेक्शन के बारे में बता रहे हैं जो टीनएज लड़कियों के लिए खास तौर पर बनाया गया है।

## टियारा क्राउन

टियारा क्राउन खास तौर पर टीनएज लड़कियों के बीच बहुत लोकप्रिय हुये हैं। किसी खास मौकों पर लड़कियां इसे पहनना

पसंद करती है। टियारा एक ऐसा एसेसरीज है जिसे पहन कर कोई टीनएज गर्ल अपने आप को बहुत स्पेशल महसूस कर सकती है। 70 के दशक में भी इस टियारा का इस्तेमाल किया जाता था। उस समय महिलाएं इसे लान्ग स्कर्ट या गाउन के साथ पहनना पसंद करती थीं। आजकल अच्छे कलर में टियारा का खूबसूरत कलेक्शन आनलाइन भी मौजूद है।

## क्रीमी फ्लावर कोम्ब क्लिप

इस खूबसूरत कोम्ब को शानदार फूलों से बनाया जाता है। यह कंघी की तरह की एक हेयर क्लिप है, जिसे बेहद ही आसानी से पहना जा सकता है। यह आपके बालों को अच्छी तरह व्यवस्थित करके रखती है। इसे शादी, पार्टी जैसे खास मौकों पर पहना जा सकता है। भारतीय परिधानों के साथ भी यह काफी आकर्षक लगता है।

## हेयर कोम्ब एसेसरीज

इस हेयर क्लिप को लगाकर आप एक ग्लैमरस लुक पा सकती हैं, यह चमकीला कोम्ब शानदार हेयर एसेसरीज में शुमार है, जिसे लगाकर आप बहुत खास लग सकती हैं। जब आप अपने बाल खुले रखती हैं तो यह आपके बालों को बेहतर ढंग से संभाले रखने के साथ उसे व्यवस्थित भी रखता है। शादी या किसी त्योहार पर इसे पहनना उपयुक्त होगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय ) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, ( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )